- कांग्रेस ने घुसपैठियों को सौंप दिया था काजीरंगा राजग ने बचाया : अमित शाह - 12

- पेट्रोरसायन उत्पादों पर आयात शुल्क में छूट, 1800 करोड़ का पड़ेगा बोझ - 12

- यशोदा और कृष्ण... राजा रवि वर्मा की पेंटिंग 167.20 करोड़ रुपये में बिकी - 13

- पंजाब किंग्स के खिलाफ लय हासिल करना चाहेगी सीएसके - 14

आज का मौसम

36.0⁰ अधिकतम तापमान

23.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.58

सूर्यास्त 06.27

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 08:42 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026, वर्ष 4, अंक 222, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

बंगाल में न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाना राज्य की विफलता : सुप्रीम कोर्ट

निष्क्रियता के लिए बंगाल सरकार को फटकारा, सीबीआई या एनआईए से जांच के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से मांगा जवाब
- बंगाल के शीर्ष अधिकारियों को 6 अप्रैल तक ऑनलाइन पेश होने का निर्देश
- सीजेआई ने कहा- बुधवार रात 2 बजे तक उन्हें खुद स्थिति पर नजर रखनी पड़ी
- मालदा के डीएम-एसपी मौके पर क्यों नहीं गए, ये अदालत को चुनौती जैसा

सुप्रीम कोर्ट ने मालदा में सात न्यायिक अधिकारियों का घेराव कर उन्हें बंधक बनाने की गुरुवार को निंदा करते हुए निष्क्रियता को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही सीबीआई या एनआईए से मामले की स्वतंत्र जांच कराए जाने का आदेश दिया। कोर्ट ने तीखी आलोचना करते हुए कहा कि यह घटना राज्य प्रशासन की पूर्ण विफलता को भी उजागर करती है। उसने टिप्पणी की कि बंगाल सबसे अधिक ध्रुवीकरण वाला राज्य है।

कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह राज्य में पर्याप्त केंद्रीय बलों की मांग करे और उन्हें उन सभी स्थानों पर तैनात करे जहां मतदाता सूचियों की एसआईआर प्रक्रिया के तहत न्यायिक अधिकारी आपत्तियों का निपटारा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया जाता है कि वह घटना की जांच/पड़ताल किसी स्वतंत्र एजेंसी यानी सीबीआई या एनआईए को सौंपे। अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की जाए। जिस एजेंसी को जांच सौंपी जाएगी, वह सीधे इस न्यायालय में प्रारंभिक रिपोर्ट दाखिल करने के लिए बाध्य होगी। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने राज्य के मुख्य सचिव डीजीपी तथा मालदा के जिलाधिकारी और एसएसपी को कारण बताओ नोटिस जारी कर यह बताने को कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से प्राप्त पत्र की सामग्री के आलोक में उनके खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई क्यों न की जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के उस पत्र का भी संज्ञान लिया जिसमें उस भयावह रात का ब्योरा दिया गया है जब तीन महिलाओं और पांच साल के एक बच्चे समेत न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे से अधिक समय तक लोगों की भीड़ ने बंधक बनाकर रखा तथा इस दौरान उन्हें भोजन एवं पानी तक नहीं मिला। बंगाल के महाधिवक्ता ने दलील दी कि मामले में निर्वाचन आयोग को विरोधी पक्ष की तरह काम नहीं करना चाहिए। सीजेआई ने कहा, दुर्भाग्य से आपके राज्य में हर व्यक्ति राजनीतिक भाषा बोलता है। आप हमें टिप्पणियां करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि हमें यह नहीं पता कि उपद्रवी कौन हैं? मैं रात दो बजे तक हर चीज पर नजर रख रहा था। बहुत, बहुत दुर्भाग्यपूर्ण।

सीजेआई ने सभी शीर्ष अधिकारियों को उस समय छह अप्रैल को ऑनलाइन पेश होने का निर्देश दिया जब पीठ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से दायर याचिका समेत विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

सीजेआई ने कई चौकाने वाले खुलासे किए

मामले की सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश ने चौंकाने वाले घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि अपराह्न साढ़े तीन बजे घेराव शुरू हुआ और उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल ने तत्काल राज्य प्राधिकारियों को इसकी जानकारी दे दी। उन्होंने कहा कि इसके बाद बार-बार गुहार लगाए जाने के बावजूद रात साढ़े आठ बजे तक राज्य के अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आदेश में कहा गया, बाद में रजिस्ट्रार जनरल ने गृह सचिव और डीजीपी से संपर्क किया, शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया गया लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। न्यायिक अधिकारियों को भोजन और पानी तक उपलब्ध नहीं कराया गया। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को खुद हस्तक्षेप करना पड़ा और उन्होंने गृह सचिव एवं डीजीपी के साथ ग्रुप कॉल के जरिए बात की। गृह सचिव और डीजीपी मुख्य न्यायाधीश के आवास पर पहुंचे और बंधक बनाए गए न्यायिक अधिकारियों को आधी रात के बाद छुड़ाया गया।

कोर्ट के प्राधिकार को भी चुनौती देने वाला कदम

कोर्ट ने कहा- बुधवार की घटना न केवल न्यायिक अधिकारियों को डराने-धमकाने की सरेआम की गई कोशिश है, बल्कि यह इस न्यायालय के प्राधिकार को भी चुनौती देने के बराबर है। यह कोई सामान्य घटना नहीं है। प्रथम दृष्टया यह न्यायिक अधिकारियों का मनोबल तोड़ने के लिए सुनियोजित तरीके से उठाया गया सोचा-समझा कदम है। पीठ ने यह सुनिश्चित करने के लिए भी कई निर्देश जारी किए कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान न्यायिक अधिकारियों के काम में कोई बाधा न आए और उन्हें यह भरोसा दिलाया जा सके कि उनके जीवन, स्वतंत्रता, संपत्ति और परिवार के सदस्यों की सुरक्षा की जाएगी।

वाहनों पर पथराव व लाठियों-ईंटों से हुआ हमला

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को बचाए जाने के बाद भी उनके वाहनों पर पथराव किया गया और उन पर लाठियों तथा ईंटों से हमला किया गया। यह देखकर हमें बेहद निराशा हुई कि मुख्य सचिव से संपर्क नहीं हो सका उन्हें कोई संदेश नहीं पहुंचाया जा सका। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, रात 11 बजे तक आपका जिलाधिकारी वहां नहीं था। मुझे रात में बहुत कड़े मौखिक निर्देश देने पड़े। कुछ वकीलों ने जब इस घटना को सामान्य विरोध प्रदर्शन करार देने की कोशिश की तो प्रधान न्यायाधीश ने कड़ी नाराजगी जताई।

जल्द काम खत्म करेगी अमेरिकी सेना : ट्रंप

जमीनी हमला हुआ तो जिंदा नहीं छोड़ेंगे : ईरान

वाशिंगटन, एजेंसी

- युद्ध के बीच अपने पहले संबोधन में बोले- मुख्य रणनीतिक लक्ष्य पूरे होने के करीब
- कहा- समझौता नहीं हुआ तो दो से तीन सप्ताह में बेहद कड़ा प्रहार करेंगे, पाषाण युग में भेज देंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ईरान में जल्द ही काम खत्म कर देगी क्योंकि मुख्य रणनीतिक उद्देश्य पूरे होने वाले हैं। ट्रंप ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमले करने के करीब एक महीने बाद राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में अपने इस कदम का बचाव किया। अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर 28 फरवरी, 2026 को पहली बार हमला किया था जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की और पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हो गया।

वहीं, ईरान ने संभावित जमीनी अभियान को लेकर कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अमेरिकी सेना ने जमीनी हमला करने की कोशिश की तो कोई भी जीवित नहीं बचेगा। ईरान की सेना ने अमेरिकी जमीनी हमले की आशंका के मद्देनजर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। ट्रंप ने ईरान के खिलाफ हमलों के संदर्भ में कहा, अगले दो से तीन सप्ताह में हम उन पर बेहद कड़ा प्रहार करेंगे। हम उन्हें पाषाण युग में भेज देंगे, जहां उन्हें वास्तव में होना चाहिए। ट्रंप ने लगभग 20 मिनट के इस संबोधन में हाल के हफ्तों में कही गई अपनी कई बातों को दोहराया। ईरान पर अमेरिका के कड़े हमले जारी रखने संबंधी ट्रंप की टिप्पणियों के बाद तेल की कीमतों में चार प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई और एशियाई शेयर बाजार गिर गए। ट्रंप ने कहा, प्रथम विश्व युद्ध एक साल, सात महीने और पांच दिन चला था। द्वितीय विश्व युद्ध तीन साल, आठ महीने और 25 दिन तक जारी रहा था। उन्होंने कहा कि तुलनात्मक रूप से ईरान में कार्रवाई 32 दिन तक चली है, और यह इतनी शक्तिशाली, इतनी शानदार रही है कि सबसे शक्तिशाली देशों में शामिल देश अब वास्तव में कोई खतरा नहीं है। ट्रंप ने कहा, पिछले सप्ताह सशस्त्र सैन्य बलों ने युद्धक्षेत्र में कई तेज, निर्णायक और जबरदस्त जीत हासिल की हैं। बी-2 बमवर्षक विमानों से जिन परमाणु ठिकानों को हमने ध्वस्त किया है।

ईरान बोला- इजराइल अमेरिका पर हमारी नजर

तेहरान। ईरान के सशस्त्र बलों के प्रमुख आमिर हतामी ने सैन्य मुख्यालयों को अमेरिका और इजराइल की गतिविधियों पर पल-पल नजर रखने के निर्देश दिए हैं। हतामी ने कहा कि यदि दुश्मन जमीनी कार्रवाई करता है तो एक भी व्यक्ति को जीवित नहीं बचेगा। यह बयान उस समय आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ तीन सप्ताह तक चलने वाले तीव्र सैन्य अभियान की घोषणा की है। वहीं विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका से संदेश मिलने के बावजूद बातचीत को लेकर भरोसा शून्य बना हुआ है।

ईरान ने इजराइल व खाड़ी देशों पर किए मिसाइल हमले

दुबई। ईरान ने गुरवार को इजराइल और खाड़ी के अरब देशों पर और मिसाइलें दागकर यह संकेत दिया कि वह फिलहाल हमले नहीं रोकेगा जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान से खतरा लगभग खत्म हो चुका है और युद्ध जल्द खत्म हो जाएगा। पड़ोसी देशों पर ईरान के हमलों और होर्मुज पर उसके नियंत्रण से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है, जिसका असर पश्चिम एशिया के साथ-साथ दुनियाभर में देखा जा रहा है।

ब्रीफ न्यूज

रुपया 152 पैसे की तेजी के साथ 93.18 रुपये प्रति डॉलर पर

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में गुरुवार को रुपया 152 पैसे की जबरदस्त तेजी के साथ 93.18 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। मुद्रा बाजार में दो दिन के अवकाश के बाद गुरुवार को कारोबार शुरू हुआ। इन दो दिनों के वैश्विक कारकों का असर भारतीय मुद्रा पर साफ दिखा। इसकी शुरुआत की सात पैसे की बढ़त में 94.63 रुपये प्रति डॉलर पर हुई, और खुलते ही यह 93.50 रुपये प्रति डॉलर के करीब पहुंच गया। एक समय यह 92.82 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ था। अंत में 93.18 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी दिवस पर रुपया 15.25 पैसे की बढ़त में 94.70 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

हथियार तस्कर गिरोह का भंड़ाफोड़, 10 सेल्फ लोडिंग हथियार बरामद

पटियाला। पटियाला पुलिस ने गुरुवार को एक अंतर-राज्यीय अवैध हथियार आपूर्ति मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 अत्याधुनिक सेल्फ-लोडिंग हथियार बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में सौरभ कुमार निवासी गाँव जरंग डीह, मुजफ्फरपुर, बिहार मुख्य सरगना था।

लोकसेवकों को नागरिक प्रथम मंत्र अपनाने की जरूरत : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा-तेजी से बदलते समय के साथ शासन व्यवस्था को लगातार विचार करने की जरूरत
- 'साधना सप्ताह' कार्यक्रम की शुरुआत पर एक वीडियो संदेश में दी जानकारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने के लिए तेजी से बदलते समय के साथ शासन व्यवस्था को लगातार अद्यतन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज देश के प्रशासन का मूल मंत्र 'नागरिक देवो भवः' है और सार्वजनिक सेवा को नागरिकों की जरूरतों के प्रति अधिक सक्षम और संवेदनशील बनाने के लिए पुनर्गठित किया जा रहा है। मोदी ने 'साधना सप्ताह' कार्यक्रम की शुरुआत पर एक वीडियो संदेश में कहा, शासन को अब सही मायने में नागरिक-केंद्रित बनाकर एक नई पहचान दी जा रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नागरिकों के जीवन की सुगमता और गुणवत्ता में सुधार के लिए शासन व्यवस्था ही मानदंड होनी चाहिए और उन्होंने लोक सेवकों से प्रतिदिन कुछ नया सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हमारी शासन व्यवस्था यह सुनिश्चित करे कि नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में दिन-प्रतिदिन सुधार हो। यही हमारा सच्चा मानदंड है। प्रशासनिक संस्कृति में बुनियादी बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पुरानी व्यवस्था में अधिकारी होने पर अत्यधिक जोर दिया जाता था, जबकि आज देश का ध्यान पूरी तरह कर्तव्य भावना पर केंद्रित है।

उन्होंने लोकसेवकों को संबोधित करते हुए कहा, हर निर्णय से पहले यदि आप यह सोचें कि आपका कर्तव्य क्या मांगता है, तो आपके निर्णयों का प्रभाव खुद कई गुना बढ़ जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्थाओं के बीच भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और उसे अपनी शासन प्रणाली को लगातार अद्यतन करते रहना होगा।

बेहतर प्रशासक और लोकसेवक वही होगा जो तकनीक और डेटा की गहरी समझ रखता हो

मोदी ने कहा, एक बेहतर प्रशासक और बेहतर लोकसेवक वही होगा, जो तकनीक और डेटा की गहरी समझ रखता हो, यही निर्णय लेने की प्रक्रिया का आधार बनेगा। साधना (राष्ट्रीय उन्नति के लिए अनुकूल विकास और मानवीय योग्यता को मजबूत करना) सप्ताह का आयोजन क्षमता विकास आयोग (सीबीसी) द्वारा दो से आठ अप्रैल तक किया जा रहा है। यह सप्ताह भारत के सिविल सेवा तंत्र में सबसे बड़े सहयोगी क्षमता निर्माण प्रयासों में से एक है। आयोग की स्थापना की पृष्ठभूमि पर विचार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से कई संस्थान अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहे थे, लेकिन प्रत्येक सरकारी कर्मचारी की क्षमता बढ़ाने के लिए एक समर्पित संस्था की स्पष्ट आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी सोच ने क्षमता विकास आयोग को जन्म दिया, जो व्यवस्था में प्रत्येक 'कर्मयोगी' को सशक्त बनाने पर केंद्रित है।

होर्मुज संकट पर 35 देश करेंगे बैठक, भारत होगा शामिल

- ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली समेत 35 देशों ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली/ लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन में होर्मुज खोलने के तरीकों पर चर्चा करते अधिकारी।

ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमलों के बाद बंद किए गए महत्वपूर्ण जहाज मार्ग होर्मुज जलडमरुमध्य को खुलवाने के लिए कूटनीतिक व राजनीतिक दबाव बनाने को लेकर गुरुवार को 35 से अधिक देशों की बैठक करेंगे। ब्रिटेन ने भारत को बातचीत में शामिल का निमंत्रण भेजा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि बैठक में भारत शामिल होगा। इस बैठक में हिस्सा लेने वाले देशों में अमेरिका शामिल नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के यह स्पष्ट करने के बाद यह बैठक होगी कि जलमार्ग खुलवाना अमेरिका का काम नहीं है। ट्रंप ने अमेरिका के यूरोपीय सहयोगियों की भी आलोचना करते हुए कहा है कि उन्होंने युद्ध का समर्थन नहीं किया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने कहा कि विदेश मंत्री यवेट कूपर की अध्यक्षता में डिजिटल माध्यम से आयोजित होने वाली इस बैठक में हम सभी संभव कूटनीतिक और राजनीतिक उपायों का मूल्यांकन करेंगे ताकि आवागमन की स्वतंत्रता बहाल हो सके, फंसे हुए जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और महत्वपूर्ण वस्तुओं के परिवहन को फिर से शुरू किया जा सके। इस बीच, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा, जापान और यूएई समेत कुल 35 देशों ने एक साझा बयान पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें उन्होंने ईरान से होर्मुज जलडमरुमध्य को अवरुद्ध करने के प्रयास बंद करने का अनुरोध किया है।

होर्मुज को फिर से खोलने का सैन्य विकल्प अवास्तविक : मैक्रों

सियोल। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि उनका मानना है कि सैन्य अभियान के जरिए होर्मुज को फिर से खोलना अवास्तविक है। मैक्रों ने दक्षिण कोरिया में पत्रकारों से कहा, कुछ लोग सैन्य अभियान के जरिए बलपूर्वक होर्मुज को फिर से खोलने की वकालत करते हैं। अमेरिका ने कई बार यह रुख जाहिर किया है। सैन्य अभियान में बहुत समय लगेगा और हर एक को ईरानी खतरों का सामना करना पड़ेगा, जिनके पास बैलिस्टिक मिसाइलें और कई अन्य हथियार मौजूद हैं।

एक्सप्रेस-वे की टोल दरों में बढ़ोतरी

लखनऊ। उप्र में 1 अप्रैल से एक्सप्रेस-वे पर सफर महंगा हो गया है। प्राधिकरण ने टोल दरों में बढ़ोतरी की जानकारी दी है। नई दरों के अनुसार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर दोपहिया, तीनपहिया और पंजीकृत ट्रैक्टर के टोल में 5 रुपये की वृद्धि की गई है। वहीं कार और जीप के लिए 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी भारी वाहनों पर हुई है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर सात चक्के वाले बड़े वाहनों के टोल में 85 रुपये तक की वृद्धि की गई है। पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर बस-ट्रक के टोल में 15 रुपये और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर पांच रुपये की बढ़ोतरी की गई है।

यूपी पुलिस में इस वर्ष 81 हजार पदों पर होगी भर्ती

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस वर्ष में यूपी पुलिस में 81 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की तैयारी है। यह बड़ी भर्ती अभियान युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ प्रदेश को एक सक्षम, ऊर्जावान और आधुनिक पुलिस बल उपलब्ध कराएगा। मुख्यमंत्री ने गुरुवार देर रात पुलिस विभाग के विभिन्न इकाइयों की जारी गतिविधियों व भावी कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आधुनिक तकनीक, पारदर्शी कार्यप्रणाली और सक्षम मानव संसाधन पर समान रूप से ध्यान देना होगा। बैठक में बताया गया कि उपनिरीक्षक, आरक्षी सिविल पुलिस, रेडियो सहायक परिचालक, कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए तथा पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय) सहित विभिन्न श्रेणियों में 81 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रस्तावित है। इनमें से कुछ की प्रक्रिया प्रारंभ भी हो गई है।

प्रदेश में छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों को दूसरा मौका, फिर खुलेगा पोर्टल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2025-26 सत्र के छूटे छात्रों को दोबारा आवेदन का अवसर
- सामान्य, एससी-एसटी व ट्रांसजेंडर छात्रों को मिलेगा लाभ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने छात्र-छात्राओं के हित में बड़ा फैसला लेते हुए छात्रवृत्ति से वंचित रह गए विद्यार्थियों को दूसरा मौका देने का निर्णय लिया है। योगी के नेतृत्व में समाज कल्याण विभाग जल्द ही शैक्षिक सत्र 2025-26 की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के लिए पोर्टल दोबारा खोलेगा।

इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र छात्र तकनीकी या अन्य कारणों से योजना के लाभ से वंचित न रह जाए। योजना का लाभ सामान्य वर्ग, एससी, एसटी के साथ-साथ ट्रांसजेंडर समुदाय के विद्यार्थियों को भी मिलेगा। समाज कल्याण विभाग के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी पोर्टल दोबारा खोला गया था। इस दौरान 53,041 छात्रों को 81.12 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति प्रदान की गई। इनमें 25,395 एससी छात्रों को 30.65 करोड़ रुपये और 27,646 सामान्य वर्ग के छात्रों को 50.47 करोड़ रुपये की सहायता दी गई थी।

हर छात्र तक पहुंचे लाभ, सरकार का लक्ष्य

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी छात्र को आर्थिक कारणों से पढ़ाई बीच में न छोड़नी पड़े, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह पहल न केवल शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी विकास को बढ़ावा देगी, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी मददगार साबित होगी। इससे हजारों छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने का नया अवसर मिलेगा।

जनता दर्शन | मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में लोगों की सुनीं समस्याएं, संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

जरूरतमंद को आवास व बीमार के इलाज की होगी व्यवस्था : योगी

- समस्या के समयबद्ध व संतुष्टिपरक निस्तारण के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

गोरखनाथ मंदिर में लोगों से मुलाकात कर समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंदों को आवास और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया।

जनता दर्शन में करीब 100 लोगों से सीधे संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने उनके प्रार्थना पत्र लिए और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों का समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। पुलिस से जुड़े मामलों में सख्त और त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। एक महिला द्वारा आवास की समस्या रखने पर मुख्यमंत्री ने उसे सरकारी योजना के तहत आवास दिलाने का आश्वासन दिया। वहीं इलाज के लिए सहायता मांगने वालों से कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जरूरतमंदों के इलाज का इस्टीमेट शीघ्र तैयार कर सहायता उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट देकर उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित भी किया।

सिंगापुर के उच्चायुक्त ने योगी से की शिष्टाचार भेंट

लखनऊ। सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश और सिंगापुर के मध्य निवेश, कौशल विकास, आधारभूत संरचना तथा सांस्कृतिक सहयोग को और सुदृढ़ करने पर चर्चा हुई। वोंग ने फरवरी में मुख्यमंत्री की सिंगापुर यात्रा को सफल बताते हुए कहा कि उनकी यात्रा ने सकारात्मक संदेश दिया है।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

वाराणसी में 'सम्राट विक्रमादित्य' महानाट्य का मंचन आज से

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार से दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचेंगे, जहां वे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ 'सम्राट विक्रमादित्य' महानाट्य का शुभारंभ करेंगे। बीएलडब्ल्यू मैदान में 3 से 5 अप्रैल तक आयोजित इस महानाट्य का उद्देश्य भारत के गौरवशाली इतिहास, विक्रम संवत की वैज्ञानिकता और प्राचीन परंपराओं से जनमानस को जोड़ना है। करीब 1 घंटे 45 मिनट की प्रस्तुति में 175 से अधिक कलाकार भाग लेंगे। इस अवसर पर बाबा विश्वनाथ को वैदिक घड़ी समर्पित की जाएगी, जो भारतीय काल गणना की परंपरा को आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत करेगी। आयोजन स्थल पर ज्ञानवर्धक प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी। मुख्यमंत्री शुक्रवार शाम कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह आयोजन उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है।

जगजीवन राम की जयंती 'समता दिवस' के रूप में मनाएगी कांग्रेस

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय।

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस पार्टी पूर्व केंद्रीय नेता बाबू जगजीवन राम की जयंती (5 अप्रैल) को 'समता दिवस' के रूप में मनाएगी। इसके तहत 4 अप्रैल को लखनऊ स्थित कांग्रेस कार्यालय में संगोष्ठी और सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मीरा कुमार शामिल होंगी। कार्यक्रम की जानकारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने दी। उन्होंने बताया कि यह आयोजन सामाजिक न्याय और समानता के मूल्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिसके लिए बाबू जगजीवन राम का योगदान देश के इतिहास में महत्वपूर्ण रहा है। इस दौरान अजय राय ने भाजपा सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है और सरकार वास्तविक स्थिति को छुपा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आने वाले समय में हालात और गंभीर हो सकते हैं। आईएएस रिंकू सिंह राही के इस्तीफे के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि जो अधिकारी गलत कार्य नहीं करना चाहते, वे पद छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। साथ ही स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इसे नहीं रोका गया तो कांग्रेस प्रदेशभर में आंदोलन और घेराव करेगी।

मदरसों में मिड-डे-मील में व्याप्त भ्रष्टाचार की जांच के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण की निदेशक ने सभी जिलाधिकारियों को भेजा पत्र

अमृत विचार : राज्य सरकार से अनुदानित मदरसों में संचालित मिड-डे मील योजना में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कराई जाएगी।

इस संबंध में मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण की निदेशक मोनिका रानी ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर समग्र जांच कराने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई अखिल भारतीय पसमांदा मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष इंजीनियर मो. तलहा अंसारी की शिकायत के आधार पर की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्रदेश के 558 अनुदानित मदरसों में मिड-डे मील योजना के संचालन में व्यापक स्तर पर अनियमितताएं हो रही हैं।

निदेशक ने जिलाधिकारियों से कहा है कि शिकायत में उल्लिखित बिंदुओं की गंभीरता से जांच कर तथ्यों के आधार पर विस्तृत आख्या शासन को भेजी जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी हो, ताकि योजना का लाभ पात्र छात्रों तक सही तरीके से पहुंच सके। निर्देश के बाद प्रशासनिक महकमे में हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि जांच के दौरान मदरसों के संचालन, खाद्यान्न वितरण, उपस्थिति रजिस्टर और वित्तीय लेनदेन की गहन पड़ताल की जाएगी।

बांग्लादेश से आए 331 हिंदू परिवारों को मिला ठिकाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखीमपुर की तीन तहसीलों के चार गांवों में बसाए गए परिवार खेती के लिए दी गई जमीन
- पीएम आवास, किसान सम्मान निधि समेत कई योजनाओं का मिल रहा लाभ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बांग्लादेश से विस्थापित होकर आए 331 हिंदू परिवारों को लखीमपुर खीरी जिले की विभिन्न तहसीलों में बसाकर उन्हें स्थायी जीवन का आधार दिया गया है। इन परिवारों का पुनर्वास धौरहरा, मोहम्मदी और गोला तहसील के चार गांवों में किया गया है, जहां वे अब स्थायी रूप से निवास कर रहे हैं।

प्रशासन के अनुसार, धौरहरा तहसील के सुजानपुर गांव में 97 परिवार, मोहम्मदी तहसील के मोहनपुर ग्रन्ट में 41 और मियांपुर में 156 परिवारों को बसाया गया है, जबकि गोला तहसील के ग्रन्ट नंबर-3 में 37 परिवारों को आवास उपलब्ध कराया गया है। इन परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि भूमि भी आवंटित की गई है। गोला तहसील में प्रति परिवार लगभग 3 एकड़ जमीन दी गई, जबकि सुजानपुर में परिवारों को औसतन 0.607 से 1.620 हेक्टेयर भूमि मिली। मोहम्मदी तहसील में परिवारों को 3 से 7 एकड़ तक जमीन का पट्टा दिया गया है। वहीं मियांपुर में प्रत्येक परिवार को औसतन 4.75 एकड़ भूमि दी गई है, जिससे वे खेती कर आजीविका चला रहे हैं।

इन परिवारों को केवल जमीन ही नहीं, बल्कि केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से भी जोड़ा गया है। पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना, पेंशन योजनाएं और सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ मिल रहा है। इसके अलावा गांवों में राशन वितरण, टीकाकरण, मनरेगा, मिड-डे मील, स्वच्छ भारत मिशन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि सभी 331 परिवारों को व्यवस्थित रूप से बसाया गया है और उन्हें कृषि भूमि के साथ-साथ सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ दिया जा रहा है, ताकि वे आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।

कांग्रेस ने 'वंदे मातरम' का किया था विरोध

स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री बोले- आकाशवाणी बना जनजागरण का मजबूत माध्यम, आज भी जनविश्वास का प्रतीक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस पर पद्म पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों और वरिष्ठ लोकसेवा प्रसारकों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आकाशवाणी ने आजादी की लड़ाई और जनजागरण का अहम भूमिका निभाई। उन्होंने वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई के इस मंत्र को लेकर 1924 में कांग्रेस के अधिवेशन में मो. अली जौहर ने विरोध किया। 13 साल बाद कांग्रेस ने वंदे मातरम के पहले दो छंद गाए जाने का निर्णय लिया। आकाशवाणी लखनऊ में 'वंदे मातरम' का 1938 से नियमित प्रसारण हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को आईजीपी में आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने पद्म पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों और आकाशवाणी के वरिष्ठ लोकसेवा प्रसारकों को सम्मानित भी किया। योगी ने कहा कि आकाशवाणी ने हमेशा निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा के साथ देश को दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जहां आज मीडिया पर कई तरह के सवाल उठते हैं, वहीं आकाशवाणी ने कभी पीत पत्रकारिता का सहारा नहीं लिया और "जो जैसा है, वैसा" प्रस्तुत करने का साहस दिखाया। योगी ने अपने बचपन को याद करते हुए कहा कि उस समय स्मार्टफोन या टीवी नहीं थे और देश-दुनिया की जानकारी का सबसे भरोसेमंद माध्यम आकाशवाणी ही था। उन्होंने कहा कि स्कूलों में भी भाषा को शुद्ध करने के लिए आकाशवाणी सुनने की सलाह दी जाती थी, क्योंकि इसके उद्घोषकों की भाषा और प्रस्तुति आदर्श मानी जाती थी।

उन्होंने कहा कि आकाशवाणी ने हिंदी के साथ-साथ भोजपुरी, अवधी, गढ़वाली और कुमाऊंनी जैसी बोलियों के माध्यम से समाज को जोड़ने का काम किया। यह केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और लोककलाओं के संरक्षण का सशक्त मंच रहा है। सीएम ने कहा कि आकाशवाणी देश के अनेक ऐतिहासिक पड़ावों, स्वतंत्रता आंदोलन, आपातकाल और सांस्कृतिक आंदोलनों का साक्षी रहा है।

आज भी प्रधानमंत्री के 'मन की बात' जैसे कार्यक्रमों के जरिए यह समाज को प्रेरित करने का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि बदलते समय के साथ आकाशवाणी नए दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ेगा और युवाओं, किसानों, कलाकारों व साहित्यकारों के लिए मजबूत मंच बना रहेगा।

कार्यक्रम में महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी, आकाशवाणी के महानिदेशक राजीव कुमार जैन, कार्यक्रम प्रमुख सुमोना पांडेय आदि की मौजूदगी रही। संचालन आत्म प्रकाश मिश्र ने किया।

मुख्यमंत्री ने पद्म विभूतियों और वरिष्ठ लोकसेवा प्रसारकों को किया सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस पर पद्म पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों और वरिष्ठ लोकसेवा प्रसारकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ये सम्मान केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज के प्रति उनके योगदान का है। उन्होंने वरिष्ठ प्रसारकों को "नींव के पत्थर" बताते हुए कहा कि इन्हीं के प्रयासों से आकाशवाणी जैसी संस्थाएं मजबूत बनी हैं। मेरा सौभाग्य है कि 88 वर्ष की शानदार यात्रा के समारोह में पद्म पुरस्कार से सम्मानित होने वाली यूपी की विभूतियों और आकाशवाणी के कार्यक्रमों में प्रस्तुतियां या संवर्धन देने वाले विभूतियों को सम्मानित करने का अवसर मिल रहा है। कार्यक्रम में साहित्यकार विद्या बिंदु सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पं. हृदय नारायण दीक्षित (सम्मान उनके परिजनों ने ग्रहण किया), प्रो. सोनिया नित्यानंद, लोकगायिका मालिनी अवस्थी, पर्वतारोही अरुणिमा सिन्हा, रंगकर्मी डॉ. अनिल रस्तोगी, प्रगतिशील किसान रामशरण वर्मा, चिकित्सक डॉ. सुनील प्रधान सहित कई विभूतियों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. केके ठकराल, प्रो. नवजीवन रस्तोगी, प्रो. शादाब मोहम्मद, एथलीट सुधा सिंह और एसएस सरकार को भी सम्मान मिला।

मुख्यमंत्री ने आकाशवाणी के वरिष्ठ लोकसेवा प्रसारकों सुशील रॉबर्ट बनर्जी, सतीश कुमार ग्रोवर, यज्ञदेव पंडित, विजय कुमार बनर्जी, रज्जन लाल, नवनीत मिश्र, भोलानाथ और केवल कुमार को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आकाशवाणी ने दशकों तक समाज को जोड़ने, जागरूक करने और भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। ऐसे में इससे जुड़े कर्मयोगियों का सम्मान समाज के प्रति सम्मान व्यक्त करने जैसा है।

रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म से यूपी बना निवेश का केंद्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सिंगापुर के उच्चायुक्त ने योगी से की मुलाकात, निवेश पर सहमति
- सिंगापुर का औद्योगिक प्रतिनिधिमंडल जल्द करेगा यूपी का दौरा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुरुवार को भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच निवेश, कौशल विकास, आधारभूत संरचना और सांस्कृतिक सहयोग को और मजबूत बनाने पर सहमति बनीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के मंत्र के साथ तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, डिफेंस कॉरिडोर और लॉजिस्टिक्स हब निवेशकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

उच्चायुक्त वोंग ने मुख्यमंत्री की हालिया सिंगापुर यात्रा को सफल बताते हुए कहा कि सिंगापुर सहित आसपास के देशों का औद्योगिक जगत अब यूपी को निवेश के नए अवसरों के केंद्र के रूप में देख रहा है। उन्होंने प्रदेश में बीते वर्षों में कानून-व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास में हुए सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि सिंगापुर की कंपनियां यहां निवेश बढ़ाने की दिशा में सक्रिय हैं। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि सिंगापुर का एक बड़ा औद्योगिक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही उत्तर प्रदेश का दौरा करेगा और निवेश संभावनाओं का आकलन करेगा।

पर्यटन और औद्योगिक क्षेत्रों में सहयोग पर जोर

दोनों पक्षों ने कुशीनगर और सारनाथ जैसे बौद्ध पर्यटन स्थलों की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए पर्यटन क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर भी सहमति जताई। साथ ही नोएडा, ग्रेटर नोएडा, झांसी और वाराणसी समेत विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को आगे बढ़ाने की बात कही गई।

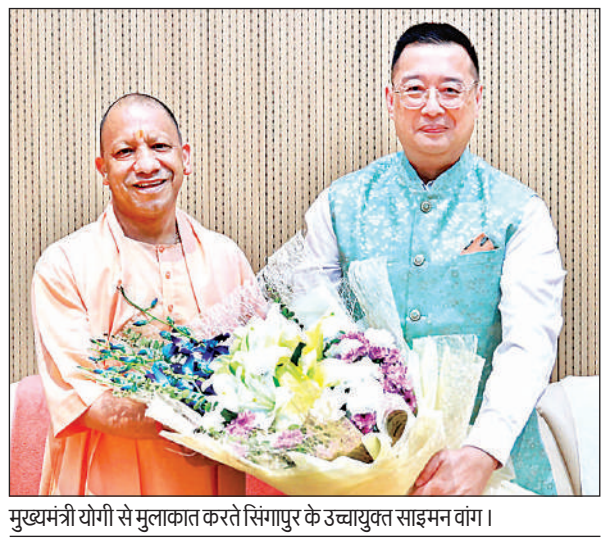

मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात करते सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वांग।

सोलर इंस्टॉलेशन में यूपी की बड़ी छलांग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मार्च में रिकॉर्ड 52,729 इंस्टॉलेशन, क्षमता 1161 मेगावाट के पार
- अंतिम तिमाही में तेज रफ्तार 3.47 लाख रूफटॉप संयंत्र स्थापित

अमृत विचार: प्रदेश ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 3,47,729 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए हैं। इस दौरान कुल स्थापित क्षमता 1161.756 मेगावाट तक पहुंच गई, जो प्रदेश की ग्रीन एनर्जी की दिशा में तेज प्रगति को दर्शाता है।

माहवार आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2025 में 15,836 इंस्टॉलेशन से शुरुआत हुई, जो मई में 18,509 और जून में 18,494 तक पहुंच गई। जुलाई में 29,850 इंस्टॉलेशन के साथ बड़ी छलांग दर्ज हुई और इसके बाद अगस्त-सितंबर में भी रफ्तार बनी रही। अक्टूबर में हल्की गिरावट के बाद नवंबर (30,894) और दिसंबर (31,164) में फिर तेजी देखने को मिली।

अंतिम तिमाही में रिकॉर्ड उछाल: जनवरी 2026 में 33,314, फरवरी में 35,804 और मार्च में रिकॉर्ड 52,729 संयंत्र स्थापित किए गए। केवल मार्च में ही 173.84 मेगावाट क्षमता जुड़ी, जो किसी एक माह में अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है। यूपीनेडा के निदेशक इंद्रजीत सिंह ने बताया कि अंतिम तिमाही में आई यह तेजी सरकार की नीतियों, सब्सिडी और प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है। इससे उपभोक्ताओं को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध हो रही है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में यूपी अव्वल : प्रदेश अब पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में देश का अग्रणी राज्य बन गया है। कुल मिलाकर प्रदेश में अब तक 4,48,233 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं, जिनसे प्रतिदिन 1524 मेगावाट से अधिक बिजली उत्पादन हो रहा है।

बिजली से जुड़ी उपभोक्ता सेवाएं 16 घंटे रहेंगी बंद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। पावर कॉर्पोरेशन की आईटी सेल की ओर से जारी सर्कुलर के अनुसार, राज्य में तीन अप्रैल रात 10 बजे से चार अप्रैल दोपहर दो बजे तक कुल 16 घंटे के लिए बिजली से जुड़ी सभी उपभोक्ता सेवाएं बंद रहेंगी। इस दौरान न तो ऑनलाइन और न ही ऑफलाइन माध्यम से बिजली बिल जमा किया जा सकेगा। साथ ही, प्रीपेड मीटर उपभोक्ता भी अपना मीटर रिचार्ज नहीं कर पाएंगे।

आईटी सेल के अधीक्षण अभियंता अरविंद सिंह ने यह सर्कुलर पूर्वांचल (वाराणसी), मध्यांचल (लखनऊ), पश्चिमांचल (मेरठ), दक्षिणांचल (आगरा) और केस्को (कानपुर) डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों को भेजा है। सर्कुलर में बताया गया है कि इस अवधि में आरएमएस बिलिंग प्रणाली का मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। जिसके चलते उपभोक्ता पोर्टल और यूपीपीसीएल कंज्यूमर ऐप पूरी तरह से बंद रहेंगे। ऐसे में जिन उपभोक्ताओं के प्रीपेड मीटर में बैलेंस कम है, उन्हें सलाह दी गई है कि वे शुक्रवार से पहले ही रिचार्ज कर लें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।

चुनाव आयोग की भूमिका संदिग्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख ने यूपी उपचुनाव में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई न होने का लगाया आरोप

सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

अमृत विचार: सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि आयोग भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल और असम में चल रहे चुनावों में आयोग की भूमिका संदेह के घेरे में है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपी उपचुनाव में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ शिकायतों पर अभी तक कार्रवाई नहीं हुई है।

सपा मुख्यालय में गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल में डीजीपी सहित कई बड़े अधिकारियों को हटाया गया, जबकि उत्तर प्रदेश में 2022 के चुनाव के दौरान ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपी के उपचुनाव में जिन अधिकारियों ने गड़बड़ी की थी, उनके खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल और असम के चुनाव समाप्त होने के बाद भाजपा के नेता उत्तर प्रदेश आएंगे, लेकिन इस बार प्रदेश में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अच्छे दिन का वादा किया था, लेकिन जनता को उसका लाभ नहीं मिला। आईएएस रिंकू सिंह राही के इस्तीफे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है और ऐसे हालात में सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदेश में सिलेंडर संकट के पीछे भी भाजपा से जुड़े लोग हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा भी पूरा नहीं हुआ और किसान अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

बढ़ते कदम | बीते वित्तीय वर्ष में लखनऊ रेल मंडल ने दर्ज की कई उपलब्धियां

ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग से यात्री सुविधाओं तक तेज विकास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने रेल संचालन में आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए 51.02 रूट किमी पर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस) सफलतापूर्वक स्थापित की है।

बताया कि यह प्रणाली ट्रैक को छोटे-छोटे ब्लॉकों में विभाजित कर ट्रेनों की स्थिति का स्वतः पता लगाती है। जैसे ही कोई ट्रेन किसी ब्लॉक में प्रवेश करती है, पीछे का सिग्नल स्वतः लाल हो जाता है और ट्रेन के आगे बढ़ने पर क्रमशः पीला और हरा हो जाता है। इससे ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी बनी रहती है और दुर्घटनाओं, विशेषकर रियर-एंड टक्कर की संभावना कम होती है। इस प्रणाली के कारण एक ही ट्रैक पर अधिक ट्रेनों का संचालन संभव हुआ है, जिससे लाइन क्षमता बढ़ी है और रेल यातायात अधिक सुगम बना है। इसके साथ ही गोरखपुर से लखनऊ मार्ग पर अगले वर्ष तक एबीएस प्रणाली पूरी हो जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि बादशाहनगर, ऐशबाग और गोण्डा जैसे प्रमुख केंद्रों का नवीनीकरण किया गया है। ऐशबाग स्टेडियम में हाई मास्ट लाइटिंग लगाई गई, जिससे अब दिन-रात खेल गतिविधियां संभव हैं। लखनऊ जंक्शन और कैबवे का सौंदर्यीकरण तथा आधुनिकीकरण भी किया गया है।

डिजिटल सुविधाओं को बढ़ावा देते हुए 34 स्टेशनों पर 80 एटीवीएम लगाए गए हैं। रेलवन ऐप के माध्यम से टिकट बुकिंग, पीएनआर स्टेटस, भोजन ऑर्डर जैसी सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। अनारक्षित टिकट पर 3 प्रतिशत छूट जैसी सुविधाएं यात्रियों को आकर्षित कर रही हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में तेजी

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत कई स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री की ओर से मण्डल के स्टेशनों (सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, स्वामी नारायण छपिया, रामघाट हाल्ट, गोला गोकरननाथ, मैलानी जं.) का लोकार्पण किया गया। साथ ही 4 स्टेशनों (लखीमपुर, तुलसीपुर, खलीलाबाद, लखनऊ सिटी) का लोकार्पण जल्द प्रस्तावित है। कुल 21 स्टेशन स्वीकृत है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकास के लिए चयनित: सिद्धार्थनगर, बढ़नी, तुलसीपुर, बलरामपुर, स्वामी नारायण छपिया, रामघाट हाल्ट, डालीगंज, लखनऊ सिटी, ऐशबाग, बादशाहनगर, मगहर, बस्ती, खलीलाबाद, सीतापुर, लखीमपुर, गोला गोकरननाथ, आनन्दनगर, गोण्डा जं., गोरखपुर जं., गोमतीनगर, मैलानी जं. है।

नई ट्रेनों का संचालन और विस्तार

मंडल ने कई नई ट्रेनों का संचालन शुरू किया है, जिनमें वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनें शामिल हैं। साथ ही कई ट्रेनों का विस्तार कर यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। त्योहारों के दौरान 5427 विशेष ट्रेनों का संचालन भी किया गया।

इंफ्रास्ट्रक्चर और विद्युतीकरण में प्रगति

लखनऊ मंडल ने 40.47 ट्रैक किमी का विद्युतीकरण पूरा किया है। इसके अलावा नई और अतिरिक्त रेल लाइनों का निर्माण तेजी से चल रहा है। गोरखपुर-बाराबंकी खंड पर सुरक्षा फेंसिंग पूरी हो चुकी है। गोंडा डिपो में 1964 वैगनों की ओवरहॉलिंग कर नया रिकॉर्ड बनाया गया, जो मंडल की तकनीकी दक्षता को दर्शाता है।

महाविद्यालयों में शोध और नामांकन बढ़ाएं : राज्यपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ विवि से संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों संग की समीक्षा

अमृत विचार: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने महाविद्यालयों को नैक मूल्यांकन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए शोध, प्रकाशन और नामांकन बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को पुस्तक लेखन के लिए प्रोत्साहित किया जाए और संस्थानों में शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाया जाए।

वे गुरुवार को जन भवन स्थित गांधी सभागार में लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध शासकीय एवं वित्त पोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रही थीं। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और राज्यमंत्री रजनी तिवारी भी मौजूद रहीं। बैठक में 17 शासकीय और 33 वित्त पोषित महाविद्यालयों ने अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें फैकल्टी, शोध, एमओयू, खेल गतिविधियां, नामांकन, प्लेसमेंट, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं और छात्रवृत्ति जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

न्यूज ब्रीफ

कार सवारों ने युवक का किया अपहरण पुलिस के डर से छोड़ा

राजपुर। सट्टी थाना क्षेत्र के कथरी मंदिर पर कत्यानी देवी के दर्शन करने आए युवक को चार लोग बंधक बना कर फोर व्हीलर में डालकर ले गए। सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस ने वाहन चेकिंग शुरू की। अपहरण कर्ता सिकंदरा के पटेल चौक पर युवक को उतारकर फरार हो गए। जालौन के थाना कालपी के देवकली निवासी हरिओम पुत्र चन्द्रशेखर ने पुलिस को बताया कि बुधवार को मां कात्यायनी देवी मंदिर दर्शन के लिए आया था। इसी दौरान मोनू पुत्र नत्थू निवासी खरतला थाना राजपुर व अजीत, रवि ने जबरन गाड़ी में डाल लिया। शोर मचाने पर पटेल चौक सिकंदरा में छोड़कर भाग गए। पुलिस ने हरिओम को सकुशल बरामद कर आरोपी मोनू को गिरफ्तार किया है। चालक सहित चार आरोपियों के विरुद्ध अपरहण का मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी काली चरन ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया।

दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कैद

कानपुर देहात। करीब तीन साल पहले डेरापुर थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। इस मामले के आरोपी उत्तम सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह निवासी ग्राम कपासी खुर्द थाना डेरापुर को न्यायालय ने 20 साल के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 50 हजार का अर्थदंड भी लगाया। घटना के संबन्ध में 13 फरवरी 2023 को मुकदमा कायम हुआ था। उसी साल 4 अप्रैल को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी गई। न्यायालय में पेश किए गए साक्ष्यों व गवाहों के बयानों के आधार पर अभियुक्त उत्तम सिंह उपरोक्त को दोषी ठहराया गया।

तारों की स्पार्किंग के बाद फसल में लगी आग

रसूलाबाद। नार खुर्द चौकी क्षेत्र के ग्राम हमीरपुर में गुरुवार शाम पांच बजे विद्युत तारों से निकली चिंगारी के चलते एक किसान के गेहूं के खेतों में आग लग गई। आग लगने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। हमीरपुर निवासी कन्हैयालाल संखवार पुत्र मंगली संखवार के गेहूं के खेत में गुरुवार शाम विद्युत तारों से निकली चिंगारी के चलते आग लग गई।

मेंटिनेंस के चलते 16 घंटे बाधित रहेंगी ऑनलाइन सेवाएं

मंगलपुर। यूपीपीसीएल एवं सहयोगी विद्युत वितरण निगमों (पूर्वांचल, मध्यांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल एवं केस्को) की आरएमएस बिलिंग प्रणाली पर मेंटेनेंस एवं कॉन्फिगरेशन कार्य के चलते क्षेत्र में ऑनलाइन सेवाएं अस्थायी रूप से बाधित रहेंगी। मंगलपुर विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र के अंतर्गत मंगलपुर, झींझक सहित आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार की रात्रि 10 बजे से शनिवार की दोपहर 2 बजे तक आरएमएस बिलिंग प्रणाली पूर्ण रूप से बंद रहेगी। मंगलपुर विद्युत उपकेंद्र पर तैनात जेई राहुल साहू ने बताया कि निर्धारित अवधि के दौरान बिलिंग प्रणाली, ऑनलाइन उपभोक्ता पोर्टल एवं कंज्यूमर ऐप से जुड़ी सभी सेवाएं प्रभावित रहेंगी।

23 लाख की लागत से बनेगी सड़क, हुआ भूमि पूजन

रसूलाबाद। सिमरामऊ स्थित ब्रह्मदेव बाबा आश्रम तक जाने वाले श्रद्धालु भक्तों के आवागमन के लिए आरसीसी सड़क के निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। जिला पंचायत सदस्य रसूलाबाद द्वितीय जनार्दन सिंह (ऋषि सिंह) व ग्राम प्रधान मानवेंद्र सिंह ने इसका शिलान्यास किया। आरसीसी सड़क 354 मीटर लंबी होगी और उसके निर्माण पर लगभग 23 लाख रुपये की लागत आएगी। भूमि पूजन के दौरान आचार्य पंकज शुक्ला, मुन्नू सिंह गौर, जयपाल सिंह, शिवबीर सिंह राजावत, विकास पाठक, गौरव सिंह गौर, पप्पू सिंह, प्रमोद पाण्डेय, महेश प्रताप सिंह, सौरभशर्मा रहे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए रामशरण को मिला सम्मान

शिवली। कस्बा शिवली के एक शिक्षण संस्थान के प्रबंधक रामशरण तिवारी को सक्सेस बिगनिंग मीडिया सॉल्यूशन संस्था द्वारा द प्लेटिनम राइजिंग स्टार इंस्टीट्यूट कानपुर के रूप में चुना गया। फिल्म अभिनेता आफताब शिवदासानी ने अवार्ड दिया। पुरस्कार लेकर लौटे प्रबंधक ने गुरुवार को बताया कि सक्सेस बिगनिंग मीडिया सॉल्यूशन संस्था द्वारा प्रतिवर्ष आइकॉन अवार्ड शो का आयोजन किया जाता है।

कोल्ड ड्रिंक्स के दुकानदार को 26 करोड़ का जीएसटी नोटिस

हनुमान गुप्ता, कानपुर देहात

अमृत विचार: जीएसटी की नोटिस ने गांव नुनारी के आलोक कुमार की रातों की नींद और दिन का चैन छीन लिया है। गांव में कोल्ड ड्रिंक्स की दुकान खोले आलोक कुमार को राज्य कर विभाग ने तकरीबन 26 करोड़ की कर अदायगी का नोटिस भेजा है। नोटिस मिलने के बाद से आलोक परेशान हैं। रास्ता नहीं सूझ रहा। उन्हें बताया गया कि नोटिस को लेकर अपील में जाते हैं तो आरोपित टैक्स का दस फीसदी यानि करीब ढाई करोड़ रुपये एडवांस में जमा कराने होंगे। अधिवक्ता के जरिए उन्होंने अपना पक्ष विभागीय अधिकारियों के समक्ष रखा है।

2.5 करोड़ रुपये एडवांस चाहिए अपील को

- डेरापुर के नुनारी गांव में है आलोक कुमार की दुकान

आलोक कुमार को इस साल सात फरवरी को नोटिस मिला है। इसमें कहा गया कि वर्ष 2022-2023 के दौरान हुए कारोबार का 25 करोड़ 73 लाख 87 हजार 118 रुपये का जीएसटी देय है।

एक माह के भीतर उनसे नोटिस का जवाब मांगा गया। अचानक इतनी बड़ी अदायगी का नोटिस मिलने के बाद आलोक कुमार हैरत में पड़ गए। जितनी कर अदायगी का नोटिस आया, उसका दसांश भी उनका सालाना टर्न ओवर नहीं है। माथा पकड़े फिरते आलोक ने विभाग के अधिकारियों से बात की फिर भी सही जवाब नहीं मिला। कहा गया कि सरकारी कागज आया है तो जवाब दीजिए या फिर आरोपित कर कुबूल कर उसकी अदायगी सुनिश्चित करें। कानूनी जानकारों से बात की तो पता लगा कि अपील में जाने पर आरोपित कर का दस फीसदी पहले जमा करना होगा। इतनी बड़ी रकम जुटा पाने में आलोक ने हाथ खड़े कर दिए। रिकवरी की नोटिस जारी न हो जाए, इसके लिए अधिवक्ता के माध्यम से विभाग में जवाब दाखिल किया है। मामले की सुनवाई जारी है। मामले के निस्तारण की तारीखें मिल रही हैं। अधिवक्ता संतोष कुमार सक्सेना ने बताया कि विभाग में पक्ष रखते हुए उन्होंने चेन्नई हाईकोर्ट द्वारा इसी तरह के एक मामले में दिए गए फैसले की नजीर दी है। उम्मीद है कि जल्द निस्तारण हो जाएगा।

झींझक की फर्म ने काटा जीएसटी बिल

■ आलोक कुमार को बड़ा झटका देने में झींझक की एक फर्म का नाम सामने आया है। पता लगा है कि फर्म थोक कारोबार करती है। आलोक कुमार की दुकान का सामान भी वहीं से आता है। साल 2022-2023 में झींझक की फर्म ने आलोक कुमार के नाम करीब 25 करोड़ का जीएसटी बिल काट दिया। हालांकि एक महीने बाद ही इंट्री दुरुस्त भी कर दी मगर तब तक राज्यकर विभाग सक्रिय हो चुका था। पहले वाली बिलिंग के आधार पर आलोक कुमार को नोटिस जारी कर दी गई।

जीएसटी का नहीं, सेस का है मामला: डीसी

■ प्रकरण पर उपायुक्त, राज्यकर खंड-एक अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि मामला जानकारी में है। करीब 25 करोड़ का नोटिस भेजा गया है। बिल बनाने वाली झींझक की फर्म द्वारा त्रुटिवश गलत इंट्री की गई थी। कार्रवाई उसी आधार पर चल रही है। आलोक कुमार ने अपना पक्ष रखा है। नियमानुसार प्रक्रिया पूर्ण कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रकरण जीएसटी का न होकर सेस से जुड़ा है।

कथा का प्रसाद खाकर दो दर्जन लोग बीमार

रसूलाबाद: क्षेत्र के बंसी निवादा में बुधवार शाम हुई सत्यनारायण की कथा में वितरित किए गए दही से बने चरणामृत प्रसाद को खाकर गांव के लगभग दो दर्जन से अधिक लोग बीमार हो गए। उन्हें लूज मोशन की शिकायत होने पर गुरुवार को सभी को सीएचसी रसूलाबाद लाया गया जहां कुछ लोगों को भर्ती कर दवा दी गई और शेष लोगों को दवा लेने और उनके ठीक होने पर वे घर चले गए।

बंसी निवादा निवासी नरेंद्र सविता के यहां सत्यनारायण की कथा बुधवार को हुई थी। शाम को कथा का प्रसाद लेकर गांव के लगभग दो दर्जन लोग बीमार हो गए और उन्हें उल्टी व दस्त आने लगे। इस पर गुरुवार सुबह कुछ लोग असालतगंज में प्राइवेट डॉक्टर के पास चिकित्सा के लिए गए जब कि सीएचसी रसूलाबाद में गुरुवार सुबह आए लगभग दो दर्जन लोगों में सात लोगों प्रभु दयाल 75वर्ष ,निशा 48 वर्ष, अनिल 35 वर्ष, राखी 38 वर्ष, राखी की पुत्री दिशा 15 वर्ष, मुस्कान 17 वर्ष, मोना 22 वर्ष को भर्ती कर डॉ बृजेश कुमार ने उन्हें ग्लूकोज बोतल के माध्यम से दवा दी। ठीक होने पर वे सभी लोग घर चले गए। शेष लोग भी दवा खाकर स्वस्थ हो गए और अपने घर गए। इस प्रकार कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है।

सड़क हादसे में बाइक सवार सास की मौत, दामाद घायल

झींझक कस्बे में द्वारिका गंज मोहल्ले के पास हुआ हादसा

संवाददाता, मंगलपुर

अमृत विचार: गुरुवार सुबह कस्बा झीझक में दामाद के साथ बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रही सास सामने से गुजरे मवेशी की चपेट में आकर घायल हो गए। दोनों को घायल अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां मौजूद चिकित्सक ने सास को मृत घोषित कर दिया। पुलिस को सूचना दिए बिना शव को घर ले गए।

थाना डेरापुर क्षेत्र के भड़ावल गांव निवासी रानी देवी 52 वर्ष पत्नी राम खिलावन कुछ दिनों पूर्व थाना रसूलाबाद क्षेत्र के बरगाव तिश्ती निवासी जयवीर पुत्र बुद्धा के घर गई हुई थी। गुरुवार को रानी देवी अपने दामाद जयवीर के साथ बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रही थी तभी थाना मंगलपुर क्षेत्र के कस्बा झीझक के मोहल्ला द्वारिकागंज के पास सड़क से गुजर रहे मवेशी की चपेट में आकर घायल हो गए। दोनो घायलों को राहगीरों की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झीझक इलाज के लिए भर्ती कराया गया। अस्पताल में मौजूद चिकित्सक डॉ. जेपी सिंह ने दोनों घायलों का प्राथमिक इलाज किया। रानी देवी की हालत गंभीर देख उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। कुछ समय पश्चात रानी देवी की मौत हो गई। सूचना पर अस्पताल पहुंचे परिजन रो रोकर बेहाल हो गए। डॉक्टर जेपी सिंह ने बताया कि घायल महिला को रेफर कर दिया गया था। पारिवारिक महिला को अस्पताल नहीं ले गए। जिससे महिला की मौत हो गई। चौकी इंचार्ज झींझक उमेश शर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं है।

सड़क हादसों में आधा दर्जन लोग घायल

■ रसूलाबाद। थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसे में छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए, सभी की हालत चिंताजनक देखते हुए डॉक्टर ने हैलट रेफर किया है। जूड़ानिवादा निवासी गोलू 24 पुत्र राजू, गहिलू निवासी नरेंद्र सिंह 50 पुत्र राधेश्याम, नेहरू नगर निवासी अफसर 50 पुत्र अलादीन, बिचौलिया निवासी अभी सिंह 13 पुत्र शिवराज सिंह, बलाही निवासी सौरभ सिंह 16 पुत्र वीरेंद्र सिंह और मालकापुरवा निवासी रामकुमार 38 पुत्र कृपाल अलग-अलग स्थान में हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों के परिजन गंभीर हालत में सीएचसी ले गए। वहां ईएमओ डॉक्टर प्रणयवीर कुशवाहा ने सभी की हालत चिंताजनक देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद हैलट कानपुर रेफर कर दिया। ईएमओ प्रणयवीर के अनुसार से नाबालिक अभी सिंह व सौरभ सिंह दूध डेयरी सम्बद्ध लोडर की चपेट में आने से घायल हुए हैं।

बरसाने की होली राधा कृष्ण नृत्य और शिव तांडव ने मोहा मन

शिवली। कस्बा शिवली के शिवाजी नगर मोहल्ले में जय गजानन सेवा समिति के तत्वावधान में बुधवार को रात दुर्गा जागरण में कानपुर से आई आदित्य सम्राट झांकी ग्रुप जागरण पार्टी के ख्याति प्राप्त कलाकारों एवं गायकों द्वारा प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में बरसाने की होली, राधा कृष्ण नृत्य व शिव तांडव नृत्य को देखकर दर्शक भाव विभोर हो उठे।

नगर पंचायत शिवली के शिवाजी नगर मोहल्ले में गुड्डू सिंह चंदेल के दरवाजे पर बुधवार की रात जय गजानन सेवा समिति के युवकों द्वारा भव्य दुर्गा जागरण का आयोजन किया गया। दुर्गा जागरण में कानपुर से आई आदित्य सम्राट जागरण पार्टी के गायक कलाकार कंचन त्रिवेदी, आकाश पंडित व मनोज रसिया द्वारा प्रस्तुत किये गए मां के भजनों पर उपस्थित युवक एवं युवतियां झूमकर नाचे। कार्यक्रम में नीरज सिंह गौर, मोनू सिंह, अनूप सिंह, गुड्डु चंदेल, रितिक ठाकुर, विशाल ठाकुर, नितेश यादव, अंशू कश्यप, रामजी कश्यप, हिमांशु यादव, रिषभ, शिवमोहन ठाकुर आदि रहे।

दीवार की खूंटी पर मफलर से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता, रनियां

अमृत विचार: गजनेर थाना क्षेत्र के कृपाराम पुर कठेठी गांव में एक युवक ने पत्नी से कहा-सुनी के बाद फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम के लिए भिजवाया।

दीपक सिंह।

कृपाराम पुर गांव निवासी दीपक सिंह उम्र करीब 32 वर्ष पुत्र राकेश सिंह फैक्ट्रियों में मशीन लगाने का ठेका लिया करता था। उन्नाव की एक फैक्ट्री में काम चल रहा है वहीं से कुछ दिनों पहले वह गांव आया था। उसकी ससुराल गांव में ही है और पत्नी पारुल दो छोटी बेटियों के साथ दो दिन पहले अपने मायके गई हुई थी। गुरुवार की दोपहर घरवालों ने कमरें में झांककर देखा तो दीपक कमरे की दीवार पर लगी लोहे की खूंटी में मफलर के सहारे लटक रहा था। नजारा देख घरवालों के होश उड़ गए। शोरगुल सुनकर आस-पड़ोस के लोगों की भीड़ लग गई।

जानकारी पर पत्नी भी भागकर ससुराल पहुंची। युवक की मौत पर पिता, मां गुड्डी देवी सहित घरवालों का रो रोकर बुरा हाल था। सूचना पर चौकी प्रभारी मंगटा ललित कुमार मौके पर पहुंचे और आवश्यक जांच पड़ताल के बाद शव को पीएम के लिए भिजवाया। इस संबंध में थानाध्यक्ष गजनेर सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि पति-पत्नी के बीच कहासुनी की बात की जानकारी मिली है। शव को पोस्ट मार्टम के लिए भिजवाया गया है।

घटना के बाद गमगीन महिलाएं। अमृत विचार

- फैक्ट्रियों में मशीनें लगाने का ठेकेदार था दीपक सिंह

विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत, फंदे से लटका मिला शव

संवाददाता, रसूलाबाद

- रसूलाबाद थाना क्षेत्र के गुंदैला गांव की घटना
- सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अमृत विचार: रसूलाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम गुंदैला में एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में घर के बरामदे में पड़े सरियों के जाल में रस्सी से फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घर वाले गेहूं काटने खेतों पर गए थे। वहां से वापस लौटने पर हुई जानकारी पर परिवार में कोहराम मच गया। इसकी सूचना मृतका के मायके वालों को दी गई। मृतका के पिता ने इसकी फौती सूचना पुलिस को दी है। सूचना पाकर तिस्ती चौकी प्रभारी फॉरेंसिक टीम सहित मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा है।

गुंदैला निवासी सुरेंद्र कुमार का राधा देवी से 8 वर्ष पूर्व विवाह हुआ था। सुरेंद्र कुमार महाराष्ट्र में रहकर धंधा करता था। बुधवार शाम राधा देवी ने घर के बरामदे में पड़े लोहे की सरियों के जाल में रस्सी से फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। उसके ससुर दयाराम व सास खेतों पर गेहूं काटने गए हुए थे। वहां से लौटने पर जब उन्हें इसका पता चला तो कोहराम मच गया। मृतका राधा देवी के एक पुत्री आराध्या 6 वर्ष एवं पुत्र अक्षत दो वर्ष है।

उसका पति सुरेंद्र भी सूचना पाकर गुरुवार सुबह सीधे माती पोस्टमार्टम हाउस पहुंचा। इसकी सूचना उसके मायके हिलालपुर थाना बिल्हौर निवासी उसके पिता शिवानंद को दी गई। शिवानंद ने इसकी फौती सूचना पुलिस को दी है। तिश्ती चौकी प्रभारी बृजेश कुमार ने बताया कि मृतका के पिता के द्वारा दी गई फौती सूचना पाकर वे फॉरेंसिक टीम सहित मौके पर गए और आवश्यक कार्रवाई के उपरांत शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा है। अभी इस संबंध में कोई तहरीर नहीं मिली है।

गोष्ठी: आधुनिक तकनीक से खेती करने से मिलती बंपर पैदावार

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: गेहूं के उन्नतशील बाफना गेहूं के बीज के स्थानीय डीलर ने चित्तानिवादा बैरीसाल गांव में गुरुवार को किसानों की एक गोष्ठी आयोजित कर उन्नत गेहूं उत्पादन पर विस्तृत चर्चा की। गोष्ठी में गांव के अनेक किसानों और नागरिकों ने भाग लिया।

बैठक में डॉक्टर विमलेश कुमार शुक्ला ने किसानों को गेहूं की उन्नतशील किस्म के बारे में जानकारी दी और उन्हें बताया कि सही समय पर उत्तम बीज का चयन और वैज्ञानिक खेती से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। उन्होंने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने हरि शंकर पुत्र राम रतन के खेतों का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने गेहूं की उन्नत किस्म के बाफना बीज का उपयोग करके बेहतर उत्पादन प्राप्त किया। उन्होंने अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रेरित किया। किसानों ने भी बताया कि इस बार बाफना गेहूं की फसल काफी अच्छी हुई है। इसका मुख्य कारण समय पर खाद और जिंक का सही उपयोग रहा। उपस्थित ग्रामीणों ने खाद एवं उर्वरकों की समय पर उपलब्धता के लिए संबंधित व्यवस्था की सराहना की।

गोष्ठी के अंत में सभी किसानों ने भविष्य में भी ऐसी जानकारीपूर्ण बैठकों के आयोजन पर सहमति जताई। उन्होंने कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया।

चिता निवादा में आयोजित गोष्ठी में मौजूद किसान। अमृत विचार

- चित्तानिवादा के बैरीसाल गांव में हुआ कार्यक्रम

सांग धारण कर भक्तों ने माता से लगाई अरदास

रसूलाबाद। मकरंदपुर कहिंजरी के मजरा लक्ष्मणपुर में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी भक्तों द्वारा जवारा यात्रा निकाली गई। इसमें भक्तों ने मुंह में सांग धारण कर महामाई के दरबार में हाजिरी लगाकर मन्नतें मांगी। कस्बा कहिंजरी में चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व के उपरांत चैत्र पूर्णिमा पर भक्तों द्वारा जंवारे यात्रा निकाली गई। भक्त डोल, बाजे के साथ कस्बे की विभिन्न गलियों से नाचते गाते अपने अपने घरों में बोए जंवारे, पालकी में रखकर दुर्गा मंदिर से लक्ष्मणपुर स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण पहुंचे। जहां नव युवकों, बच्चों एवं बालिकाओं ने मुंह में सांग धारण कर महामाई के दरबार हाजिरी लगाई और जंवारे विसर्जित किए। वहीं मित्रसेनपुर कहिंजरी हंसपुर के भी जंवारे विसर्जित होने पहुंचे। मेला मैदान में लगे मेले को देखने भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। इस अवसर पर विजय, महेंद्र, लाल जी, धर्मेंद्र, राम कृपाल, सोनेलाल, सुशील, अशोक, शिवशंकर, विजय बहादुर आदि रहे।

महिला व किशोरी ने खाया जहरीला पदार्थ

रसूलाबाद। अलग-अलग जगह पर एक किशोरी व एक विवाहिता ने जहरीला पदार्थ खा लिया, हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए वहां इलाज किया गया। जेडी गार्डन बगिया अड्डा इटावा निवासी पूजा 27 पत्नी औरेंद्र सिंह ने शास्त्री नगर रसूलाबाद निवासी अपने भाई के घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। दूसरी तरफ, नारखुर्द निवासी प्रदीप रावत की बेटी पल्लवी 15 ने भी घरेलू कलह से दुखी होकर जहरीला पदार्थ खा लिया, दोनों को गंभीर हालत में परिजन सीएचसी ले गए वह ईएमओ डॉक्टर बृजेश कुमार ने इलाज किया।

सेवा काल के उत्कृष्ट कार्यों को याद कर दी शिक्षकों को विदाई

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: गुरुवार को कस्बे के आरपीएस इंटर कॉलेज में सेवानिवृत हुए दो शिक्षकों के विदाई समारोह में प्रधानाचार्य ने उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर उनके भावी जीवन की उन्हें शुभकामनाएं दी। साथी शिक्षकों ने भी माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी विदाई दी।

आरपीएस इंटर कॉलेज के शिक्षक शिशुपालसिंह पाल व राजकुमार श्रीवास्तव 26मार्च को सेवा निवृत हुए थे। इस पर विद्यालय में उनके साथी शिक्षकों ने उनका विदाई समारोह मनाया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डीपी शुक्ला ने दोनों शिक्षकों के सेवाकाल में उनके उत्कृष्ट कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की एवं उन्हें भावी जीवन की शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्हें समाज में सकारात्मक परिवर्तन हेतु प्रेरित किया। अन्य साथी शिक्षकों ने उन्हें अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर माल्यार्पण किया और उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर अन्य उपस्थित जनों में उप प्रधानाचार्य अजय पाल यादव, व्यायाम शिक्षक जितेंद्र त्रिपाठी, दुर्गेश त्रिपाठी, विनीत कुमार, बृजेंद्र सविता, प्रजापति, संजीव गुप्ता, भानु प्रताप, सुरेश सिंह, राम गोपाल बाथम, अवधेश दीक्षित सहित समस्त शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेवानिवृत शिक्षकों को फूल-माला पहनाकर विदाई देते साथी शिक्षक। अमृत विचार

कार्यक्रम हवन-पूजन के बाद आयोजित किया भंडारा

कड़री मंदिर में धूमधाम से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

संवाददाता, शिवली

अमृत विचार: ईश्वर सत्य है, सत्य ही ईश्वर है। यही सब कुछ है सत्य से मानव की ही नहीं देश की भी रक्षा होती है। वर्तमान समय में समाज में झूठ असत्य संक्रामक बीमारी की तरह फैल रहा है, इसी कारण हर इंसान अपने आप को असुरक्षित और भयाक्रांत महसूस कर रहा है। यह विचार गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमानपुर कड़री गांव स्थित हनुमानगढ़ी आश्रम के पुजारी उमाशंकर दीक्षित ने उपस्थित भक्तों के बीच व्यक्त किए। इस पावन अवसर पर हनुमान जी का विशेष पूजन अर्चन कर भोग लगाया गया। विद्वान आचार्यों द्वारा हवन किया गया। दौरान विशाल भंडारे का आयोजन कर प्रसाद का वितरण किया गया।

हवन में आहुति देते आचार्य। अमृत विचार

शिवली क्षेत्र के हनुमानपुर कड़री स्थित हनुमानगढ़ी आश्रम भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है। यहां पर प्रतिदिन सैकड़ों की तादाद में भक्त गढ़ी भगवान के दर्शन करने आते हैं। गुरुवार को आश्रम में धूमधाम के साथ मनाई गई हनुमान जयंती के अवसर पर मंदिर के पुजारी उमाशंकर दीक्षित ने बताया कि हर एक जन्म का कुछ न कुछ उद्देश होता है। श्री गढ़ीभगवान हनुमान जी के अवतार के उद्देश्य भारत को एक शक्तिशाली देश के रूप में संसार के सामने साबित करने का था। भारत की तपोभूमि पर श्री हनुमान जी अवतार ले करके महावीर कहलाए। लंका ही नहीं संसार के सभी देशों पर अपनी वीरता का परचम लहरा करके सिद्ध कर दिया कि भारत वीरता प्रधान देश है। उन्होंने कहा ईश्वर सत्य है सत्य ही ईश्वर है। सत्य की शक्ति से वायु चलती है सत्य की ताकत से धरती अपने स्थान पर टिकी है। व्यक्ति और समाज जब कष्ट में होता है तो सत्य की शक्ति से ही उसकी सुरक्षा होती है। सत्य का अपमान ना करके सम्मान किया जाए तो समाज और देश दोनों सुरक्षित रहेंगे। इस दौरान आश्रम के सरवराकार अखिलेश उर्फ अन्नू बाजपेई शिव प्रकाश शुक्ला, राजेश मिश्रा, दुर्गा शंकर मिश्रा, रामू शुक्ला, भोला शुक्ला, मौजी, बलराम दीक्षित आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

थ्रेसर में हाथ फंसने से मजदूर की मौत

घाटमपुर। घाटमपुर के सजेती थाना क्षेत्र के अंतर्गत शेखपुर में लाही कतरते समय युवक का हाथ थ्रेसर में फंस कर कट गया। इससे मजदूर की मौत हो गई। सजेती थाना क्षेत्र के शेखपुर गांव निवासी दीपक कुशवाहा उम्र 28 वर्ष पुत्र छोटेलाल कुशवाहा जो कि मेहरलीपुर गांव व शेखपुर गांव के बीच लाही कतर रहा था। तभी अचानक थ्रेसर में उसका हाथ फंस गया। इससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची सजेती पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। थाना प्रभारी अनुज कुमार ने बताया की अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज

शिवराजपुर। कस्बे के वार्ड नंबर 4 मक्खन सिंह नगर निवासी पीयूष सिंह पुत्र सुशील सिंह ने थाने में दी थी। उनके द्वारा दी गई तहरीर में बताया गया कि 31 मार्च को देर रात वह जेसीबी के ड्राइवर को खाना देने गए थे। अभी वह खेरेश्वर मंदिर के पास ही पहुंचे थे कि वहां पर पहले से घात लगाए तुलापुरवा गांव निवासी कुलदीप पुत्र गोपाल यादव एवं काकूपुर निहाल निवासी पुष्पेंद्र यादव व मदनेपुर गांव निवासी आशू यादव ने धारदार हथियार से मेरे ऊपर हमला कर दिया। इससे मेरे हाथ एवं सिर में गंभीर चोटें आई हैं। इस मामले में थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि तहरीर आने के बाद जांच पड़ताल करके आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा।

बर्रा में वकील पर हमला, तीन पर रिपोर्ट

कानपुर। बर्रा में वकील प्रवेंद्र कुमार सोनकर पर उनके ही पड़ोसी और परिजनों ने हमला कर दिया। प्रवेंद्र के अनुसार 29 मार्च की शाम विवेक चौहान ने उन्हें घर बुलाया और विवादित तलाक के मामले में राय लेने के बहाने उनके गले व पीठ पर गंभीर चोटें पहुंचाईं। इस दौरान विवेक के भाई विपुल चौहान, अभिषेक चौहान और विवेक का बेटा अनंत भी शामिल थे। हमला करने के बाद आरोपियों ने प्रवेंद्र को फोन कर उनके आठ साल के बेटे, पत्नी और बहन को जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है और आरोपियों की तलाश जारी है।

महिला व किशोरी ने खाया जहरीला पदार्थ

रसूलाबाद। अलग-अलग जगह पर एक किशोरी व एक विवाहिता ने जहरीला पदार्थ खा लिया, हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए वहां इलाज किया गया। जेडी गार्डन बगिया अड्डा इटावा निवासी पूजा 27 पत्नी औरेंद्र सिंह ने शास्त्री नगर रसूलाबाद निवासी अपने भाई के घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। दूसरी तरफ, नारखुर्द निवासी प्रदीप रावत की बेटी पल्लवी 15 ने भी घरेलू कलह से दुखी होकर जहरीला पदार्थ खा लिया, दोनों को गंभीर हालत में परिजन सीएचसी ले गए वह ईएमओ डॉक्टर बृजेश कुमार ने इलाज किया।

हनुमान जन्मोत्सव पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

सुबह से लेकर देररात तक मंदिरों में लगी रहीं श्रद्धालुओं की कतारें, दिन भर लगते रहे जयकारे

भक्ति भावना

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर गुरुवार को क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। भोर होते ही हनुमान मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही दर्शन के लिए भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं और पूरा वातावरण जय श्रीराम व बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठा।

क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि, बल और बुद्धि की कामना की। जगह-जगह सुंदरकांड पाठ, हवन-पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। साढ़ क्षेत्र के प्रसिद्ध कुड़नी दरबार में सुबह से ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचने लगे। मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ देर शाम तक बनी रही। वहीं बरीपाल स्थित प्राचीन दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में मंदिर कमेटी द्वारा भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन कराया गया। पूरे दिन भंडारे का क्रम चलता रहा, जिसमें आसपास के गांवों से आए श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

मंदिर में भजन कीर्तन करते श्रद्धालु। अमृत विचार

हनुमान जी का हुआ भव्य श्रृंगार।

- जगह-जगह हुए भंडारों में लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद
- मंदिरों में की गई सजावट और मूर्तियों का हुआ भव्य श्रृंगार

भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते युवक। अमृत विचार

इस अवसर पर मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही। क्षेत्र में धार्मिक उत्साह चरम पर रहा और हर ओर भक्ति का माहौल देखने को मिला। लोग देर रात तक परिवार समेत मंदिरों में दर्शन के लिये पहुंचते रहे।

वहीं कस्बे में स्थित तहसील परिसर के राजराजेश्वर धाम महादेव मंदिर में भी गुरुवार को हनुमान जयंती मनाई गई। यह आयोजन उप जिलाधिकारी अविचल प्रताप सिंह के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी अविचल प्रताप सिंह और तहसीलदार डॉ. अंकिता पाठक विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इसमें प्रशासन और स्थानीय कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। पूजा के उपरांत सुंदरकांड का पाठ भी किया गया। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें तहसील के सभी लेखपालों और कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

मां फूलमती देवी और गार्गी देवी का हुआ भव्य श्रृंगार

शिवराजपुर। क्षेत्र के काकूपुर रब्बन गांव में मां फूलमती देवी व गार्गी देवी का भव्य श्रृंगार किया गया। यहां पर हवन पूजन के बाद भक्तों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस वर्ष माता रानी का 80वा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान रात में भव्य रामलीला एवं धनुष भंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रभु श्रीराम का अभिनय रजनीश त्रिपाठी एवं लक्ष्मण जी का अभिनय गोपाल त्रिपाठी व भगवान परशुराम का अभिनय संदीप मिश्रा के द्वारा किया गया। रामलीला में लक्ष्मण परशुराम संवाद सुनने के लिए गांव एवं क्षेत्र के हजारों लोग सुबह तक बैठे रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख रूप से गांव निवासी सुरेश मिश्रा के द्वारा कराया गया।

चोरों ने सूने घर से नकदी और जेवरात किये पार

संवाददाता, घाटमपुर

- पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शुरू की जांच-पड़ताल
- मां के निधन होने पर पिता के घर गया था परिवार

अमृत विचार। नौबस्ता पश्चिमी में एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पहले मां का साया सिर से उठ गया और अब चोरों द्वारा उनके सूने पड़े घर से जेवरात और नकदी पार दी गई। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के निवासी कुलदीप ने बताया कि उनकी माता जी का निधन 19 मार्च को हो गया था। इस दुखद घटना के बाद वे अपने पिता के साथ रहने लगे, जिससे उनका मकान बंद पड़ा था। इसी बीच देर रात चोरों ने उनके सूने घर को निशाना बनाया। चोरों ने ताला तोड़कर और अंदर घुसकर लाखों रुपये के सोने चांदी के जेवरात और करीब 5 हजार रुपये नकद पार कर दिये।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। घाटमपुर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि मामले की जांच तेज कर दी गई है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

विद्यालय के खिड़की दरवाजे तोड़कर पंखे और मिड डे मील का सामान चोरी

चौबेपुर। क्षेत्र के मालौं गांव में बुधवार रात प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के दरवाजे व खिड़की तोड़कर चोरों ने यहां लगे पंखे व मिड डे मील का सामान पार कर दिया। सुबह घटना की जानकारी पर प्रधानाध्यापक ने मामले की सूचना थाना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की पड़ताल शुरू की है। बुधवार की रात मौका पाकर चोरों ने मालौं गांव के किनारे स्थित यहां के प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के कमरों के दरवाजे तोड़कर दो सीलिंग फैन व रसोई की खिड़की तोड़कर यहां रखा गैस सिलेंडर व मिड डे मील के बर्तन आदि पार कर दिए। घटना की जानकारी प्रधानाध्यापक को सुबह विद्यालय पहुंचने के बाद हुई। इस पर प्रधानाध्यापक राहत जहां ने मामले की सूचना थाना पुलिस को दी। प्रभारी थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि चोरी की घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर गई थी। मामले के जांच कराई जा रही है।

मैटेरियल साइंस एवं मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- विभाग में चार वर्षीय बीटेक, दो वर्षीय एमटेक कोर्स व तीन वर्षीय डिप्लोमा कोर्स शामिल
- डिप्लोमा पास छात्रों को लेटरल एंट्री के तहत बी.टेक. द्वितीय वर्ष में डायरेक्ट प्रवेश का अवसर

अमृत विचार। सीएसजेएमयू के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का मैटेरियल साइंस एवं मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग विभाग में नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रकिया शुरू हो रही है। विभाग में 60 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। इसमें चार वर्षीय बीटेक व दो वर्षीय एमटेक कोर्स ,तीन वर्षीय डिप्लोमा कोर्स शामिल है । इसके साथ ही डिप्लोमा पास छात्रों को लेटरल एंट्री के तहत बी.टेक. द्वितीय वर्ष में डायरेक्ट एडमिशन का अवसर भी है।

यूआईईटी का यह विभाग छात्रों को पारंपरिक धातु विज्ञान से लेकर आधुनिक अंतरिक्ष तकनीक तक की जानकारी दे रहा है। बताया गया कि विभाग की ओर से आईआईटी हैदराबाद और अन्य संस्थानों के साथ समझौते भी किए गए हैं। समझौते के तहत छात्रों को संयुक्त अनुसंधान, स्टार्टअप आइडिया एक्सचेंज और इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स पर काम कर सकेंगे। प्रयोगशाला लैब में मैटेरियल कैरेक्टराइजेशन लैब ,मेटालोग्राफी लैब ,कोरोजन लैब ,पाउडर मेटलर्जी लैब,फर्नेस लैब है। स्कूल के निदेशक आलोक कुमार ने बताया कि इस ब्रांच से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी देश-विदेश की बड़ी कंपनियों और संस्थानों में कार्यरत हैं।

यह कोर्स हैं संचालित

- विभाग में बीटेक (4 वर्ष) जेईई मेन या 12वीं मेरिट के आधार पर होंगे। इसकी फीस 90,200 रुपये वार्षिक हैं। इसी तरह एमटेक (नैनो साइंस एंड नैनोटेक्नॉलजी) में छात्र सीधा प्रवेश ले सकेंगे। कोर्स में युवा डायरेक्ट एडमिशन ले सकेंगे। कोर्स की फीस 55,200 रुपये वार्षिक हैं। उधर डिप्लोमा (3 वर्ष) मेटलर्जिकल एवं मैटेरियल को छात्र 10वीं के बाद कर सकेंगे। इसकी फीस 45,200 रुपये वार्षिक हैं।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

तीन दिन से खराब पड़ा ट्रांसफार्मर बिजली गुल

राजपुर। दोहरापुर विद्युत सबस्टेशन क्षेत्र के रमऊ गांव में रखा दो सौ केवीए ट्रांसफर तीन दिन से जला पड़ा है। बिजली विभाग के अधिकारियों को सूचना देने के बाद भी ट्रांसफर नहीं बदला गया। तीन दिन से पूरा गांव दिन गर्मी में और रात अंधेरे में गुजारने को मजबूर हो रहे है। ग्रामीणों द्वारा लगातार सूचना देने के बाद भी बिजली की लापरवाही के कारण ट्रांसफर नहीं बदला जा रहा है। बिजली न आने से ग्रामीण राते मच्छरों के प्रकोप से जागकर गुजार रहे है। वहीं बिजली उपकरण महज शोपीस बने हुऐ है। ग्रामीणों द्वारा लगातार सूचना देने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी ट्रांसफार्मर बदलने के लिए लापरवाही बरत रहे है। दोहरापुर विद्युत् अवर अभियंता प्रमोद मौर्या ने बताया कि कल तक ट्रांसफार्मर रखवाकर बिजली आपूर्ति बहाल हो जाएगी।

बच्चों ने रैली निकाल कर स्कूल पहुंचने का दिया संदेश

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः गांव के प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ने और अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय अलीपुर रामहार में स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली गांव के मुख्य गलियों से होकर गुजरी।

रैली में शामिल बच्चे सब पढ़े सब बढ़ें और बेटी पढ़ाओ देश बढ़ाओ, जैसे नारों वाली तख्तियां लेकर चल रहे थे। नारे भी लगा रहे थे। रैली का शुभारंभ विद्यालय परिसर से हुआ। इसमें प्रधानाध्यापक सहायक अध्यापक शिक्षामित्र ग्राम प्रधान और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। रैली का उद्देश्य शिक्षा का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना रहा।

स्कूल चलो अभियान की रैली में शामिल छात्र। अमृत विचार

इस अवसर पर प्रधानाध्यापक ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास का एकमात्र माध्यम है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें और उनकी पढ़ाई में सहयोग करें। ग्राम प्रधान ने कहा कि गांव का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने इसके लिए सभी से मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया।

रैली में ग्रामीणों ने भी भाग लिया और इस पहल की सराहना की। बच्चों के उत्साह और शिक्षकों के प्रयासों ने इस अभियान को सफल बनाया।

श्री राम इंटरनेशनल को मिली सीबीएसई की मान्यता

संवाददाता, घाटमपुर

- प्लेग्रुप से लेकर इंटर तक है यह स्कूल
- लोगों ने स्कूल प्रबंधन को दी बधाई और शुभकामनाएं

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के नंदना, पतरसा में संचालित श्री राम इंटरनेशनल स्कूल को सीबीएसई की मान्यता मिली है। यह स्कूल प्ले ग्रुप से कक्षा 12 तक है।

पूर्व में हुए निरीक्षण में श्री राम इंटरनेशनल स्कूल सीबीएसई के सभी मानकों पर सही पाया गया है। श्री राम इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन मनोज भदौरिया ने स्कूल के सीबीएसई से सम्बद्ध होने पर बड़े ही हर्ष के साथ यह जानकारी देते हुए बताया कि अब श्री राम इंटरनेशनल स्कूल में सीबीएसई बोर्ड के अंतर्गत विद्यार्थी कक्षा 10 एवं 12 की परीक्षाओं में सम्मिलित हो सकेंगे।

इस अवसर पर विधायक सरोज कुरील ने श्री राम इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन मनोज भदौरिया, प्रधानाचार्य एवं समस्त शिक्षक, शिक्षिकाओं को बधाई दी है। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कमजोर वर्गों के छात्रों को 1500 शैक्षणिक छात्रवृत्तियां मिलेंगी

कार्यालय संवाददाता कानपुर

- लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने लखनऊ में सीएसआर कार्यक्रम आयोजित किया, जो वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कंपनी की 2 सौ करोड़ की राष्ट्रीय सीएसआर प्रतिबद्धता का हिस्सा है। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने मुख्य अतिथि के रूप में की।

इस दौरान बताया गया कि उत्तर प्रदेश में सीएसआर पहलें शिक्षा केन्द्रित हस्तक्षेपों पर आधारित हैं, जिनके तहत राज्य भर के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों को 1,500 शैक्षणिक छात्रवृत्तियां प्रदान की जा रही हैं। इसके साथ ही, समूह की पहल के अंतर्गत भूख उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 9 शहरों में प्रतिदिन लगभग 3,200 भोजन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। 144 माइक्रो-लर्निंग सेंटरों के माध्यम से 5,889 छात्रों को शिक्षा सहयोग दिया जा रहा है, तथा 332 पेयजल कुओं के निर्माण के माध्यम से 5,700 से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

छात्राओं के साथ मौजूद उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक।

ये सभी कार्यक्रम मलाबार चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और सामुदायिक कल्याण पर केंद्रित प्रयास समाज को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी तरह मलाबार समूह के चेयरमैन एमपी अहमद ने कहा कि उनकी सीएसआर पहलें समुदायों में दीर्घकालिक और संरचित प्रभाव उत्पन्न करने के उद्देश्य से डिजाइन की गई हैं। उत्तर प्रदेश में लागू किए जा रहे ये कार्यक्रम हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का अभिन्न हिस्सा हैं।

नई प्रवृत्तियों और कमियों का हुआ खुलासा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सीएसजेएमयू में हुए शोध में पारंपरिक शिक्षा को हावी बताया
- यह शोध शोधार्थी देश दीपक की ओर से किया गया है

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय में किए गए एक शोध में विश्वविद्यालयों के शैक्षिक अनुसंधान की वास्तविक स्थिति को लेकर कई अहम तथ्य सामने आए हैं। शोधार्थी ने अपने शोध पर यह पाया कि शिक्षा क्षेत्र में आधुनिक शिक्षा में अभी भी पारंपरिक शिक्षा हावी बनी हुई है। यह शोध शोधार्थी देश दीपक की ओर से किया गया है।

यह शोध देश दीपक द्वारा डॉ. रश्मि गोरे के निर्देशन में किए गए। इस अध्ययन ने शोध की प्रवृत्तियों, सीमाओं और संभावनाओं पर विशेष प्रकाश डाला है। अध्ययन के निष्कर्षों में सबसे प्रमुख बात यह सामने आई कि शिक्षा क्षेत्र में अब भी पारंपरिक शोध पद्धतियों का वर्चस्व बना हुआ है, जबकि आधुनिक, नवाचारी और मिश्रित पद्धतियों का उपयोग अपेक्षाकृत कम हो रहा है। यह स्थिति इस ओर संकेत करती है कि शोध को अधिक प्रभावी और समकालीन बनाने के लिए पद्धतिगत बदलाव की आवश्यकता है। इसके साथ ही शोध में कई ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्र उजागर हुए हैं, जिन पर अब तक पर्याप्त कार्य नहीं हुआ है।

विशेष रूप से स्थानीय शैक्षिक समस्याओं, तकनीकी उपयोग और क्षेत्रीय असमानताओं से जुड़े विषयों में शोध की कमी स्पष्ट रूप से देखी गई।

यह निष्कर्ष भविष्य के शोधार्थियों के लिए एक दिशा-निर्देश के रूप में सामने आता है। अध्ययन ने आगे यह भी संकेत दिया कि शिक्षा क्षेत्र में कई नए और प्रासंगिक शोध क्षेत्र मौजूद हैं, जिन पर काम करके न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को अधिक व्यावहारिक और समाजोपयोगी बनाया जा सकता है।

गुणवत्ता पर सवाल | **महाकालेश्वर आश्रम से प्राइमरी विद्यालय भीखदेव तक बन रहा है खड़ंजा**

बनते ही धंस गया स्कूल का खड़ंजा मार्ग

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः लंबे अरसे से की जा रही अभिभावकों की मांग पर प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने जा रहे उनके बच्चों के लिए बनाए जा रहे खड़ंजा मार्ग के निर्माण में अनियमितताएं बरते जाने का आरोप क्षेत्रीय निवासियों ने लगाया है। ग्रामीणों ने उक्त मामले की जांच किए जाने की मांग की है।

भीख देव और आसपास के ग्रामीणों के बच्चों को प्राथमिक विद्यालय तक जाने का एकमात्र मार्ग अरसे से नहीं बना था। इससे बच्चे कीचड़ भरे रास्तों,खेतों की कटीले तारों से युक्त मेड़ों से होकर गुजरते थे। इन स्थितियों में कई बार बच्चे गिरकर घायल भी हो गए। इसके बावजूद कोई स्थाई समाधान नहीं निकाला गया। इस पर इस समस्या को प्रिंट मीडिया के लोगों ने प्रमुखता से कई बार प्रकाशित किया। सभी के प्रयास से इस मार्ग का निर्माण कार्य शुरू हुआ। इससे लोगों में बच्चों के सुखद आवागमन की आस जगी।

बनते ही धंसने लगा बच्चों के स्कूल जाने के लिए बनाया जा रहा खड़ंजा मार्ग।

महाकालेश्वर आश्रम से प्राइमरी विद्यालय भीखदेव तक बन रहे इस खड़ंजा सड़क मार्ग में मानकों की अनदेखी किए जाने के कारण इसकी ईंटे कई स्थानों पर धस गई हैं। किनारे उखड़ने लगे हैं और सतह कई जगह असमतल हो गई है जिससे इसकी गुणवत्ता पर सवालिया निशान लग गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में अनियमितताएं बरती जा रही हैं। खड़ंजा सही तरीके से नहीं डाला जा रहा है। ईंटों के बीच अत्यधिक गैपिंग छोड़े जाने और बालू का इस्तेमाल न किए जाने के कारण ईंटें मजबूती से सेट नहीं हो रही है। जिससे निर्माण के दौरान ही किसी वाहन के निकलने से ईंटें बिखर जा रही हैं। सड़क के किनारे की मिट्टी भी मानकों के अनुरूप नहीं डाली गई।

पास ही से जेसीबी द्वारा मिट्टी खोदकर केवल औपचारिकता निभाई गई है। इससे सड़क की पकड़ बेहद कमजोर है और कालांतर में इसके पूरी तरह ध्वस्त होने की आशंका है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी विपुल विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि इस आशय की शिकायत अभी उन्हें नहीं मिली है। वह मामले की जानकारी कर जांच करवाएंगे।

मारपीट में महिला समेत तीन घायल

चौबेपुर। क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर हुई मारपीट की घटनाओं में महिला समेत तीन लोग घायल हो गये। त्रिलोकपुर गांव निवासी सरिता पत्नी कमलेश ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि बीते सोमवार दोपहर वह गांव स्थित अपनी मिट्टी के बर्तन की दुकान पर बैठी थीं। तभी गांव के आशीष पुत्र रामबालक जीतू, रिशू पुत्रगण सीतू ने बेवजह गाली गलौज की। विरोध करने पर लाठी डंडों से पीटा। मारपीट की दूसरी घटना में क्षेत्र के ततारपुर गांव निवासी धीरज पुत्र जगरूप सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि गत सोमवार शाम करीब 7:30 बजे वह अपने लेबर अंशू पुत्र अशोक के साथ बरहमपुर गांव से ट्रैक्टर द्वारा घर आ रहा था। तभी रास्ते में मन्नू लाल कॉलेज के सामने गांव के मोनू तिवारी ने अपना लोडर उसकी गाड़ी के आगे लगा दिया और गाली गलौज शुरू कर दी। कहासुनी के दौरान मोनू व उसके साथ रहे सोनू, ओम, छोटू व दो अन्य ने मारपीट कर उस पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में चोट आई। इस दौरान बचाव के लिए दौड़े लेबर अंशू को भी पीटकर घायल कर दिया। आसपास के ग्रामीणों को देख हमलावर लोग जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। प्रभारी थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

KANPUR SMART CITY LIMITED
3rd Floor,NagarNigamMukhyalaya,MotiJheel,Kanpur- 208002
Phone- +91-9839121096
e-mail : ksclkanpur@gmail.com

NOTICE INVITING TENDER

The Chief Executive Officer (CEO), Kanpur Smart City Ltd.(KSCL) Invites Tender for **the Renting of KSCL Office Vehicle for One Year** Bid available online till 23-04-2026 , 03:00 P.M. Bid will be opened on 23-04-2026 at 04:30 PM.

Tender Fee : Rs. 1,000.00 + Rs. 180.00 (18% GST) Non Refundable and EMD : Rs. 20,000.00

- Tender documents can be downloaded from the e-tendering website - https://etender.up.nic.in/ (In Kanpur Municipal Corporation Tender).
- Bidder are requested to submit the Tender fee in the form of DD/Bankers Cheque & EMD in form of FDR/TDR issued in Favor of "Chief Executive Officer, Kanpur Smart City Limited" Payable at Kanpur and receipts are to be attached and deposited with Technical Bid Documents.
- Any Corrigendum will be published at https://etender.up.nic.in/ only.
- For more details & queries contact Chief Executive Officer, KSCL, Address- CEO, Kanpur Smart City Limited (KSCL), Third Floor, Kanpur Municipal Corporation, Motijheel, Harsh Nagar, Kanpur-208002, Telephone no. 0512-2541258, 09839121096 and through e-mail id – ksclkanpur@gmail.com

Chief Executive Officer
Kanpur Smart City Limited

सुविचार

आप जीवन में जो कुछ भी चाहते है वे प्राप्त कर सकते है बस आप दुसरे लोगो की मदद करना शुरू कर दे!

- जिग जिगलर

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर के प्रमुख समाचार

- फ्लाइट से किडनी ट्रांसप्लांट करने आए थे दो टेक्नीशियन-II
- एक महीने में बढ़ गए सरिया, चादर व एंगल के दाम -III
- हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिरों में उमड़ी आस्था -IV

कानपुर, शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

उप्र सेतु निर्माण निगम की लखनऊ इकाई ने शासनादेश के बाद शुरू की टेंडर प्रक्रिया

ट्रांसगंगा सिटी पुल के टेंडर जारी, तीन हफ्ते बाद खुलेंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ट्रांसगंगा सिटी पुल के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। सेतु निर्माण निगम की लखनऊ इकाई ने शासनादेश जारी होने के बाद पुल निर्माण के लिए टेंडर आमंत्रित किए हैं। तीन हफ्ते बाद टेंडर खुलने पर पता चलेगा कि कौन सी कंपनी काम करेगी।

योगी सरकार ने पिछले माह कैबिनेट की बैठक में ट्रांसगंगा सिटी पुल के लिए 753 करोड़ 13 लाख 24 हजार रुपये के बजट को मंजूरी प्रदान की थी। इसमें 460 करोड़ रुपये अटल इंफास्ट्रक्चर मिशन के तहत उपलब्ध कराए जाने हैं, जबकि शेष धनराशि उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को देनी है। गंगा नदी के ऊपर बनने वाले इस पुल का निर्माण कार्य तीन वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह पुल बनते ही शहर की वीआईपी रोड सीधे गंगा बैराज मार्ग पर स्थित ट्रांसगंगा सिटी से जुड़ जाएगी।

अभी शहर से ट्रांसगंगा सिटी पहुंचने के लिए करीब 14 किमी की दूरी तय करनी पड़ती है, जो पुल का निर्माण होने के बाद चार किमी रह जाएगी। इससे सफर बेहद आसान और सुगम हो जाएगा। सेतु निगम के अनुसार पुल की कुल लंबाई चार किलोमीटर होगी, जिसमें करीब 1825 मीटर हिस्सा गंगा नदी के ऊपर रहेगा। पुल की शुरुआत रानीघाट जलकल पंपिंग स्टेशन से होगी और आगे धोबीघाट तक पहुंचेगी।

ट्रांसगंगा सिटी के गेट नंबर दो से लगभग चार सौ मीटर पहले दोनों ओर से आने वाले पुल मिलकर फोरलेन मार्ग में बदल जाएंगे। ट्रांसगंगा सिटी जाने के लिए लोग रानीघाट की तरफ से पुल पर चढ़ेंगे, जबकि ट्रांसगंगा सिटी की तरफ से आने वाले धोबीघाट की तरफ उतरेंगे। इस पुल की डिजाइन 100 साल की समय सीमा के हिसाब से तैयार की गई है।

उच्च स्तरीय समग्र विकास समिति के समन्वयक नीरज श्रीवास्तव ने करीब नौ साल पहले तत्कालीन यूपीसीडा एमडी को इस पुल के निर्माण का प्रस्ताव दिया था, तब इसे सरसैयाघाट से बनाया जाना था, लेकिन वहां यातायात जाम की समस्या देखते हुए वीआईपी रोड पर भैरोघाट के समीप से बनाए जाने का फैसला लिया गया। सांसद रमेश अवस्थी ने इस पुल की बजट मंजूरी के लिए पुरजोर प्रयास किए। उनका कहना है कि इस पुल का निर्माण कार्य पूरा होने से न सिर्फ कानपुर से लखनऊ के लिए एक और पुल की कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी, बल्कि ट्रांसगंगा क्षेत्र के विकास को तेज गति मिलेगी। रियल एस्टेट, औद्योगिक विकास का दायरा बढ़ने से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

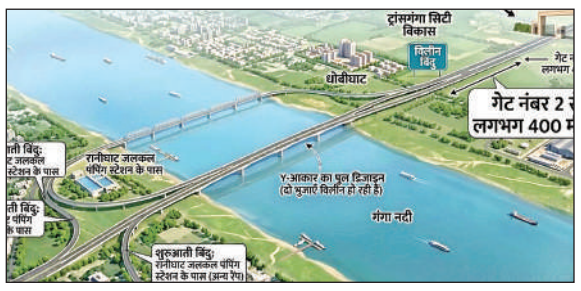

- खत्म होगा 14 किमी का चक्कर, वीआईपी रोड से मिलेगी ट्रांसगंगा सिटी की सीधी कनेक्टिविटी
- तीन साल में निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य, रियल एस्टेट, औद्योगिक विकास को मिलेगी गति

4.2 किमी होगी पुल की कुल लंबाई

1.8 किलोमीटर हिस्सा गंगा के ऊपर रहेगा

02 लेन के दो समानांतर पुल बनाए जाएंगे

14 किलोमीटर का अभी लगाना पड़ता चक्कर

100 साल के हिसाब से तैयार हुई डिजाइन

सेंट्रल से नौबस्ता तक डाउन लाइन पर थर्ड रेल इंस्टॉलेशन का काम पूरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर मेट्रो ने कॉरिडोर-1 में कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता तक डाउनलाइन पर ट्रैक निर्माण के बाद अब थर्ड रेल इंस्टॉलेशन का कार्य पूरा कर लिया। गुरुवार को थर्ड रेल इंस्टॉलेशन के बाद इसे पहली बार चार्ज (ऊर्जीकृत) किया गया। इसके बाद अब इस सिस्टम में करंट सप्लाई को निरंतर चालू माना जाएगा। यह प्रक्रिया होने के बाद यूपीएमआरसी जल्द ही डाउनलाइन पर मेट्रो ट्रेनों के संचालन के लिए टेस्ट रन की प्रक्रिया शुरू करेगा।

यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार के मुताबिक कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता तक यात्री सेवा विस्तार की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। जल्द ही सभी स्टेशनों पर फिनिशिंग और सिस्टम इंस्टॉलेशन संबंधी अंतिम शेष कार्य पूरे कर लिए जाएंगे और शहरवासियों को आईआईटी से नौबस्ता तक मेट्रो सेवा की सौगात मिलेगी। इस तीसरे चरण में कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता तक यात्री सेवाओं के विस्तार से पहले मेट्रो ट्रेनों की टेस्ट रन प्रक्रिया फरवरी माह में अप-लाइन पर शुरू हो चुकी है। अब जल्द ही डाउनलाइन पर भी इस प्रक्रिया की शुरुआत की जाएगी।

डाउन लाइन का कार्य पूरा, जल्द दौड़ेगी इसपर मेट्रो ट्रेन। अमृत विचार

- इंस्टॉलेशन के बाद पहली बार किया चार्ज, अब जल्द होगी टेस्ट रन की प्रक्रिया

टेस्ट रन के दौरान मेट्रो ट्रेन को ऑटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) मोड में कम गति पर चलाकर ट्रैक, पावर सप्लाई, सिग्नलिंग आदि विभिन्न तकनीकी इंटरफेसों की कार्यक्षमता को परखा जाता है। उन्होंने कहा कि कानपुर मेट्रो की ट्रेनें 750 वोल्ट डीसी थर्ड रेल से चलती हैं। थर्ड रेल इन्स्टॉल करने का कार्य ट्रैक निर्माण के साथ ही किया जा रहा था। इस प्रणाली में पारंपरिक तौर पर प्रयोग होने वाली ओएचई (ओवर हेड इक्युपमेंट) प्रणाली की जगह पर ट्रैक के समानांतर बिछी हुई थर्ड रेल का प्रयोग किया गया है। इस सिस्टम का मेंटेनेंस कम होता है, क्योंकि ट्रैक के समानांतर बिछे होने के कारण इसमें पतंगबाजी आदि कारणों से बिजली की सप्लाई ट्रिप या बाधित होने की आशंका नहीं होती। साथ ही इस प्रणाली की वजह से बिजली के तारों का कोई सेटअप बाहरी तौर पर दिखाई नहीं देता, जिससे शहर के इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुंदर बनाए रखने में मदद मिलती है।

- शहरवासियों को आईआईटी से नौबस्ता तक मिलेगी मेट्रो सेवा की सौगात

शहर में आज

- **कीर्तन :** नवाबगंज गुरुद्वारा में वार्षिक कीर्तन समागम सुबह 11 बजे से।
- **सभा :** गुड फ्राइडे का आयोजन पांडुनगर क्राइस्ट चर्च में दोपहर 1 बजे से।
- **प्रार्थना :** गोविंद नगर 13 ब्लाक न्यू इंडिया चर्च आफ गॉड में विशेष प्रार्थना दोपहर 12 बजे।
- **पदयात्रा :** सालासर बालाजी मंदिर, कमला टावर में शाम चार बजे मंदिर से ध्वजा यात्रा।
- **संवाद :** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का संवाद कार्यक्रम होटल रेजेंटा बेनाझाबर में दोपहर 12:30 बजे।

सिटी ब्रीफ

कानपुर से बेंगलुरु के लिए स्पेशल ट्रेन 5 से

कानपुर। कानपुर सेंट्रल से सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरु स्पेशल ट्रेन प्रत्येक रविवार को 5 अप्रैल से 12 जुलाई तक कानपुर से रवाना होगी, जबकि 8 अप्रैल से 15 जुलाई तक प्रत्येक बुधवार को बेंगलुरु से चलेगी। इस ट्रेन को फतेहपुर, प्रयागराज, सतना, नागपुर, विजयवाड़ा, नेल्लोर, कटपड़ी स्टेशनों पर स्टॉपेज दिया जाएगा। रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी ने यात्रियों से समय सारिणी देखकर यात्रा करने की अपील की है। उनका कहना है कि समयसारणी के अनुसार यात्रा करने से सहूलियत होगी।

फर्जी बैनामा से कब्जा करने का किया प्रयास

कानपुर। कानपुर दक्षिण के बर्रा क्षेत्र के रहने वाले सुरेश कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उनकी पैतृक जमीन आराजी संख्या 316 पर कुछ लोगों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर कब्जा करने का प्रयास किया है। पीड़ित के अनुसार इलाहाबाद उच्च न्यायालय से यथास्थिति का आदेश जारी होने के बावजूद 28 फरवरी की रात आरोपी अभिषेक सक्सेना और उसके साथियों ने दबंगई दिखाते हुए जमीन पर निर्माण कराना शुरू कर दिया और निर्माण का विरोध करने पर हमला कर जानमाल की धमकी दी। पीड़ित का यह भी आरोप है कि केडीए के एक लिपिक की मिलीभगत से फर्जी फ्री होल्ड बैनामा कराया गया। पीड़ित ने छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस जांच कर रही है।

अवैध स्टैंड से वसूली का आरोप लगाया

कानपुर। लखनऊ-कानपुर रूट पर रामादेवी चौराहा पर अवैध स्टैंड पर वसूली व मारपीट का आरोप लगाकर टैक्सी चालक ने पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। चकेरी के सफीपुर निवासी मनोज कुमार के अनुसार वह टैक्सी चालक है। रामादेवी चौराहा से लखनऊ रूट पर मैक्सी कैब चलाता है। आरोप लगाया कि चौराहा पर सूर्या हॉस्पिटल के पास मुकेश यादव नामक व्यक्ति अवैध रुप से स्टैंड संचालित करता है। जिसके गुर्गे संतोष निषाद, पिच्ची, मार्शल और सरवन निषाद चालकों से वसूली करते हैं। पीड़ित का आरोप है कि उनके विरोध करने पर आरोपियों धमकाया। जिस पर उन्होंने चकेरी थाने में शिकायत की। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों का चकेरी थाने में रसूख होने के चलते पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिसके बाद बीती फरवरी को उन्होंने जेसीपी से शिकायत की। जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली। आरोपी मुकेश यादव का कहना है कि वह समाज सेवक है। टैंपो टैक्सी स्टैंड संचालित करने का आदेश हाईकोर्ट से है। मैक्सी टैक्सी स्टैंड से संचालित नहीं करते हैं। फिर भी उन पर जबरन वसूली करवाने का आरोप लगाया गया है। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

फर्जी फर्म से 3.71 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोविंदनगर में फर्जी फर्म बनाकर 3.71 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का मामला सामने आया है। राज्य कर विभाग की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज जांच शुरू की है। आरोप है कि मुरादाबाद के युवक ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर फर्जी फर्म का पंजीकरण कराया और कागजों पर कारोबार दिखाकर करोड़ों की टैक्स चोरी की। सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया।

पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी अरविंद सिंह ने सिंह इंटरप्राइजेज के नाम से बोगस फर्म बनाई और स्क्रैप कारोबार दर्शाते हुए वर्ष 2025-26 में करीब 20.41 करोड़ रुपये की बिक्री दिखाई। इसके साथ ही कागजों में इनवर्ड सप्लाई दिखाकर करीब 3.67 करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट हासिल की और आउटवर्ड सप्लाई के नाम पर 3.71 करोड़ रुपये की कर देनदारी दर्शाई गई। पूरे मामले में संदेह होने पर बीती 13 जनवरी को विभागीय जांच कराई गई तो फर्म के पते पर कोई भी व्यावसायिक गतिविधि नहीं मिली। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि जिस जगह को गोदाम बताया गया, वह दरअसल राकेश कुमार अरोड़ा की मात्र 80 वर्गफुट की छोटी सी दुकान है।

- कूटरचित दस्तावेजों से फर्म का कराया गया पंजीकरण गोविंदनगर में मुकदमा दर्ज

अधिकारियों के अनुसार कागजी लेनदेन के जरिए फर्जी आईटीसी का लाभ लेकर सरकार को भारी राजस्व हानि पहुंचाई गई है। गोविंदनगर थाना प्रभारी ऋकेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है, जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। कार्रवाई जारी है।

कवायद शुरू

कानपुर-कबरई फोरलेन को मंजूरी, गडकरी करेंगे शिलान्यास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर और बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात के रूप में कानपुर (रमईपुर)-हमीरपुर-महोबा (कबरई) राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना को केंद्र सरकार से अंतिम मंजूरी मिल गई है। माना जा रहा है कि जल्द ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी शहर आकर इसका शिलान्यास करेंगे। फोरलेन ग्रीनफील्ड एलीवेटेड हाईवे की इस परियोजना से कानपुर और बुंदेलखंड के बीच एक नया, तेज और सुलभ मार्ग मिलेगा। यह हाईवे 112 किमी लंबा होगा और कानपुर, हमीरपुर, तथा महोबा के 93 गांवों से गुजरते हुए आगे मध्यप्रदेश की सीमा तक जाएगा, जिससे भोपाल और मुंबई की कनेक्टिविटी आसान हो जाएगी। इस हाईवे के निर्माण से मौजूदा कानपुर-सागर मार्ग पर वाहनों का दबाव कम होगा।

शहर से हमीरपुर-महोबा जाने वाले लोगों को अभी मौजूदा हाईवे पर गड्ढों, धूल और मौरंग-गिट्टी के ट्रकों की अंतहीन कतारों के साथ यातायात जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। कानपुर-कबरई फोरलेन ग्रीनफील्ड एलीवेटेड के निर्माण से सालों से चली आ रही इस समस्या का समाधान होगा। इस मार्ग का निर्माण इस तरह होगा कि फोरलेन सड़क को भविष्य में सिक्स लेन किया जा सकेगा। महोबा, घाटमपुर और हमीरपुर में इस फोरलेन पर चढ़ने और उतरने के लिए रैंप बनाए जाएंगे।

अकबरपुर से भाजपा सांसद देवेंद्र सिंह भोले के मीडिया प्रभारी अशोक सिंह दद्दा ने परियोजना को स्वीकृति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताते हुए कहा कि यह मार्ग विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। साल 2022 में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस पर सैद्धांतिक स्वीकृति दी थी। इसके बाद से भूमि अधिग्रहण शुरू करने के साथ तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे।

अब सभी कागजी औपचारिकताएं पूरी होने पर अंतिम मंजूरी मिली है। एनएचएआई के अधिकारियों का कहना है कि कानपुर-कबरई हाईवे के निर्माण से भारी वाहनों के आवागमन में लगने वाले समय और ईंधन की बचत होगी। ट्रक ऑपरेटरों को सुविधा मिलेगी और परिवहन लागत कम होगी। कानपुर के उद्योगों को बुंदेलखंड और मध्य प्रदेश तक अपने उत्पाद पहुंचाने में आसानी होने से व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। हमीरपुर रोड पर रोज लगने वाले जाम में कमी आएगी।

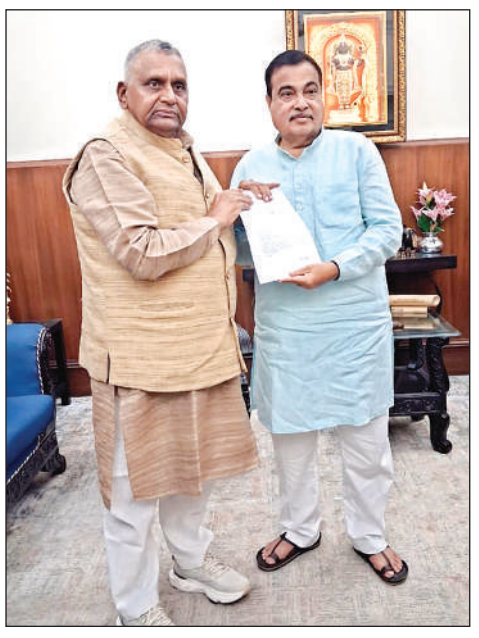

नितिन गडकरी से मिले सांसद देवेंद्र सिंह भोले। अमृत विचार

- फोरलेन ग्रीनफील्ड एलीवेटेड हाईवे का किया जाएगा निर्माण, इससे इलाके के विकास को मिलेगी नई रफ्तार
- भोपाल व मुंबई की कनेक्टिविटी होगी आसान, मौजूदा सागर मार्ग पर जाम की समस्या का होगा समाधान

112 किलोमीटर लंबा होगा यह मार्ग

04 लेन एलीवेटेड होगा निर्माण

93 गांवों में होना है भूमि अधिग्रहण

5,700 करोड़ परियोजना की लागत

"इस परियोजना की मंजूरी के लिए लगातार प्रयासरत था। अब केंद्र सरकार ने हरी झंडी दिखा दी है। इस फोरलेन मार्ग के बनने से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। यह मार्ग कानपुर के विकास की नई लाइफलाइन बनेगा और क्षेत्र की तस्वीर बदल देगा।

-देवेंद्र सिंह भोले, सांसद-अकबरपुर।

"यह परियोजना ग्रीनफील्ड एलीवेटेड है। पहले पूरी तरह सिंगल पिलर पर एलीवेटेड मार्ग बनाने का फैसला हुआ था, लेकिन इसकी लागत काफी आ रही थी। अतएव अब यह मार्ग पूरी तरह जमीन से उसी तरह ऊपर रहेगा, जैसा कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे है। प्रमुख स्थानों पर रैंप बनाकर वाहन सवारों को उतरने की सुविधा मिलेगी, जबकि टोल के माध्यम से वाहन सवार मार्ग पर चढ़ सकेंगे।

-पंकज यादव, परियोजना निदेशक, एनएचएआई

परेशानी बढ़ी

गंगा पुल के स्लीपरों की मरम्मत शुरू होने से दैनिक यात्रियों को होगी दिक्कत, प्राइवेट संसाधनों पर बढ़ गया किराया

रेलवे के ब्लाक से 41 दिन लखनऊ का सफर आसान नहीं

कार्यालय संवादाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर गंगा नदी पर बने रेलवे पुल के स्लीपरों का मेंटीनेंस कार्य शुरू हो गया। सुबह 08:30 से शाम 05:30 बजे तक ब्लाक लिया गया है, जिससे मेमू सहित इंटरसिटी व मेल ट्रेनें निरस्त रखी गई हैं। कानपुर से लखनऊ के बीच सफर करने वाले हजारों यात्रियों को इससे दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अगले 41 दिनों तक यही स्थिति बनी रहेगी।

दोनों शहरों के बीच मेमू व लोकल ट्रेन से 20 रुपये और मेल, एक्सप्रेस का किराया 45-60 रुपये के बीच है। गुरुवार को गोरखपुर स्पेशल ट्रेन गुजरने के बाद ट्रैक पर मेंटीनेंस कार्य रेलवे ने शुरू करा दिया, जो शाम को प्रतापगढ़ इंटरसिटी खुलने के समय काम समाप्त किया जाना था। मेंटीनेंस कार्य के चलते प्रतापगढ़ इंटरसिटी अपने निर्धारित समय से करीब डेढ़ घंटे लेट रवाना हुई।

हजारों यात्रियों का सारा भार रोडवेज की ओर शिफ्ट हुआ। मौके का फायदा उठाकर निजी वैन चालकों ने 150 रुपये प्रति यात्री किराया वसूल किया। सात सीट की क्षमता वाली वैन में 10 यात्रियों को जबरन बैठाया गया। रोडवेज बसों का किराया भी ट्रेन से महंगा है। रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि दोनों शहरों के बीच 100 बसों के फेरे बढ़ाए गए हैं। हालात सामान्य होने तक यही व्यवस्था लागू रहेगी।

लखनऊ के लिए ट्रेन निरस्त होने से परेशान रहे यात्री। अमृत विचार

क्या बोले यात्री

- लखनऊ में निजी बैंक में कार्यरत विपुल शर्मा ने बताया कि फरक्का एक्सप्रेस या सुबह 7 बजे वाली लोकल पकड़कर रोज जाना होता है। लेकिन अब कुछ दिन बस से ही सफर करना पड़ेगा।
- गौरा कठेरुआ में सहायक अध्यापक अंजली कुमारी ने बताया कि जैतीपुर तक ट्रेन से जाते हैं। अब नवाबगंज बाइपास में उतरकर स्कूल तक जाना होगा। किराया और समय ज्यादा लगेगा।
- लखनऊ मोतीझील एवरेडी के पास एक पेंट फैक्ट्री के सुपरवाइजर भावेश श्रीवास्तव ने बताया कि सप्ताह में दो दिन घर आना होता है। ट्रेन की एमएसटी बनी है तो किराया समझ नहीं आता। बस से दिक्कत होगी।

कौन-कौन सी ट्रेनें रद्द हैं

- गाड़ी संख्या 64701 एवं 64702 झांसी-लखनऊ मेमू
- गाड़ी संख्या 54154 एवं 54153 कानपुर सेंट्रल-रायबरेली पैसेंजर
- गाड़ी संख्या 64212 कानपुर सेंट्रल-लखनऊ मेमू
- गाड़ी संख्या 64255 उत्तरेटिया-कानपुर सेंट्रल मेमू
- गाड़ी संख्या 14101 एवं 14102 कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज संगम
- गाड़ी संख्या 11109 एवं 11109 झांसी-लखनऊ इंटरसिटी
- गाड़ी संख्या 54101 एवं 54102 प्रयागराज संगम-कानपुर अनवरगंज पैसेंजर
- गाड़ी संख्या 54326 कानपुर सेंट्रल से सीतापुर सिटी पैसेंजर
- गाड़ी संख्या 54325 सीतापुर सिटी-कानपुर सेंट्रल पैसेंजर 12 मई तक निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 55345 लखनऊ-कासगंज पैसेंजर तक रद।
- गाड़ी संख्या 55346 कासगंज-लखनऊ पैसेंजर 13 मई तक निरस्त।
- गाड़ी संख्या 64203 लखनऊ-कानपुर सेंट्रल मेमू 14 मई तक निरस्त।
- गाड़ी संख्या 64214 कानपुर सेंट्रल-लखनऊ मेमू 13 मई तक निरस्त रहेगी।

लखनऊ के बजाय 13 तक फतेहपुर तक जाएगी मेमू : कानपुर पुल बायां किनारा स्टेशन के ब्रिज पर मेंटेनेंस कार्य के चलते रेलवे ने कई ट्रेनों को रद्द किया है। जिनमें से कुछ ट्रेनों के संचालन को आंशिक रूप से बहाल किया गया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार झांसी-लखनऊ इंटरसिटी अप-डाउन में 13 अप्रैल तक गोविंदपुरी स्टेशन तक संचालित की जाएगी। इसी तरह झांसी-लखनऊ मेमू अप-डाउन में 13 अप्रैल तक फतेहपुर तक चलेगी।

कई ट्रेनों का किया गया डायवर्जन

कानपुर। रेलवे पुल पर ब्लॉक के कारण ट्रेनों को डायवर्ट कर ऐशबाग स्टेशन और बादशाहनगर स्टेशन पर अस्थायी ठहराव दिया गया है। दोनों स्टेशन पर ठहराव दो मिनट का रखा गया है।

ये ट्रेनें रुकेंगी

- 09451 गांधीधाम-भागलपुर स्पेशल : 3 और 10 अप्रैल
- 09452 भागलपुर-गांधीधाम स्पेशल : 6 अप्रैल
- 11080 गोरखपुर-एलटीटी एक्सप्रेस : 4 और 11 अप्रैल
- 19168 साबरमती एक्सप्रेस : 5, 7, 9 और 10 अप्रैल
- 19166 साबरमती एक्सप्रेस : 4, 6, 8 और 11 अप्रैल
- 11123 बरौनी मेल : 4 से 11 अप्रैल
- 11124 बरौनी मेल : 3 से 10 अप्रैल

निगरानी में लखनऊ भेजे गए आयुष और पारुल

आहुजा और प्रिया हॉस्पिटल के लाइसेंस निलंबित

किडनी कांड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएसएस पीजीआई में किडनी ट्रांसप्लांट के संबंधित आईसीयू की सुविधा नहीं है, जिसकी वजह से किडनी डोनर आयुष और रिसीवर पारुल को गुरुवार की सुबह जीएसवीएसएस पीजीआई से लखनऊ के डॉ.राममनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। दो एंबुलेंस से किडनी डोनर और रिसीवर को भेजा गया है। इनके साथ मेडिसिन विभाग के दो डॉक्टर, एनेस्थिया के दो डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, टेक्नीशियन और वार्ड ब्वाय की टीम भी निगरानी के लिए भेजी गई, ताकि रास्ते में दोनों लोगों को किसी तरह की दिक्कत न हो सके।

कल्याणपुर के केशवपुरम स्थित आहुजा हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट के बाद डोनर आयुष और रिसीवर पारुल तोमर को कल्यानपुर के प्रिया हॉस्पिटल और मेडलाइफ हॉस्पिटल में रखा गया था, जहां पर दोनों की स्थिति काफी गंभीर थी। पुलिस की ओर से मारे गए छापे और स्वास्थ्य विभाग की ओर से की गई जांच-पड़ताल के बाद आयुष और पारुल को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.हरिदत्त नेमी ने जीएसवीएसएस पीजीआई में भर्ती कराया था, जबकि यहां पर किडनी ट्रांसप्लांट से संबंधित आईसीयू व आदि की सुविधा नहीं है। बावजूद इसके जीएसवीएसएस पीजीआई के डॉक्टरों ने काफी मशक्कत की और कुछ दवाएं अपने पास से भी उपलब्ध कराई, जिसके बाद दोनों की स्थिति में सुधार आया।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला ने बताया कि दोनों की उच्च चिकित्सा के लिए बुधवार केजीएमयू और एसजीपीजीआई को पत्र लिखा गया था। जहां पर बेड खाली नहीं थे। इसके बाद डॉ.राम मनोहर लोहिया अस्पताल के डायरेक्टर से वार्ता की, जिसके बाद गुरुवार सुबह दोनों मरीजों को दो एंबुलेंस के माध्यम से भेजा गया है। एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस में एनेस्थीसिया, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी और मेडिसिन के एक डॉक्टर की विशेष टीम भी साथ भेजी गई है। साथ ही नर्सिंग स्टाफ, टेक्नीशियन व वार्ड ब्वाय भी टीम में शामिल है, जो आपात स्थितियों में किडनी डोनर और रिसीवर के स्वास्थ्य का ख्याल रखेंगे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

एंबुलेंस में किडनी रिसीवर पारुल तोमर के साथ में मौजूद डॉक्टर और स्टाफ। अमृत विचार

- जीएसवीएसएस पीजीआई में किडनी ट्रांसप्लांट आईसीयू की सुविधा नहीं
- एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस में विशेषज्ञों की निगरानी किया गया रेफर

हालात में सुधार, दोनों खा रहे खाना

- प्राचार्य प्रो .संजय काला ने बताया कि डोनर की हालत अब पहले से काफी ठीक है, उसको यूरिन भी पास हो रही है और खाना भी खा पा रहा है। इंफेक्शन भी अब नहीं है। लेकिन रिसीवर को अभी इलाज की जरूरत है। लेकिन वह खाना खा रही है। इंफेक्शन नहीं है। जीएसवीएसएस पीजीआई से सेफ कॉरिडोर बनाकर दोनों मरीजों को भेजा गया। साथ ही दवा भी भेजी गई है। लखनऊ पहुंचने पर डॉ .राम मनोहर लोहिया अस्पताल के डायरेक्टर ने भी रिपोर्ट देखकर स्थिति को भांपा। क्रिटिनिन, हीमोग्लोबिन, यूरिन, काउंट की स्थित में सुधार की जानकारी हुई। दोनों मरीजों को लिखापढ़ी में यहां से ठीक होने पर छुट्टी की जाएगी और पूरी डायग्नोसिस भी की जाएगी।

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केशवपुरम के जिस आहुजा हास्पिटल में अवैध रूप से किडनी ट्रांसप्लांट का खेल चल रहा था, उसका लाइसेंस गुरुवार को सस्पेंड कर दिया गया। प्रिया हॉस्पिटल का भी लाइसेंस भी संस्पेड हुआ है। दोनों अस्पतालों को नोटिस जारी कर तीन दिनों में अस्पताल खाली करने को कहा गया है।

आहुजा हॉस्पिटल में कई माह से किडनी ट्रांसप्लांट का खेल किया जा रहा था, लेकिन इसकी भनक विभाग को नहीं थी, जबकि स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कुछ दिन पहले ही कल्यानपुर क्षेत्र में अवैध गतिविधियों में शामिल अस्पतालों व संचालकों के खिलाफ अभियान चलाया था, लेकिन यह टीम पकड़ नहीं सकी, लेकिन पुलिस द्वारा रचे गए चक्रव्यू में अवैध रूप से किए जा रहे किडनी ट्रांसप्लांट में शामिल लोग फंस गए, जिनको पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया और कुछ डॉक्टरों की तलाश पुलिस को कानपुर से लेकर प्रदेश के अन्य जिलों और दूसरे राज्यों में भी है, इनको लेकर टीमें रवाना हो चुका है। मामले के चार दिन बीतने के बाद सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आहुजा हॉस्पिटल और प्रिया हॉस्पिटल का लाइसेंस निरस्त कर दिया है। साथ ही तीन दिन के अंदर अस्पताल को खाली करने के निर्देश दिए हैं। सीएमओ के मुताबिक अगर तीन दिन में अस्पताल से सामान नहीं हटाया गया तो कार्यवाही की जाएगी। वहीं, मेडलाइफ हॉस्पिटल को भी सील किया जा चुका है।

आहुजा हॉस्पिटल। अमृत विचार

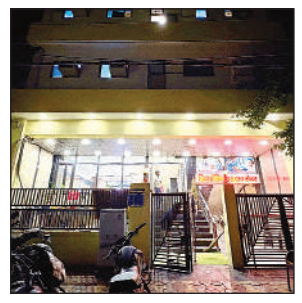

प्रिया हॉस्पिटल। अमृत विचार

सर्जरी कराने वाले मरीजों से मिलेगी टीम

- सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग अपना खुफिया तंत्र तैयार करेगा, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर छापेमारी की जाएगी। निजी अस्पतालों में हुई सर्जरी खासतौर पर गाल ब्लैडर, प्रोस्टेट व किडनी स्टोन के मरीजों से भी संपर्क किया जाएगा। विशेष रूप से कल्याणपुर व नौबस्ता क्षेत्रों में बने अस्पताल और डायलिसिस सेंटर पर नजर रखी जाएगी। स्वास्थ्य व अपराध से संबंधित किसी भी प्रकार अवैध गतिविधियां संचालित होती मिलती है तो संबंधितों पर कार्यवाही तय की जाएगी।

सिटी ब्रीफ

प्रेमी की प्रताड़ना से जान देने की रिपोर्ट

कानपुर। किदवईनगर में किशोरी के आत्महत्या मामले में बहन की तहरीर पर पुलिस ने कथित प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि युवक की प्रताड़ना से परेशान होकर किशोरी ने जान दी। पुलिस ने जांच शुरू की है। आरोपी की तलाश की जा रही है। साकेतनगर इलाके की रहने वाली किशोरी ने 31 मार्च की रात कमरे में फांसी से लटककर जान दे दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजा था। अगले दिन मृतका की बहन ने थाने में तहरीर दी। आरोप लगाया कि इलाके का मुकेश कुमार उसे लंबे समय से परेशान कर रहा था। इसी दबाव में उसने यह कदम उठाया। परिजनों के अनुसार किशोरी कुछ दिनों से तनाव में थी। हालांकि उन्होंने ऐसी घटना की उम्मीद नहीं की थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है। इंस्पेक्टर किदवईनगर धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

मकान का ताला तोड़ जबरन किया कब्जा

कानपुर। बाबूपुरवा में लंबे समय से चल रहे मकान विवाद में आरोपियों ने घर में ताला तोड़कर जबरन कब्जा कर लिया। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। बगाही निवासी किशन कुमार ने बताया कि मामला लंबे समय से कोर्ट में विचाराधीन है। आरोप है कि 29 मार्च को उनके भाई राजकुमार व भतीजा अविनाश, सोनू ने ताला तोड़कर घर में घुसकर सामान कब्जे में ले लिया था। एक अप्रैल की तड़के करीब ढाई बजे राजकुमार की पत्नी राधा गुप्ता और बेटी शिवांगी के साथ आरोपी फिर घर पहुंचे, लोहे की रॉड से ताला तोड़ने का प्रयास किया और सफल न होने पर घर में घुसकर महिलाओं को बंद कर दिया तथा कमरों की दीवार भी तोड़ने लगे। किशन कुमार ने बताया कि आरोपियों ने जान का खतरा उत्पन्न किया। शोर सुनकर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिलाओं को बाहर निकालने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने मना कर दिया। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद है। पुलिस ने मामले कार्रवाई शुरू कर दी है।

बैटरी और स्टेपनी चोरी कर ले जाते पकड़ा

कानपुर। जाजमऊ में दुकान के सामने खड़ी पिकअप से बैट्री व स्टेपनी और दो आटो से नकदी व सामान चोरी कर ले जा रहे दो आरोपियों को लोगों ने पकड़ लिया। पीटने के बाद पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने आरोपियों को जेल भेजा है। जाजमऊ के सुंदर नगर निवासी निशा गुप्ता के अनुसार उनके घर के सामने चाय की दुकान के पास रोजाना उनकी पिकअप खड़ी होती है। उसके पास ही जाजमऊ चेकपोस्ट निवासी मुन्ना और बुढ़िया घाट निवासी दिनेश कुमार के आटो खड़े रहते हैं। पीड़िता ने बताया कि बुधवार तड़के उनके पिकअप से बैट्री व स्टेपनी के साथ दुकान के बाहर रखे गत्ते और लोहे के जाल बंडल चोरी हो गया था। वहीं, आटो से 35 हजार रुपये की नकदी, जाकेट चुराकर ले जा रहे थे। तभी उन्होंने देखा तो इलाके के लोगो की मदद से दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम मनोहर नगर निवासी अनस और उन्नाव के इखलाख नगर गंगाघाट निवासी नकुल बताया। उनके पास से चोरी का सामान भी बरामद हुआ। जाजमऊ थाना प्रभारी संजय पांडेय ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को जेल भेजा गया है।

सर्जरी के दौरान दोनों उपकरण और दवाएं उपलब्ध कराते थे, कई और ओटी टेक्नीशियन की पुलिस को तलाश

फ्लाइट से किडनी ट्रांसप्लांट के लिए आए थे टेक्नीशियन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। किडनी ट्रांसप्लांट में फ्लाइट से शहर आए दो ओटी टेक्नीशियन गुरुवार को पुलिस के हत्थे चढ़े। किडनी कांड रैकेट से जुड़े दोनों टेक्नीशियन शहर से भागने के फिराक में थे, तभी कल्याणपुर स्थित दलहन के पास से पुलिस ने उन्हें दबोचा। पकड़ा गया ओटी टेक्नीशियन कुलदीप सिंह हापुड़ व राजेश कुमार नोएडा का है। दोनों टेक्नीशियन को कमीशन के तौर पर 40-40 हजार रुपये मिलते थे। ऑपरेशन के दौरान दोनों काम डॉक्टर को सर्जरी उपकरण व दवाएं उपलब्ध कराना था। दोनों डॉ. अफजाल की टीम के साथ शहर आते थे।

आहूजा, प्रिया और मेड लाइफ हॉस्पिटल ही नहीं पुलिस की जांच में अब तक छह और बड़े अस्पतालों के नाम सामने आए हैं। जानकारी होने के बाद भी पुलिस ने अभी तक इन अस्पतालों के नाम नहीं खोले हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार इन अस्पतालों की ओटी में किडनी ट्रांसप्लांट का अवैध कारोबार चल रहा था। ट्रांसप्लांट की जानकारी मिलने पर जब पुलिस ने अस्पतालों का सीसीटीवी फुटेज मांगा तो डीवीआर मौजूद नहीं था। इसके अलावा कई तरह के बहाने बताए गए। पुलिस अब इन अस्पतालों के स्टॉफ से पूछताछ कर रही है।

इसके अलावा उक्त अस्पतालों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। जिससे कोई साक्ष्य हाथ लगे। सूत्रों की माने तो किडनी ट्रांसप्लांट का यह कारोबार बड़ी सावधानी से किया जा रहा था, जिससे बचा जा सके। यहीं कारण है कि रैकेट में शामिल लोगों को छोड़कर पूरे स्टॉफ को छुट्टी दे दी जाती थी और ऑपरेशन भी रात में ही किया जाता था।

ट्रांसप्लांट के दौरान करीबी स्टॉफ को भी ओटी की तरफ जाने की पाबंदी थी। ओटी में पूरा स्टॉफ डॉ. अफजाल और डॉ. रोहित का बुलाया होता था। यह लोग ट्रांसप्लांट के बाद रवाना हो जाते थे। किडनी ट्रांसप्लांट के बाद डोनर व रिसीवर को अलग-अलग अस्पतालों में उन्हीं डॉक्टरों की देखरेख में रखा जाता था।

किडनी ट्रांसप्लांट में भूमिका निभाने वाले दोनों ओटी टेक्नीशियन पुलिस के हाथ लगे। अमृत विचार

- 35-40 हजार रुपये कमीशन लेते थे हापुड़ और नोएडा के रहने वाले ओटी टेक्नीशियन
- कल्याणपुर इलाके में ही दलहन अनुसंधान केंद्र के पास पुलिस की पकड़ में आए दोनों आरोपी

आईसीयू में गर्लफ्रेंड के सवाल पर आयुष ने बताई मजबूरी

लखनऊ रेफर होने से पहले हैलट के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की छठवीं मंजिल पर आईसीयू में भर्ती आयुष को उसकी गर्लफ्रेंड से मिलवाया गया। पुलिस की कड़ी सुरक्षा में आयुष की गर्लफ्रेंड उससे मिली। कानपुर पहुंचने पर उसकी सुरक्षा में तीन पुरुष, एक महिला दरोगा व एक कांस्टेबल थे। आयुष की गर्लफ्रेंड के साथ आईसीयू में तीन दरोगा मौजूद थे। गर्लफ्रेंड को देखकर आयुष के आंखों से आंसू निकलने लगे तो उसने सिर पर हाथ फेरकर ढांढस बंधाया। आंसू पोछे। गर्लफ्रेंड ने आयुष से पूछा कि किडनी क्यों डोनेट की? इसके जवाब में आयुष ने फीस की मजबूरी बताई। उसने कहा कि इसी वजह से वह दो माह से परेशान था। तभी वह शिवम अग्रवाल उर्फ शिवम काणा के संपर्क में आया। उसकी बातों में आकर किडनी डोनेट कर दी। इस पर गर्लफ्रेंड ने नाराजगी जताई। उसने डॉक्टरों से आयुष के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उसने आयुष को बताया कि उसकी मां काफी परेशान है। आने की बात कह रही थीं। गर्लफ्रेंड ने पुलिस को बताया कि आयुष का छोटा भाई ऋषभ प्राइवेट नौकरी करता है। वह आईसीयू से बाहर निकली, लेकिन मीडियाकर्मियों को देखकर आईसीयू में चली गई। फिर पुलिसकर्मियों ने उसे पीछे के गेट से निकलवाया। आयुष की गर्लफ्रेंड उसी के साथ पढ़ती है।

आठ साल में करोड़पति बना एंबुलेंस का चालक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आठ बाई आठ के कमरे में रहने वाले शिवम काणा के पास 3 फ्लैट और एक तीन खंड का मकान

अमृत विचार। किडनी कांड में जेल गया शिवम अग्रवाल उर्फ शिवम काणा देखते ही देखते कई सालों में बाइक से कार तक पहुंच गया और आठ बाई आठ के कमरे में रहने वाला फ्लैट में रहने लगा। उसके इलाके के लोग बताते है कि उसके पास दो फ्लैट और एक तीन खंड का मकान है। रहन-सहन के साथ उसका फ्रेंड सर्किल तक बदल गया। लेकिन उसके पुराने जानने वाले उसे जालसाज ही कहते हैं।

करीब चार साल पहले शिवम काणा गीतानगर निवासी एक यादव परिवार में किराए पर कमरा लेने पहुंचा था। उसके साथ उन्नाव की रहने वाली युवती थी। पूछने पर बताया कि कोर्ट मैरिज की है। मकान मालिक को बेटे गोलू के अनुसार शिवम बहुत ही मृदुभाषी है। वह बातचीत से किसी को भी प्रभावित कर सकता है। लोग उसकी बातचीत से रुपये खर्च करने को तैयार हो जाते थे। शिवम जब कमरा लेने पहुंचा था तो उसके पास एक बाइक और कुछ बर्तन थे। काम-धंधा के बारे में पूछने पर उसने खुद को एंबुलेंस चालक बताया था।

गोलू के अनुसार शिवम शराब पीता था और पत्नी पूनम से मारपीट करता था। उसके यहां दो वक्त खाने के लाले थे। एक दिन शिवम अचानक कार लेकर आया और उसके गले में स्टेथेस्कोप (आला) पड़ा था। पूछने पर बताया कि वह डॉक्टर हो गया है। उसके बाद उसके संपर्क में हैलट की एक नर्स आ गई। फिर वह महंगी शराब पीने लगा। उसके बाद ही उसके घर में मारपीट भी बढ़ गई। एक दिन शिवम ने मसाला खाकर वॉश बेसिन मे थूक दिया। विरोध पर उसने कड़े शब्दों में नाराजगी जताई तो उससे कमरा खाली करा लिया।

इसके बाद वह करीब एक साल तक समीप ही राजेंद्र खरे के मकान में रहा। गोलू के अनुसार शिवम बातों का मास्टर और सटोरिया भी है। गूबा गार्डेन में भी उसकी एक गर्लफ्रेंड थी। घर के समीप ही रहने वाले परचून दुकानदार शमशाद ने बताया कि सस्ते पान मसाला खाने वाला अचानक महंगे ब्रॉड का मसाला खाने लगा था। समझ में नहीं आया कि वह अचानक पैसे वाला कैसे बन गया। लोग उसे जालसाज कहने लगे। लोगों ने बताया कि आठ बाई आठ के कमरे में रहने वाला शिवम काणा के पास अब दो फ्लैट और तीन खंड का मकान है।

पुरानी रंजिश में युवक को बेल्ट-डंडों से पीटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जाजमऊ में रंजिश के चलते बाइक सवार आरोपियों ने दुकान पर बैठे युवक को बेल्ट और लाठी डंडों से पीटा। पीड़ित के भाई ने बचाव का प्रयास किया तो उसे भी पीटा। लोगों के एकत्र होने पर आरोपी बाइक छोड़कर भाग निकले। उन्नाव गंगाघाट के सोलह बिगहा निवासी मोहम्मद फराज के अनुसार बीते बुधवार की दोपहर को वह अपने भाई मोहम्मद अर्सलान के साथ जाजमऊ चेक पोस्ट मनोहर नगर स्थित एक मेडिकल स्टोर में बैठे थे। इस दौरान जाजमऊ के मक्कू शहीद का भट्टा निवासी मुदस्सर अपने चार साथियों के साथ दो बाइकों से आया। पीड़ित से रंजिश के चलते अभद्रता कर गाली

गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपियों ने फराज को बेल्ट व लाठी डंडों से पीटना शुरू कर दिया। फराज के भाई ने बीच बचाव करने का प्रयास किया तो उसे भी पीटा। जाजमऊ थाना प्रभारी संजय पांडेय ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज किया गया है। बाइकों को कब्जे में लेकर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

छात्रा के बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में जांच तेज हो गई है। मामले की जांच के लिए गठित आंतरिक शिकायत समिति ने (आईसीसी) ने गुरुवार को पीड़ित छात्रा के बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग की। बताया जा रहा है कि कमेटी के सामने दिए गए बयानों में छात्रा के पहले और अब के बयानों में भिन्नता सामने आ रही है। छात्रा के बयान के आधार पर कमेटी की ओर से उस घटना का सीसीटीवी फुटेज से मिलान भी किया गया। यह भी बताया जा रहा है कि सीसीटीवी फुटेज में उस दिन तीनों छात्रों के एक साथ उपस्थित होने की पुष्टि नहीं हो पा रही है। इससे पहले कमेटी के सदस्यों ने बुधवार को आरोपित छात्रों के साथियों से भी पूछताछ की थी। जांच समिति के करीब 15 सदस्यों की टीम विश्वविद्यालय में जांच कर रही है।

रोडवेज बस चालकों की मनमानी से जाम होता ट्रैफिक

जीटी रोड पर आवागमन का रास्ता रोककर बसें खड़ी करने वाले रोडवेज बस चालकों की मनमानी से ट्रैफिक जाम की समस्या होती है, लेकिन इन बे-लगाम रोडवेज बस चालकों पर ट्रैफिक पुलिस अंकुश नहीं लगा पा रही है। झकरकटी रोडवेज बस प्रबंध तंत्र के अधिकारी भी जीटी रोड पर बसें खड़ी करने वाले बस चालकों पर लगाम लगा पा रहे हैं। झकरकटी अंतर्राज्जीय बस अड्डा के बाहर जीटी रोड पर अफीम कोठी चौराहे के छोर से झकरकटी पुल और टाट मिल चौराहे तक लगभग 2-3 किलोमीटर लम्बा ट्रैफिक जाम लगता है, जिसमें प्रतिदिन राहगीर घंटों जाम में जूझते हैं।

ठेका कर्मी को ईंट-पत्थर से पीटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बाबूपुरवा के बाकरगंज में विवाद पर दबंगों ने घर जा रहे शराब सेल्समैन को रास्ते मे घेरकर बेरहमी से पीट दिया। ईंट-पत्थर से हमला कर घायल किया। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। अजीतगंज निवासी निजामुद्दीन के अनुसार वह टीपीनगर स्थित कंपोजिट अंग्रेजी शराब की दुकान में काम करता है। 29 मार्च की रात अभिषेक चौबे, हिमांशु और शिवा अपने साथियों के साथ दुकान पर आए और मेज साफ करने को लेकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध पर उस समय चले गए, लेकिन रात करीब साढ़े दस बजे घर लौटते समय बाकरगंज के पास उसे रोककर हमला कर दिया और जमकर मारपीट की। शोर सुनकर लोग जुटे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। बाबूपुरवा थाना प्रभारी अरुण कुमार द्विवेदी के अनुसार रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जोखिम में युवा | ऐसी समस्या से निपटने के लिए परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण, आने वाला समय आईक्यू का नहीं बल्कि डीक्यू का होगा

मोबाइल का बेजा इस्तेमाल बिगाड़ रहा मानसिक संतुलन

कार्यालय संवादाता, कानपुर

अमृत विचार। मोबाइल और इंटरनेट का बेजा इस्तेमाल युवाओं की एकाग्रता पर गहरा असर डाल रहा है, जिससे उनका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा है। भविष्य में व्यक्ति की क्षमता का आकलन डिजिटल क्वोशेन्ट (डीक्यू) से किया जाएगा। डीक्यू उसे कहते हैं, जिसमें व्यक्ति के डिजिटल व्यवहार के बारे में पता चलेगा। मोबाइल व इंटरनेट में व्यक्ति कितना समय गुजार रहा है? क्या सर्च कर रहा है? किस कंटेंट में कितना समय दे रहा है? इन बातों से डीक्यू का पता चल सकेगा।

यह बातें छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में आयोजित फाइटिंग डिजिटल एडिक्शन कार्यक्रम में डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहीं। कहा कि डिजिटल युग में तकनीक का संतुलन ही सफलता का पैमाना होगी। डीएम ने कहा कि आईक्यू से काबिलियत परखी जाती थी। अब डिजिटल युग में डीक्यू का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने अटेंशन इकॉनमी का जिक्र करते हुए कहा कि बड़ी तकनीकी कंपनियां लोगों का ध्यान बनाए रखने के लिए मनोविज्ञान और तकनीक का इस्तेमाल कर रही हैं। वैज्ञानिक शोध के आधार पर डीएम ने कहा कि डोपामिन हार्मोन के कारण लोग बार-बार स्क्रीन की ओर आकर्षित होते हैं। यही कारण है कि लोग बिना वजह भी फोन चेक करते रहते हैं। उन्होंने युवाओं को डिजिटल अनुशासन अपनाने की सलाह दी और कहा कि सफल अभ्यर्थियों में मोबाइल से दूरी एक सामान्य आदत रही है। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट सृजन श्रीवास्तव ने कहा कि डिजिटल लत मनोवैज्ञानिक समस्या है। जिसे आत्मनियंत्रण पाकर निपटा जा सकता है। इस अवस्था में परिवार की भूमिका महती साबित होती है। विशेषज्ञों के अनुसार 20 से 40 प्रतिशत युवा इंटरनेट एडिक्शन के जोखिम में हैं।

दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह। अमृत विचार

कैसे पहचानें मोबाइल इडिक्शन

- बार-बार मोबाइल चेक करना
- नींद में कमी
- चिड़चिड़ापन और पढ़ाई में ध्यान न लगना
- घंटों ऑनलाइन रहना
- मोबाइल दूर होने पर बेचैनी
- परिवार और मित्रों के साथ समय कम बिताना
- तनाव या तुलना की भावना बढ़ना
- शौक में रुचि कम होना
- आंखों में जलन, सिरदर्द या गर्दन-पीठ दर्द

सिटी ब्रीफ

जल संरक्षण और उपयोग पर मंथन

कानपुर। सीएसजेएमयू आत्मोदय हॉबी काउंसिल के गार्डेनिंग क्लब द्वारा 'नेशनल अवेयरनेस एंड इनोवेशन समिट' के 'वॉटर सस्टेनेबिलिटी – एवरी ड्रॉप मैटर्स, रीयूज टुडे, सिक्योर टुमॉरो' विषय पर कार्यक्रम हुआ, जिसमें पानी के संरक्षण और पुन: उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन पर व्याख्यान दिए। छात्रों द्वारा तैयार किए गए स्मार्ट इरिगेशन सिस्टम और ग्रे वाटर फिल्ट्रेशन को प्रदर्शित किया गया। आरओ वेस्ट वाटर और एसी के पानी के पुन: उपयोग पर भी चर्चा की गई। फ्लोटा के सीईओ भुवन भाटिया, बर्तन बैंक से नितेश सचान एवं विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने जल संरक्षण को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताते हुए कहा कि छोटे-छोटे प्रयास से बड़े बदलाव ला सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ममता तिवारी ने किया। इसमें क्लब के महासचिव दिव्यांश मिश्र, गार्डनिंग क्लब से दिव्यांश पटेल मौजूद रहे।

4 को होगा आयोजन

कानपुर। दयानन्द वीमेन्स ट्रेनिंग कालेज की ओर से 4 अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरुकता दिवस का आयोजन होगा, जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. आलोक बाजपेई, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, रिजेन्सी हॉस्पिटल एवं कांउसलर, कांउसलिंग सेल, आईआईटी कानपुर, विषय प्रवर्तक रूमा चतुर्वेदी, फाउण्डर डायरेक्टर, पुष्पा खन्ना मेमोरियल सेन्टर फॉर स्पेशल नीड्स चिल्ड्रेन तथा मुख्य अतिथि राधिका स्वरूप, ज्वाइंट सेक्रेटरी, प्रबन्ध समिति, डीडब्ल्यूटी कालेज, कानपुर हैं। कार्यक्रम की संयोजिका प्रो रत्ना गुप्ता, प्राचार्या डीडब्ल्यूटी कालेज कानपुर हैं।

युवाओं का कॅरियर संवारने पर चर्चा

कानपुर। दयानंद गर्ल्स पीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान में 'लचीलापन एवं विकासशील मानसिकता : युवाओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए सशक्त बनाना' विषय पर विशेषज्ञों ने विचार रखे। मुख्य वक्ता डॉ. साधना यादव, सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, जुहारी देवी गर्ल्स पीजी कॉलेज रहीं। उन्होंने व्यक्तित्व विकास, चुनौतियों से उबरने की क्षमता और विकासशील मानसिकता के महत्व पर प्रकाश डाला। आयोजन आईक्यूएसी के अंतर्गत, प्रो. सुगंधा तिवारी के संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम को महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. वंदना निगम तथा निदेशक प्रो. अर्चना वर्मा भी मौजूद रहीं।

सड़कों के चौड़ीकरण से बदलेगी दक्षिण की तस्वीर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के दक्षिण क्षेत्र में दो प्रमुख व्यस्तम सड़कों के चौड़ीकरण से लाखों लोगों को राहत मिलने जा रही है। किदवई नगर चौराहे से बारादेवी होते हुए नन्दलाल चौराहा तक की सड़क पर जल्दी ही सुगम यातायात सुलभ होगा। इस सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य को शासन ने मंजूरी देते हुए ने छह करोड़ 28 लाख रुपये की किस्त जारी की है।

साढ़े तीन किलोमीटर लंबी इस सड़क का चौड़ीकरण करने के लिए कुल 20.96 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हुआ है। पीडब्ल्यूडी ने पहले से ही पूरी योजना बना रखी है। इसी तरह चावला मार्केट चौराहा से परमपुरवा होते हुए हमीरपुर रोड तक नए सिरे से निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

सड़क चौड़ी होने से यातायात सुगम हो जाएगा। प्रतीकात्मक

किदवई नगर चौराहे से बारादेवी होकर नन्दलाल चौराहा मार्ग पर यातायात का दबाव बढ़ रहा है। लोगों को 3.5 किमी की दूरी तय करने में 45 से 50 मिनट समय लग जाता है। सड़क फोरलेन होने के बाद सफर सुगम हो जाएगा। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों के अनुसार 3.5 किमी लंबे इस मार्ग पर प्रति किमी लागत लगभग 5.98 करोड़ रुपये आएगी। चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के बाद यह सड़क आसपास के क्षेत्रों के लोगों को भी राहत प्रदान करेगी। सड़क निर्माण के लिए अतिक्रमण और बिजली के पोल हटाए जाएंगे। इस सड़क पर बारादेवी चौराहा से गोपाल गेस्ट हाउस तक डिवाइडर भी बनाया जाएगा। सड़क के दोनों तरफ दो-दो लेन रहेंगी। चावला मार्केट से परमपुरवा होते हुए हमीरपुर रोड को जाने वाली सड़क भी चौड़ी की जाएगी। चावला मार्केट के आसपास सड़क संकरी होने से अक्सर जाम लगता है। इस सड़क के चौड़ीकरण से दूसरे रास्तों पर पड़ने वाला यातायात दबाव भी कम होगा। इस 2.4 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य पर 12.49 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह मार्ग बनने से न सिर्फ आवागमन सुगम होगा, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी।

- किदवई नगर चौराहा-बारादेवी-नन्दलाल तथा चावला मार्केट-परमपुरवा-हमीरपुर रोड पर मिलेगा सुगम यातायात
- दोनों मार्गों के अधिकतम हिस्से पर डिवाइडर के साथ दोनों तरफ दो लेन मार्ग बनाने की तैयारी अतिक्रमण और पोल हटेंगे

शहर के दक्षिण क्षेत्र में किदवईनगर चौराहा से बारादेवी होते हुए नन्दलाल चौराहे तक 3.5 किमी सड़क का 20.96 करोड़ से तथा चावला मार्केट चौराहा से परमपुरवा होकर हमीरपुर रोड की 2.4 किमी लंबी सड़क का 12.49 करोड़ रुपये से चौड़ीकरण किया जा रहा है, जहां पर्याप्त जगह है, वहां डिवाइडर भी बनाया जाएगा। यह दोनों सड़कें बड़ी संख्या में लोगों को राहत देने के साथ क्षेत्र का तेजी से विकास सुनिश्चित करेंगी।

-रमेश अवस्थी, सांसद।

गुरुवार को बैठक में भाजपा पार्षदों को जिम्मेदारी सौंपी गई। अमृत विचार

घर-घर तक उपलब्धियां बताने पहुंचेंगे भाजपा पार्षद

कानपुर। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कानपुर दक्षिण में बैठक आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह की अगुवाई में हुई बैठक में पार्षदों व पदाधिकारियों शामिल हुए। जिलाध्यक्ष ने कहा कि स्थापना दिवस पार्टी की विचारधारा को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने पार्षदों से घर-घर जाकर केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं—आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला, स्वच्छ भारत मिशन व जनधन योजना—का प्रचार करने को कहा। स्थापना दिवस पर ध्वजारोहण, बूथ कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान आयोजित करने के निर्देश दिए। मीडिया प्रभारी संजीव बेरी ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए भी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। बैठक में गणेश शुक्ला, जसविंदर सिंह, अर्जुन बेरिया व जितेंद्र सचान आदि रहे।

युद्ध से आयात प्रभावित होने और गैस की किल्लत बढ़ने से लोहा और स्टील महंगा

एक माह में बढ़ गए चादर सरिया और एंगल के दाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। युद्ध की वजह से आयात-निर्यात कारोबार प्रभावित होने और गेस किल्लत की वजह से महंगाई अपने पैर पसार रही है। हालात यह है कि अब घर बनाने में इस्तेमाल होने वाला लोहा व अन्य लोहे के उत्पादों के दामों में भारी इजाफा हुआ है। सरिया महंगा होने के चलते आम लोगों को घर बनाने में अपने तय बजट से अधिक खर्च करना होगा। हालात यह है कि एक महीने में सरिया, चादर व ऐंगल सहित अन्य उत्पादों के दामों में इजाफा हो गया है।

लोहे के दामों में 10 से 15 फीसदी तक अलग-अलग उत्पादों में इजाफा हो गया है। उद्यमी इसकी प्रमुख वजह विदेश से आने वाले कच्चे या उत्पादों की सप्लाई चेन टूटने को मान रहे हैं। उनका कहना है कि इस वजह से पिछले एक महीने से लोहे और स्टील से बने उत्पादों के दामों में बढोतरी हुई है। इसके अलावा औद्योगिक गैस की किल्लत को भी इन उत्पादों की महंगे होने का कारण मानकर उद्यमी चल रहे हैं।

उद्यमियों का मानना है कि यदि यह दोनो ही स्थिति और अधिक दिनों तक जारी रही तो लोहे से बने उत्पादों को खरीदने के लिए आम लोगों को और अधिक रुपया खर्चा करना पड़ेगा। लोहे के दामों में पड़ रही महंगाई की मार पर फीटा के महासचिव उमंग अग्रवाल ने बताया कि इस समय स्टेनलेस स्टील और माइल्ड स्टील दोनो के दामों में बढोतरी हुई है। यह असर अचानक हुआ है, बाजार में कई फैक्टर इसके लिए दोषी है। युद्ध के बाद आयात कारोबार प्रभावित होने से यह सबसे अधिक प्रभावित हुआ है।

10 से 15 फीसदी तक लोहे के दामों में अलग-अलग उत्पादों में इजाफा हो गया है

रेट प्रति टन	1 मार्च	1 अप्रैल
सरिया	62 हजार	66 हजार
काली चादर	66 हजार	74 हजार
सफेद चादर	74 हजार	79 हजार
प्रोफाइल चादर	96 हजार	1,20,000
एंगल या चैनल	54 हजार	59 हजार

नोट : रेट मेट्रिक टन के अनुसार

शहर में खाड़ी देशों से आता अधिकांश स्क्रैब

- हर तरह के स्टील के लिए स्क्रैब की जरूरत होती है। शहर में यह स्क्रैब (कबाड़) अधिकतर खाड़ी देशों से आता है। इस स्थिति में कबाड़ आने में बाधा पैदा होने की वजह से इसके उत्पादन पर भी असर पड़ा है। उधर उद्यमियों का यह भी मानना है कि एक्सपोर्ट ड्यूटी बढ़ाए जाने की वजह से भी इसके फाइनल रेट पर महंगाई का असर है।

स्टील की थाली-लोटा और कटोरी भी महंगी

- लोहे के दामों में इजाफा होने से स्टेनलेस स्टील के बर्तन भी बाजार में महंगे हुए हैं। थोक बर्तन बाजार कारोबारियों की माना जाए तो अलग-अलग क्वालिटी के बर्तनों में 5 से 10 फीसदी प्रति किलो के हिसाब से दामों में बढोतरी हुई है। इनमें थाली, लोटे और भारी कटोरी के दाम सबसे अधिक बढ़े हैं। दामों में इजाफा होने के बाद इसका असर इस बार सहालगों में स्टील की टंकियों सहित अन्य बर्तनों की खरीदारी पर पड़ रहा है।

सहालग पर मिलें कॉमर्शियल सिलेंडर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। व्यापारियों ने गुरुवार को गैस किल्लत पर एकजुटता के साथ आक्रोश जताया। इस वक्त बाजार की सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई सुनिश्चित रखने की मांग उठाई। कहा सहालग पर इससे आम लोग भी परेशान हो रहे हैं। इसलिए रेस्टोरेंट ,मिठाई की दुकान व सहालग पर कॉमर्शियल सिलिंडर जरूर मिलना चाहिए। व्यापारियों ने यह भी तय किया कि यदि उन लोगो की मांग नहीं मानी जाती है तो वे लोग लखनऊ जाकर अपनी मांग उठाएंगे।

व्यापारियों ने बाजार में सामने आ रही चुनौतियों पर व्यापारी उद्यमी संवाद समारोह आयोजित किया। गुमटी स्थित एक होटल में हुए इस समारोह में व्यापारियों ने इस संकट के दौर पर एसजीएसटी के सर्वे व छापों पर भी तत्काल रोक लगाए जाने की मांग की है। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की ओर से हुए समारोह में भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश चेयरमैन नटवर गोयल भी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम में भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश चेयरमैन व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री नटवर गोयल ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को प्रदेश सरकार तक पहुंचाकर उनका निदान कराएंगे। स्टेट जीएसटी सहित सभी सरकारी विभागों में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर अमल किया जाएगा। समारोह में प्रमुख रूप से जिला कोषाध्यक्ष विजय गुप्ता गोरे, जिला युवा अध्यक्ष आशीष मिश्र, संयुक्त महामंत्री नवीन तुलसानी ,संजय मिश्र व केके गुप्ता, दक्षिण अध्यक्ष कमल त्रिपाठी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद रहे।

व्यापारी संवाद कार्यक्रम में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र। अमृत विचार

- शहर के व्यापारियों ने जीएसटी के सर्वे और छापों पर रोक लगाने की उठाई आवाज
- व्यापार की गंभीर चुनौतियों को लेकर समारोह में व्यापारियों और उद्यमियों के बीच हुआ संवाद

अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि रेस्टोरेंट ,मिठाई की दुकान व आने वाली सहालग को देखते हुए कॉमर्शियल सिलिंडर उपलब्ध कराए जाएं। जिससे खाने पीने का व्यापार फिर से पटरी पर आ सके और ईरान इजराइल युद्ध की वजह से प्रभावित व्यापार व उद्योग में जीएसटी के सर्वे छापे तत्काल बंद हो। संवाद में भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश चेयरमैन व केके गुप्ता, दक्षिण अध्यक्ष कमल त्रिपाठी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद रहे।

बिजली कटने पर नौबस्ता सबस्टेशन में हंगामा के दौरान मौजूद लोग। अमृत विचार

रिचॉर्ज के बाद भी बिजली कटी लोगों का सब स्टेशन पर हंगामा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केस्को के अधिकारी स्मार्ट मीटर लगाने पर जोर दे रहे हैं, लेकिन यह स्मार्ट मीटर रिचार्ज के बावजूद बंद हो जा रहे हैं और बिजली के बिल भी काफी बढ़े हुए आ रहे हैं। स्मार्ट मीटर की खामियों से नाराज होकर जब सैकड़ों की संख्या में लोग नौबस्ता सबस्टेशन पहुंचे तो आरोप है यहां पर कर्मियों ने अभद्रता की, जिससे नाराज होकर लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया और परिसर में लगे स्मार्ट मीटर हटाने की मांग की। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया।

नौबस्ता स्थित केस्को सबस्टेशन में गुरुवार सुबह सैकड़ों की संख्या में लोग अपने बिजली बिल लेकर पहुंचे, जिसकी वजह से बिल के काउंटर पर लंबी लाइन लग गई। कई लोगों ने बिजली बिल जमा होने के बाद भी काफी देर तक बिजली न आने की जानकारी दी। आरोप है कि शिकायत करने पर कर्मचारियों ने अभद्रता की, जिससे लाइन में लगे लोग भड़क गए और देखते ही देखते तनाव का माहौल हो गया। लोगों का कहना है कि उन्होंने समय से बिल जमा किया और स्मार्ट मीटर में रिचार्ज भी कराया, इसके बावजूद उनके घरों की बिजली काट दी गई, जिससे परिजनों को गर्मी में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, स्मार्ट मीटर लगने के बाद से बिजली बिल पहले से ज्यादा आने लगा हैं, जबकि खपत में कोई खास बदलाव नहीं है और शिकायत करने पर भी सुनवाई नहीं होती।

उपभोक्ताओं ने हंगामा कर स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर लगाने की मांग की। कहा कि रोज-रोज की इस समस्या से वह परेशान हो चुके हैं। वहीं, दादा नगर व केशवपुरम सबस्टेशन में भी लोग शिकायत लेकर पहुंचे। जानकारी गोविंद नगर विधायक सुरेंद्र मैथानी ने लोगों से जानकारी की और उसके बाद केस्को में कॉल कर मामले की शिकायत की। वहीं, पूनम दूबे ने कहा कि बिजली बिल बढ़ा हुआ आ रहा है। शिकायत करने पर सुनवाई भी नहीं हो रही है। नवल प्रताप सिंह ने बताया कि रात से बिजली न आने की वजह से परिजनों को परेशानी हो रही है। चंदा साहू ने बताया कि रिचार्ज करने के बाद भी रुपये अकाउंट में शो नहीं हो रहा है। शिकायत करने पर समस्या का समाधान भी नहीं किया जा रहा है।

बैलेंस निगेटिव होने पर कटी बिजली: एमडी

- केस्को के प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल ने बताया कि जिन सात हजार उपभोक्ताओं का बैलेंस निगेटिव था, गुरुवार सुबह सिर्फ उन उपभोक्ताओं की बिजली कटी। रिचार्ज होने के बाद उनकी आपूर्ति बहाल कर दी गई। जिनका बैलेंस निगेटिव नहीं था, उसकी बिजली वैसे ही सामान्य रूप से संचालित रही। सबस्टेशनों में शिकायत लेकर पहुंचे उपभोक्ताओं को उनके मीटर का अकाउंट नंबर चेक कराया गया तो बैलेंस निगेटिव उन्हें खुद दिखा गया। क्योंकि प्रीपेड स्मार्ट मीटर में अगर बैलेंस निगेटिव होगा तो बिजली अपनेआप कट जाएगी। वहीं, जिन लोगों ने बिल का भुगतान पूरा नहीं किया होगा, उनकी भी बिजली प्रभावित होगी। निगेटिव बैलेंस वाले अब तक 28 हजार उपभोक्ताओं में से 23 हजार उपभोक्ता रिचार्ज करा चुके है, जिनकी आपूर्ति बहाल हो चुकी है।

पीजी छात्रों ने शोध की बारीकियां समझीं

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग ने गुरुवार को फोर्स-2026 का आयोजन फॉग्सी के सहयोग से एलटी-1 में किया। शैक्षणिक कार्यक्रम का उद्देश्य प्रसूति एवं स्त्री रोग के पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थियों को परीक्षा उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान करना रहा। कोलकाता से आए डॉ.आशीष मुखोपाध्याय ने विद्यार्थियों को शोध कार्यों की बारिकियां समझ और परीक्षा की तैयारियों के संबंध में निपुण किया। फॉग्सी की स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ.किरण पाण्डेय ने ओवेरियन कैंसर, लेबर केयर गाइड, एंडोस्कोपिक सर्जरी आदि का प्रशिक्षण किया। विभागाध्यक्ष डॉ.रेनू गुप्ता ने बताया कि प्रसव के समय जरूरी समझ और प्रशिक्षण होना बहुत जरूरी है।

पढ़ाई के साथ स्किल भी सीखेंगे 7 कॉलेजों के छात्र

ऋषभ तिवारी, कानपुर

अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए जिले में अब छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगारपरक कौशल भी सिखाने की तैयारी शुरू हो गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) की पहल पर शहर के सात विद्यालयों में वोकेशनल कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। इनमें राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) और सहायता प्राप्त (एडेड) स्कूल भी शामिल हैं।

इन कोर्सों के तहत प्रत्येक ट्रेड के लिए एक-एक शिक्षक की नियुक्ति की जा रही है, जिससे छात्रों को बेहतर प्रैक्टिकल प्रशिक्षण मिल सके। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को शुरुआती स्तर से ही रोजगार के लिए तैयार करना है। कोर्स पूरा करने के बाद छात्रों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें भविष्य में नौकरी या स्वरोजगार में मदद मिलेगी। वोकेशनल कोर्स में छात्रों को डाटा एंट्री, इलेक्ट्रिशियन, मोबाइल रिपेयरिंग, कंप्यूटर (डीसीए,टैली), फिटर, ब्यूटी पार्लर एवं हेयर स्टाइलिंग, होटल मैनेजमेंट, फैशन डिजाइनिंग, नर्सिंग, पैरामेडिकल, ड्राइविंग और मैकेनिक जैसे विभिन्न ट्रेड्स की ट्रेनिंग दी जाएगी। इससे छात्रों को अपनी रुचि के अनुसार कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2026 से वोकेशनल शिक्षा को अनिवार्य रूप से लागू करने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था शैक्षिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9 और 11 में शुरू की गई है और धीरे-धीरे सभी छात्रों के लिए अनिवार्य की जा रही है। इस पहल के पीछे सरकार का उद्देश्य छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें व्यावहारिक कौशल से लैस करना है, ताकि वे पढ़ाई के साथ ही रोजगार के अवसरों के लिए तैयार हो सकें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

- प्रत्येक ट्रेड के लिए नियुक्त किए जाएंगे एक-एक शिक्षक

वोकेशनल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जिले में चरणबद्ध तरीके से कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य में रोजगार के लिए सक्षम बन सकें। प्रत्येक ट्रेड के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है और चयनित विद्यालयों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कोर्स पूर्ण करने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा, जिससे उन्हें स्वरोजगार और नौकरी दोनों में लाभ मिलेगा।

- संतोष कुमार राय
जिला विद्यालय निरीक्षक

बाजार में भाव कम | सरकार की ओर से 2585 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया समर्थन मूल्य, किसानों से सीधी खरीद

सरकारी खरीद केंद्र में अधिक मिलेंगे गेहूं के दाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शहर में गेहूं की सरकारी खरीद का काम पूरी तेजी से शुरू हो गया है। इस साल प्रशासन ने किसानों की सुविधा के लिए जिले में 67 क्रय केंद्र सक्रिय किए हैं। सरकार ने इस सीजन के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। यह पिछले साल के 2425 रुपये के मुकाबले 160 रुपये अधिक है। वर्तमान में स्थानीय मंडियों में गेहूं का भाव 2450 रुपये के आसपास है, ऐसे में सरकारी केंद्रों पर फसल बेचना किसानों के लिए फायदेमंद साबित हो रहा है। जिले में अब तक 2277 किसान अपना पंजीकरण करा चुके हैं।

किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े, इसके लिए सभी गेहूं क्रय केंद्र रोज सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक खुले रहेंगे। जिला प्रशासन ने इस बार तौल प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया है। सभी केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक कांटे और नमी मापक यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

किसानों के सत्यापन और ई-पॉप मशीनों के जरिए सीधी खरीद की जा रही है। गेहूं की सुरक्षा के लिए नौबस्ता और चंदारी स्थित सरकारी डिपो में भंडारण के भी पुख्ता इंतजाम हैं।

67 केंद्रों पर जिले में शुरू हुई गेहूं की खरीद

09 बजे सुबह से सायं 6 बजे तक हो रही है तौल

15 जून तक चलेगी गेहूं खरीदने की प्रक्रिया

2277 किसान करा चुके अब तक पंजीकरण

67 केंद्रों पर तैनात सभी टीमों को मुस्तैद कर दिया गया है। बोरों की कोई कमी नहीं है। परिवहन ठेकेदारों के माध्यम से अनाज का उठान भी समय पर सुनिश्चित किया जा रहा है। किसान भाई अपना पंजीकरण और सत्यापन जल्द पूरा करा लें, ताकि उन्हें अपनी मेहनत का सही दाम तुरंत मिल सके।

- अजय विक्रम सिंह, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी।

जनपद के सभी केंद्रों पर गेहूं खरीद की निगरानी की जा रही है। हमारा लक्ष्य है कि 15 जून तक चलने वाली इस प्रक्रिया में एक भी पात्र किसान छूटने न पाए। केंद्रों पर छाया और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के सख्त निर्देश दिए गए हैं। किसान भाई सीधे केंद्रों पर आएं, किसी बिचौलिये की जरूरत नहीं है।

- जितेंद्र प्रताप सिंह
जिलाधिकारी

सिटी ब्रीफ

सुंदरकांड पाठ से गूंजा हटिया रज्जन पार्क

कानपुर। हनुमान जन्मोत्सव पर हटिया के रज्जन पार्क में होली मेला महोत्सव कमेटी द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। शुभारंभ कमेटी के महामंत्री विनय सिंह ने आरती के साथ किया। हनुमान चालीसा पाठ के साथ सुंदरकांड का पाठ हुआ। गायक पंडित विद्यासागर दुबे ने भजनों से हनुमानजी की शक्ति, बुद्धिमत्ता और प्रभु श्रीराम के प्रति भक्ति का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि सुंदरकांड केवल लंका यात्रा और माता सीता की खोज का वर्णन नहीं, बल्कि जीवन के संघर्षों में साहस, धैर्य और विश्वास बनाए रखने का संदेश भी देता है। यहां श्रद्धालु भक्तिभाव में डूबे नजर आए और पूरे वातावरण में भक्ति रस की गूंज रही। कार्यक्रम में अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र कुमार विश्नोई, महामंत्री विनय सिंह, संतोष बाजपेयी, दीपक गुप्ता, ऋषि तिवारी, रोहित बाजपेयी, कमल सविता, कृतक तिवारी, सुशील सिंह सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भंडारों में पूड़ी-सब्जी और बूंदी का प्रसाद

कानपुर। शहर के अन्य मंदिरों में भी भव्य सजावट के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। जगह-जगह श्रद्धालुओं और सामाजिक संस्थाओं द्वारा भंडारों में पूड़ी-सब्जी, हलवा और अन्य प्रसाद वितरित किया गया। पूरे दिन शहर में आस्था, उत्साह और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। जन्मोत्सव पर श्रद्धालुओं ने हनुमान जी से सुख-समृद्धि, शांति और मंगल की कामना की।

कास्को जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप आज से

कानपुर। प्रथम कास्को कानपुर जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन तीन से पांच अप्रैल तक ग्रीन पार्क स्टेडियम में किया जाएगा। प्रतियोगिता के आधार पर ही राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। प्रतियोगिता में अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग में बालक और बालिका वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेकर स्टेट चैंपियनशिप का टिकट हासिल करने उतरेंगे। प्रतियोगिता में होने वाले परिणाम का आनलाइन वेबसाइट पर प्रसारित किए जाएंगे। शुक्रवार को प्रतियोगिता का उद्घाटन क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी कर्मवीर सिंह खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर करेंगे।

ब्लैक बेल्ट परीक्षा में दिखाया दमखम

कानपुर। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में राजाजीपुरम में ब्लैक बेल्ट परीक्षा आयोजित की गई। इसमें सर पदमपत सिंहानिया एजुकेशन सेंटर के काव्यांशी, उत्कर्षी, पार्थ, मनन, आरव सहित कई खिलाड़ियों ने सफलता हासिल की। जीएनके, आर्चीज और डिफेंस ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विभिन्न स्कूलों और संस्थानों के प्रतिभागियों ने अलग-अलग ग्रेड में बेल्ट प्राप्त की। सफल खिलाड़ियों को कानपुर ताइक्वांडो एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बधाई दी।

सप्रू मैदान पर अंडर-19 खिलाड़ियों का ट्रायल

कानपुर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसियेशन (सत्र 2026-27) के तहत अंडर-19 खिलाड़ियों का ट्रायल मैच गुरुवार को सप्रू मैदान में हुआ। इसमें टीम ए और टीम बी के बीच हुए मैच खेला गया। इस मुकाबले में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। बल्लेबाजी में आशुतोष पाण्डे, शुभम यादव, शौर्य शिव शंकर और आर्यन साहू ने आकर्षक पारियां खेलकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वहीं गेंदबाजी में कार्तिकेय मिश्रा, शौर्यदीप पाण्डे, आयुष शुक्ला और सुधीर कुमार ने प्रभावी गेंदबाजी कर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। यह जानकारी कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव कौशल कुमार सिंह ने दी।

वीके ग्रुप ने वी वारियर्स को छह विकेट से हराया

कानपुर। जेसीआई कानपुर प्रीमियर लीग (जेकेपीएल) सीजन-6 के फाइनल में वीके ग्रुप ने वी वारियर्स को छह विकेट से पराजित किया। कैंट स्थित कानपुर क्लब में खेले गए फाइनल मैच में वी वारियर्स ने 12.4 ओवर में 152 रन बनाए। टीम से विनीत रस्तोगी ने 39 रन व रुपिका ने 21 रन बनाए, तो गेंदबाजी में केशव ने तीन, गौरव ने दो व डॉ. विनीत और ऋषि ने एक-एक को आउट किया। जवाब में वीके ग्रुप ने 12.2 ओवर में चार विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीता। जीत में डॉ. विनीत रस्तोगी ने 35 रन व विशाल गुप्ता ने 30 रन बनाए, तो गेंदबाजी में मयंक अग्रवाल ने तीन को आउट किया। प्लेयर ऑफ द मैच डॉ. विनीत रस्तोगी को चुना गया।

हनुमान जन्मोत्सव पर पनकी के हनुमान मंदिर में दर्शन के लिए भोर पहर से देर रात तक कतार लगी रही। अमृत विचार

माला पहनाते महंत कृष्णदास।

मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ चलता रहा। अमृत विचार

हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिरों में उमड़ी आस्था

पनकी मंदिर में 151 किलो लड्डू का भोग लगाकर काटा गया केक, शहर के सभी मंदिरों में दिन भर गूंजते रहे जयकारे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर गुरुवार को शहर पूरी तरह भक्ति और आस्था के रंग में रंगा नजर आया। शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पनकी मंदिर, दक्षिणेश्वर मंदिर (जीटी रोड) और कमला टॉवर स्थित सालासर बालाजी हनुमान मंदिर समेत विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजन, सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा और भजन संध्या का आयोजन किया गया।

गुरुवार की सुबह करीब चार बजे से ही मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। जैसे ही मंदिरों के कपाट खुले, भक्तों ने "जय श्री राम" और "जय हनुमान" के जयघोष के साथ प्रभु के दर्शन किए। पनकी मंदिर में विशेष रूप से अत्यधिक भीड़ देखने को मिली, जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। पनकी मंदिर में प्रातः साढ़े पांच बजे मंगला आरती के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत हुई।

इसके बाद पंचामृत से भगवान हनुमान का अभिषेक किया गया। सिंदूर और गाय के घी से प्रभु को चोला चढ़ाया गया, जिसने श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित किया। मंदिर में 151 किलो लड्डू का भोग लगाया गया, जिसे बाद में प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। दिनभर मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजनों का क्रम जारी रहा। दोपहर में सुंदरकांड का सामूहिक पाठ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जन्मोत्सव की शाम पनकी मंदिर में विशेष आयोजन के तहत मिल्क केक काटाकर भगवान का जन्मदिन मनाया गया। जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। देर रात तक मंदिर के कपाट खुले रहे और श्रद्धालु लगातार दर्शन-पूजन करते रहे।

कलक्टरगंज के मंदिर में आरती करते श्रद्धालु। अमृत विचार

हनुमान जी का शृंगार किया

कलक्टरगंज के प्राचीन बजरंगबली मंदिर में प्रातः से ही पूजन- अर्चन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही। हवन के पश्चात श्रद्धालुओं को मंदिर प्रमुख सोमदत्त अग्निहोत्री ने प्रसाद वितरित किया। हनुमान जी का शृंगार किया गया। इस अवसर मधुवन बिहारी गुप्ता, अशोक केसरवानी, सुरेंद्र यादव, विकास यादव, ऋषभ गुप्ता, प्रज्वल अग्निहोत्री, संकल्प गुप्ता, अनुराग बाजपेई, अमरेंद्र पांडे, संजय अग्निहोत्री, रवि अग्निहोत्री, संतोष शुक्ला, पार्थ अग्निहोत्री, वेद प्रकाश अग्निहोत्री मौजूद रहे।

सिंहपुर दिवनी के आश्रम में हवन करते श्रद्धालु। अमृत विचार

राष्ट्र के कल्याण के लिए हवनकुंड में आहुतियां

कानपुर। श्री पंचमुखी हनुमान आश्रम सिंहपुर दिवनी में भारत राष्ट्र की समृद्धि और श्रद्धालुओं के कल्याण के लिए हनुमान जी का पूजन अर्चन किया गया। आश्रम प्रमुख दिनेश शंकर तिवारी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हनुमान जी का शृंगार किया। हवन में श्रद्धालुओं के साथ आहुति प्रदान की। भक्तों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर संदीप तिवारी, प्रदीप तिवारी, योगेश, रामकुमार, रावेन्द्र सिंह, सोनू, ब्रजेश आदि लोग मौजूद रहे।

दक्षिणेश्वर मंदिर में सुंदरकांड का पाठ

कानपुर। दक्षिणेश्वर मंदिर (जीटी रोड) और सालासर बालाजी हनुमान मंदिर (कमला टॉवर) में भी भव्य हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन हुआ। मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सुबह से ही दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं और पूरा परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया। श्रद्धालुओं ने हनुमान जी को बूंदी और बेसन के लड्डू अर्पित कर जन्मोत्सव मनाया। भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिससे उत्सव का माहौल रहा।

शकुंतला शक्तिपीठ में भक्ति का उल्लास

कानपुर। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर गुरुवार को धूनी ध्यान केंद्र स्थित शकुंतला शक्तिपीठ में श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। पंचमुखी हनुमान मंदिर में दूध, दही, शहद, शक्कर और गंगाजल से हनुमान जी का अभिषेक किया गया। जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। अभिषेक के पश्चात धूपदीप, तुलसी पत्र, कमल गुलाब आदि से शृंगार किया गया। शृंगार के बाद श्रद्धालुओं द्वारा संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, जिसमें भक्ति गीतों की मधुर धुनों ने वातावरण को और भी आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर हनुमान जी से सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर डॉ. आचार्य अमरेश मिश्र, सुनीता तिवारी, अवधेश वाजपेई, मंजू, ऋचा मिश्रा सहित अन्य भक्तगण मौजूद रहे।

शोभायात्रा में भक्ति भाव से झूमे श्रद्धालु

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कठेरुआ के कष्टभंजन हनुमंत सिद्ध धाम में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

अमृत विचार। बिधनू क्षेत्र के कठेरुआ स्थित कष्टभंजन हनुमंत सिद्ध धाम में गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का भव्य शुभारंभ हुआ।

कथा के पहले दिन कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें महिलाओं और कन्याओं ने सिर पर कलश रखकर भ्रमण किया। बैंड-बाजे और ढोल-नगाड़ों की धुन पर भक्त झूमते नजर आए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कथा के पहले दिन कथावाचक मलूकपीठाधीश्वर राजेंद्र दास देवाचार्य महाराज के शिष्य चन्द्रेश महाराज चन्द्रदास ने हनुमान जन्मोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हनुमान जी की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया। इसके पश्चात उन्होंने श्रीमद्भागवत महात्म्य की कथा सुनाई, जिसमें ज्ञान, वैराग्य और भक्ति के महत्व को विस्तार से समझाया। साथ ही धुंधकारी प्रेत की मुक्ति कथा एवं सप्ताह विधि का भी वर्णन किया।

महाराज ने कहा कि सच्चा बुद्धिमान वही है, जो ज्ञान की बातों को अपने जीवन में उतारता है। महापुरुषों के उपदेशों का पालन करने से मनुष्य को परम सुख और सत्य के मार्ग की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है और इसी में भगवान की भक्ति कर मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर अरविंद शुक्ल, सुमन शुक्ला, अजय द्विवेदी, गुड़िया द्विवेदी, गुड्डी शुक्ला, आचार्य संजीव द्विवेदी, बिहारी महाराज, विद्यानंद पांडेय, सिद्धार्थ तिवारी, दिलीप तिवारी आदि उपस्थित रहे।

कलश शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु। अमृत विचार

टीएसएच में जूडो का अभ्यास करते बच्चे। अमृत विचार

टीएसएच में 255 बच्चों का चयन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- फिटनेस, व्यवहार और खेल कौशल के आधार पर आठवें बैच में किया गया चयन

अमृत विचार। नगर निगम और स्मार्ट सिटी के सहयोग से आर्यनगर स्थित टीएसएच (द स्पोर्ट्स हब) में आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) वर्ग के बच्चों के लिए स्पोर्ट्स प्रमोशन स्कॉलरशिप/सब्सिडी योजना के आठवें बैच का चयन गुरुवार को ट्रायल के बाद हुआ। ट्रायल में कुल 255 बच्चों ने भाग लिया।

सुबह 7 बजे से शुरू हुई चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए समन्वय समिति मौजूद रही। सदस्यों में जगदीश यादव, मुकेश कुमार वर्मा, अमित यादव, संजीव पाठक, डॉ. देवेश दुबे और राजीव गर्ग—मौके पर रहे। ट्रायल के दौरान अभ्यर्थियों का पहले शारीरिक फिटनेस और एप्टीट्यूड टेस्ट पांच-पांच के समूह में कराया गया। इसके बाद उनका व्यक्तिगत कौशल देखा गया।

आयोजन समिति के अनुसार इस योजना के तहत अब तक सात बैचों में 1734 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आठवां बैच 6 अप्रैल से शुरू होगा। चयनित बच्चों को टीएसएच में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं के साथ निःशुल्क खेल प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे अपनी प्रतिभा को निखारकर खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें।

अथर्व मिश्रा, शरद मैसी, जाह्नवी शर्मा बने विजेता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। क्राइस्ट चर्च कॉलेज में युवा सांस्कृतिक उत्सव 'अभिव्यक्ति' का ग्रैंड फिनाले गुरुवार को आयोजित हुआ। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं ने प्रतिभा दिखाई। फाइनर राउंड में अथर्व मिश्रा, शरद मैसी, जाह्नवी शर्मा सहित अन्य प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया।

शुरुआत सह-पाठ्यक्रम कार्यक्रम समिति की समन्वयक प्रो. शालिनी कपूर ने की। सह-समन्वयक प्रो. विभा दीक्षित भी इस दौरान मौजूद रहीं। कॉलेज के प्राचार्य एवं संरक्षक प्रो. विनय जे. सेबेस्टियन ने युवाओं को प्रतिभा का जीवन में महत्व बताया। निर्णायक मंडल में संगीत एवं नृत्य विशेषज्ञ अमित भट्ट एवं अमित ने युवाओं की प्रतिभा को परखा। कार्यक्रम की शुरुआत विभिन्न नृत्य प्रस्तुतियों से हुई। जिनमें कथक, लोक, कंटेम्पररी और हिप-हॉप जैसी शैलियों का प्रदर्शन किया गया। 16 प्रतिभागियों तन्वी, चेहक, अक्षत, उर्वशी सहित अन्य ने नृत्य के जरिए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दो समूह नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में और भी रंग भर दिए। इसके बाद गायन प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों ने सूफी से लेकर बॉलीवुड गीतों तक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन एक ग्रुप बैंड द्वारा गायक केके को समर्पित भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ हुआ। इस दौरान डॉ. स्वेता चंद, डॉ. संजय सक्सेना, डॉ. अनिंदिता, डॉ. मनीषी, डॉ. अर्चना, डॉ. प्रवीण सिंह सहित अनेक प्राध्यापक उपस्थित रहे। विजेताओं में नृत्य प्रतियोगिता क्लासिकल प्रस्तुतियों में भूमि, उर्वशी, तनवी तथा पाश्चात्य में कबीर, अक्षत, चहक को पुरस्कृत किया गया। इसी तरह सांत्वना पुरस्कार ब्रजेश, साक्षी, तनिष्का को मिला। उधर गायन प्रतियोगिता के विजेताओं में अथर्व मिश्रा, शरद मैसी, जाह्नवी शर्मा रहे। सांत्वना पुरस्कार उमर एवं अली को मिला।

क्राइस्ट चर्च कॉलेज के अभिव्यक्ति कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों के साथ प्रोफेसर। अमृत विचार

- क्राइस्ट चर्च कॉलेज में 'अभिव्यक्ति' कार्यक्रम में दिखाई अपनी प्रतिभा

यशराज व ग्रेजुएट क्लब ने जीते मैच

कार्यालय संवादाता, कानपुर

- कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से केडीएमए क्रिकेट लीग

अमृत विचार। कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित केडीएमए क्रिकेट लीग में गुरुवार को बल्लेबाजों का बोलबाला रहा। आर्यन सिंह सेंगर, अनमोल यादव, बिलाल फिरोज और आर्यन सिंह के शतकों की मदद से उनकी टीमों ने जीत दर्ज की।

राम लखन भट्ट मैदान पर खेले गए मैच में यशराज क्लब ने बीवीएस क्रिकेट क्लब को 95 रनों से शिकस्त दी। यशराज क्लब ने 40 ओवरों में 2 विकेट पर 246 रन बनाए। आर्यन सिंह सेंगर ने शानदार नाबाद 124 रन बनाए, जबकि अयमान पठान ने 62 रनों का योगदान दिया। वहीं, बीवीएस क्लब लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी टीम 34 ओवरों में 151 रनों पर सिमट गई। मनन चतुर्वेदी ने 4 और समीर सिंह ने 3 विकेट झटके। पीएसी मैदान पर ग्रेजुएट क्लब ने भारत क्लब को 188 रनों से हराया।

आर्यन सेंगर ने कमाल दिखाया।

ग्रेजुएट क्लब के अनमोल यादव (128 रन) और बिलाल फिरोज (118 रन) के शतक की मदद से टीम ने 5 विकेट पर 311 रनों का स्कोर खड़ा किया।

दबाव में भारत क्लब की टीम महज 123 रनों पर ऑल आउट हो गई। शिवम शुक्ला ने 39 रन देकर 4 विकेट लिए। गीता देवी-मण्टोरा मैदान पर सोनेट क्लब ने बीसीए को आसानी से हरा दिया। बीसीए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 36 ओवरों में 9 विकेट पर 193 रन बनाए। दीपांशु केसरी ने 3 विकेट लिए। सोनेट क्लब के आर्यन सिंह के नाबाद 119 रन और सुयश सिंह के 52 रनों की बदौलत सोनेट क्लब ने केवल 1 विकेट खोकर 34.5 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया।

कानपुर साउथ-ए मैदान पर खेले गए मैच में ओलम्पिक रजि. ने केडीएमए को 2 विकेट से मात दी। केडीएमए आदर्श सिंह (89 रन) और सुधांशु चौरसिया (80 रन) की पारियों के दम पर 7 विकेट पर 306 रन बनाए। आदित्य दीक्षित ने 4 विकेट लिए। ओलम्पिक रजि के शिवेन्द्र पाल (68), आशीष चतुर्वेदी (63) और प्रबल केसरवानी (53) के अर्धशतकों की मदद से टीम ने 39.3 ओवरों में 8 विकेट खोकर जीत दर्ज की। केडीएमए की ओर से सौरभ सिंह ने 4 विकेट लिए।

मौंडी थर्सडे — भक्ति गीतों और प्रभु भोज के साथ पांव धोने की परंपरा निभाई गई

चर्चों में आराधना, प्रेम और सेवा का संदेश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पवित्र गुरुवार (मौंडी थर्सडे/फसह) के अवसर पर शहर के विभिन्न चर्चों में विशेष आराधना सभाओं का आयोजन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों के माध्यम से प्रभु यीशु का गुणगान किया और प्रभु भोज, पांव धोने की परंपरा सहित विनम्रता, प्रेम और सेवा का संदेश ग्रहण किया। धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में मसीह समाज के लोग शामिल हुए और आपसी भाईचारे व मानवता के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

पांडु नगर स्थित चर्च ऑफ क्राइस्ट में फसह गुरुवार के अवसर पर प्रभु यीशु के अंतिम प्रभु भोज का आयोजन श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पांव धोने की रस्म से हुई, जिसमें प्रभु यीशु की सेवा और विनम्रता का संदेश दिया गया। चर्च के प्रधान याजक सैमुअल सिंह ने याजकों के पांव धोकर इस परंपरा का निर्वहन किया और वचन के माध्यम से प्रभु भोज के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान राजू शर्मा, नौसिक जार्ज, ब्रदर डेनियल सिंह, ब्रदर मनोज, फ्रांसिस, बहन रीना सिंह और अंकिता सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

न्यू लाइफ चर्च में "यीशु सलीब पर मुआ तेरे लिए" व "यीशु ने अपना खून बहा के मुझे बचा लिया" जैसे भक्ति गीतों के माध्यम से प्रभु की महिमा का गुणगान किया गया। पास्टर डायमंड युसूफ ने संदेश देते हुए कहा कि यह दिन यीशु की विनम्रता, सेवा और प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने शिष्यों के पैर धोने की परंपरा का उल्लेख करते हुए आपसी प्रेम व सेवा का संदेश दिया। सभा में राहुल जेम्स, पादरी विमलेश गुप्ता, अंजना युसूफ सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे। इधर, द गुड शैफर्ड चर्च में विशेष आराधना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना से हुई, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों के माध्यम से प्रभु यीशु का गुणगान किया। बिशप पंकज राज मलिक ने बाइबल का संदेश देते हुए कहा कि यीशु मसीह ने शिष्यों के पैर धोकर विनम्रता और सेवा का आदर्श प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी को प्रेम, समानता और भाईचारे के साथ जीवन जीने का संदेश दिया। यहां बहन अनुपमा मलिक, पादरी सत्येन्द्र श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

यीशु मसीह के रूप में अपने शिष्यों के पैर धोये। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

मिट्टी खोदते समय टीला दरका, दबने से कुम्हार की मौत

उन्नाव, अमृत विचार : हसनगंज कोतवाली अंतर्गत मोहान कस्बा के वार्ड-10 के कटरा मोहल्ला निवासी विजय (30) पुत्र रामचंद्र प्रजापति ऑटो चलाने के साथ मिट्टी के बर्तन बनाने के पैतृक कार्य में परिजनों का हाथ बंटाता था। गुरुवार सुबह वह चाक के लिए ऑटो से मिट्टी खोदने मोहल्ले के बाहर निबहरा तालाब गया था। जहां टीला दरकने से वह उसके नीचे दब गया। वापस न लौटने पर तलाश करने के बाद भाई अजय ने पुलिस को इसकी सूचना दी। हाइड्रा से मिट्टी हटाने पर विजय का शव वहां पड़ा देख परिजनों में चीखपुकार मच गई। पति की मौत से पत्नी मोनी बेहाल हो गई। भाई अजय व अनुज आदि परिजन बेहाल रहे। कोतवाल शरद चंद्र ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रथम दृष्टया मिट्टी में दबने से युवक की मौत होने की बात सामने आई है।

फंदे से लटकी किशोरी परिजनों ने बीमारी से मौत होने की कही बात

बीघापुर उन्नाव, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव बिसेनमऊ निवासी अन्नू देवी (17) पुत्री कौशल सिंह गुरुवार दोपहर घर के कमरे में फंदे से लटक गई। मां सोनी उसे 100 शैय्या अस्पताल लेकर पहुंची। जहां डॉक्टर पूनम गुप्ता ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डाक्टर ने बताया कि गले के निशान से हैंगिंग से किशोरी की मौत होना प्रतीत हो रहा है। मेमो बनाकर कोतवाली भेजा गया है। वहीं कोतवाली प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि परिजनों ने किशोरी की मौत बीमारी से होने की बात कही है।

हनुमान जन्मोत्सव पर जिले के बालाजी मंदिरों में हुआ हवन-पूजन

सिविल लाइंस स्थित श्री बालाजी मंदिर में चल रहे धार्मिक अनुष्ठान का हुआ समापन

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: शहर के सिविल लाइंस स्थित श्री बालाजी मंदिर में हनुमान जयंती पर आयोजित 4 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का समापन कन्याभोज व भंडारे के साथ हुआ। इसके अंतिम दिन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। जिसमें भक्तों ने भी माथा टेका।

धार्मिक उत्सव के समापन पर सदर विधायक पंकज गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, जिला पंचायत प्रतिनिधि शशांक शेखर शनी, भाजपा नेता विमल द्विवेदी, नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि प्रवीण भानू मिश्रा, बार एसोसिएशन अध्यक्ष गिरीश मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष सतीश शुक्ला ने भी माथा टेककर आर्शिवाद लिया। गुरुवार को विधिविधान से आरती व पूजन के साथ कार्यक्रम का श्रीगणेश हुआ। इसके बाद कन्यापूजन हुआ। मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष महंत गोपाल कृष्ण त्रिपाठी ने बताया कि ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति की सेवा भावना को जीवंत रखते हैं। कहा कि कन्या पूजन व भंडारा केवल परंपरा नहीं बल्कि समाज में समरसता व एकजुटता लाने का एक माध्यम है। इसमें एसपी जय प्रकाश सिंह, एएसपी अखिलेश सिंह व सिटी मजिस्ट्रेट ने भी मंदिर पहुंचकर सुरक्षा व व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बड़े हनुमान मंदिर में आरती करते पुजारी। हनुमान जयंती पर होता भंडारा। ● अमृत विचार

बड़े हनुमान मंदिर में धूमधाम से मना जन्मोत्सव

शहर के मोहल्ला जगन्नाथगंज स्थित प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती हर्षोल्लास व श्रद्धा के साथ मनी। इसमें बजरंगबली का भव्य श्रृंगार किया गया और विशेष पूजन-अर्चन हुआ। हनुमान जयंती पर मंदिर प्रशासन द्वारा बाबा का विशेष 'अष्टयाम' श्रृंगार किया गया। प्रभु को नए वस्त्र, आभूषणों व फूलों के बंगले से सजाया गया। अलौकिक छवि के दर्शन पाकर भक्त निहाल हो गए। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों व झंडियों से भव्य रूप दिया गया था। गुरुवार सुबह आरती के साथ मंदिर के द्वार भक्तों के लिए खोल दिए गए। जय श्री राम व जय हनुमान के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। दिन चढ़ने के साथ श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती गई। भक्तों ने सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का पाठ कर मंगल कामना की।

संकट मोचन हनुमान मंदिर में बाबा का हुआ श्रृंगार। ● अमृत विचार

मंदिरों में गूंजे जयकारे

सफीपुर में शंकरी देवी हनुमान मंदिर सलींद रोड स्थित लालेश्वर बालाजी मंदिर, मेंहदी खेड़ा के गंदा नाला समीप हनुमान मंदिर व दुबियाना स्थित हनुमान मंदिर में जन्मोत्सव पर विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। मंदिरों में हनुमान जी का भव्य श्रृंगार कर पूजन-अर्चन किया गया। पूजन के बाद हुए भंडारों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। पूरे दिन मंदिरों में भक्ति गीतों व जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रमों के सफल आयोजन में जगन्नाथ सविता, वीरेंद्र मिश्र, सुनील चौरसिया, ओमप्रकाश द्विवेदी, अमित कुशवाहा, नीरज सैनी, आशीष कन्नौजिया आदि का विशेष सहयोग रहा।

मंदिरों में हुआ भव्य श्रृंगार बांटा गया प्रसाद

शुक्लागंज में हनुमान जन्मोत्सव पर नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के हनुमान मंदिरों में बाबा का भव्य श्रृंगार व सुंदरकांड का पाठ हुआ। जगह-जगह बंट रहे प्रसाद को लोगों ने चखा। शाम को सभी हनुमान मंदिरों में बाबा की आरती की गई।

गुरुवार को सुंदरकांड की चौपाई के साथ श्री हनुमान जी के जन्मोत्सव पर गुणगान हुआ। ऋषि आश्रम में बाबा के भव्य श्रृंगार के साथ सुंदरकांड का आयोजन भी हुआ। वहीं बाला जी मंदिर में श्रृंगार कर प्रसाद वितरण किया गया। राजमार्ग स्थित अशोक वाटिका मंदिर में भव्य श्रृंगार व प्रसाद वितरण हुआ। पोनी रोड तिराहा स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ के साथ बाबा की भव्य झांकी सजाकर प्रसाद वितरण हुआ। इसमें पर सोनू सैनी, अर्जुन साहू, विशाल गुप्ता आदि रहे। वहीं राजमार्ग स्थित श्री दुर्गा मंदिर में सुंदरकांड हुआ। इसके बाद बाबा को चोला चढ़ाकर श्रृंगार किया गया। इस दौरान प्रसाद वितरण भी हुआ। वहीं, नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के हनुमान मंदिरों में भव्य श्रृंगार कर बाबा को चोला चढ़ाया गया। कई जगह भंडारे में शर्बत बांटा गया। पिपरी स्थित बड़े हनुमान मंदिर में बाबा का श्रृंगार कर प्रसाद बांटा गया।

नमामि गंगे घाट पर हुआ सुंदरकांड पाठ

नित्य गंगा आरती सेवा समिति के तत्वावधान में शाम को हनुमान जन्मोत्सव पर सुंदरकांड पाठ हुआ। समिति सदस्यों के अलावा गंगाभक्त व नगर के विभिन्न क्षेत्र से आये भक्तों ने संदरकांड चौपाई का श्रवण कर अपने को कृतार्थ किया। जहां शिल्पी राकेश दीक्षित, शिवराम राजपूत के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

चैत्र मास की पूर्णमासी पर हुई चैतवर मेले की शुरुआत

नवाबगंज, उन्नाव : कस्बे के पैराणिक दुर्गा माता मंदिर के पास चैत्र मास की पूर्णमासी पर लगने वाले चैतवर मेले का शुभारंभ गुरुवार भोरपहर माता के जयकारों से हुआ। इसकी तैयारियों में लगी मेला कमेटी ने मेला परिसर को लाइटों, गुब्बारों व माता की झंडियों से सजाया। शाम को निकली माता की ज्योति में हजारों मेलार्थियों का तांता दर्शन के लिए लगा रहा। बता दें कि हर वर्ष चैत्र मास की पूर्णमासी को नवाबगंज कस्बे के पछियांव मोहल्ला स्थित पौराणिक दुर्गा माता मंदिर में लगने वाले मेले की शुरुआत गुरुवार भोरपहर लखनऊ, कानपुर व उन्नाव सहित अन्य जिलों से आने वाले हजारों मेलार्थियों द्वारा माता के जयकारों के साथ हुई। मेला कमेटी द्वारा मेला परिसर को लाइटों, गुब्बारो व माता की झंडियों से सजाया गया। पहले दिन दुर्गा माता व कुशहरी माता का भव्य श्रंगार कर आरती हुई। इसके बाद समिति के तत्वावधान में राधा-कृष्ण व दुर्गा माता की सजीव झाकियों के साथ हाथी, घोड़े व ऊंट के साथ ज्योति शाम को मेला परिसर से होती हुई कुसुम्भी गांव की नहर तक गई। जहां कुशहरी देवी मंदिर से आई ज्योति से अदला बदली कर वापस मंदिरों में स्थापित की गई। इसमें कोच अजय सिंह के साथ एनसीसी कैडेट्स भी साथ रहे। इस दौरान विधायक बृजेश रावत, नगर पंचायत अध्यक्ष दिलीप लश्करी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रवि प्रताप सिंह, राजेंद्र द्विवेदी, सुशील श्रीवास्तव, पुजारी आशु सिंह, मोनू सिंह, गौरव सिंह, मेला कमेटी से विजय श्रीवास्तव, सोनू दीक्षित, रोहित गुप्ता, अंकित राठौर, पंकज विश्वकर्मा आदि रहे। वहीं अजगैन कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह व चौकी इंचार्ज मुकुल दुबे यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के लिये फोर्स के साथ मौजूद रहे।

मेले की शुरुआत के दौरान मौजूद विधायक व अन्य।

चैत्र पूर्णमासी पर गंगा स्नान को उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

शुक्लागंज, उन्नाव : चैत्र पूर्णमासी पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की गंगातटों पर भीड़ देखने को मिली। जहां श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। इसके साथ तट पर भगवान सत्यनारायण की कथा का भी श्रवण किया। वहीं तट पर लगी दुकानों पर जमकर खरीददारी भी की। चैत्र पूर्णमासी होने से गुरुवार सुबह से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान किया और नगर के सभी घाटों पर खासी भीड़ देखी गई। कुछ श्रद्धालुओं ने गंगातट पर बैठे पंडों को दान दक्षिणा देने के साथ सत्य नारायन की कथा भी सुनी। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने गंगातट पर लगी दुकानों से खरीददारी की। गंगा तट पर सुबह से दोपहर तक श्रद्धालु स्नान करते रहे। आचार्यों ने कहा कि चैत्र पूर्णिमा पर हनुमान जी का जन्म हुआ था। इसलिए इसका विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान श्री हनुमान प्रभु श्री राम के सहयोग के लिए धरती पर जन्मे थे। यह भी मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की पूजा करने से हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है। अगर आप इस दिन चैत्र पूर्णिमा का व्रत रख रहे हैं तो इस पौराणिक कथा का श्रवण करना शुभ होता है।

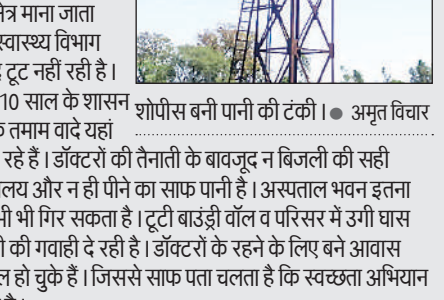

पूर्णमासी पर गंगा स्नान करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

गैस के लिए भड़का गुस्सा, इंडेन एजेंसी पर तीसरे दिन भी हंगामा

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर गुरुवार को एक बार फिर राजमार्ग स्थित इंडेन गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं का गुस्सा फूटा। कई दिनों से सिलेंडर न मिलने से परेशान लोगों ने एजेंसी के बाहर जमकर हंगामा किया और नारेबाजी कर विरोध जताया।

उपभोक्ताओं का आरोप था कि ऑनलाइन बुकिंग के बावजूद समय पर गैस उपलब्ध नहीं हो रही है। लोग कई-कई दिनों से एजेंसी व गोदाम के चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन उन्हें सिर्फ बहाने सुनाए जा रहे हैं। वहीं कुछ लोगों ने कालाबाजारी का भी आरोप लगाया। कहा कि खुलेआम

● उपभोक्ताओं ने नारेबाजी करके जताया विरोध

लूट हो रही है और जिम्मेदार चुप्पी साधे हैं। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले भी मगरवारा स्थित गोदाम पर इसी तरह का बवाल हुआ था। लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। लगातार तीसरे दिन हंगामे से उपभोक्ताओं का सब्र टूटता नजर आया। लोगों का कहना है कि ऑनलाइन सिस्टम भी सही काम नहीं कर रहा। जिससे उपभोक्ताओं की बुकिंग तक नहीं हो पा रही है। ऐसे में आमजन को परेशानी उठानी पड़ रही है। लोगों ने प्रशासन से जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

आग ने गांव के तीन दर्जन घरों को चपेट में लिया

बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार: गंगा नदी के किनारे स्थित एक गांव में गुरुवार को अज्ञात कारणों से आग लग गई। इसमें गांव के करीब सभी घरों की गृहस्थी जल कर स्वाहा हो गई। इसमें करीब 50 लाख का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। सूचना पर पहुंची राजस्व विभाग की टीम ने नुकसान का आंकलन किया। ग्रामीणों की मदद से फायर ब्रिगेड की टीम ने बमुश्किल आग पर काबू पाया।

कोतवाली बांगरमऊ क्षेत्र के गांव फरीदपुर कट्टर के मजरा मल्लाहन पुरवा में गुरुवार शाम साढ़े 5 बजे अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों के अनुसार गांव के पश्चिम स्थित एक घर में अचानक लपटें व धुआं उठने लगा। यह देख ग्रामीण शोर मचाते हुए वहां पहुंचे और बाल्टियों से पानी फेंककर आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगे। किंतु विकराल रूप ले चुकी आग ने गांव के लगभग सभी घरों को चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। किंतु तब तक करीब तीन दर्जन घरों में रखी नगदी, जेवर व गृहस्थी सहित 50 लाख का सामान स्वाहा हो गया। क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत कटियार ने लेखपाल प्रवीण कुमार व अन्य राजस्व कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आंकलन किया है।

बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाते ग्रामीण। ● अमृत विचार

● 50 लाख रुपये के नुकसान का लगाया जा रहा अनुमान

आग से इनके परिवार हुए प्रभावित

आग लगने से गांव निवासी सूरजपाल, छेदीलाल, रंजीत, राज, दयाराम, दिनेश, प्रकाश, राकेश, राजाराम, धर्मपाल, विकास, मदन, कल्लू, ललित, सिपाहीलाल, लालू कुमार, सर्वेश कुमार, नन्ही देवी, हरिराम, राजकुमार, त्रिलोकीनाथ, विनोद कुमार, रामखेलावन, कन्हैयालाल, सिपाहीलाल, प्रमोद, ठाकुर, मोहन, दिनेश कुमार व पप्पू के घरों को नुकसान हुआ है।

कटेहरू पीएचसी में पानी को मोहताज मरीज

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार : विकासखंड क्षेत्र की कटेहरू पीएचसी सिस्टम की संवेदनहीनता की कहानी बयां कर रहा है। भीषण गर्मी में जहां पानी जीवन की सबसे बड़ी जरूरत है इस स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को एक बूंद पानी तक नहीं मिल रहा है। हैरानी की बात यह है कि यह बदहाली उस जिले की है जिसे उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का करीबी क्षेत्र माना जाता है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग की कुंभकर्णीय नींद टूट नहीं रही है। भाजपा सरकार के 10 साल के शासन व स्वास्थ्य सुधार के तमाम वादे यहां दम तोड़ते नजर आ रहे हैं। डॉक्टरों की तैनाती के बावजूद न बिजली की सही व्यवस्था है, न शौचालय और न ही पीने का साफ पानी है। अस्पताल भवन इतना जर्जर है कि वह कभी भी गिर सकता है। टूटी बाउंड्री वॉल व परिसर में उगी घास विभागीय लापरवाही की गवाही दे रही है। डॉक्टरों के रहने के लिए बने आवास कूड़े के ढेर में तब्दील हो चुके हैं। जिससे साफ पता चलता है कि स्वच्छता अभियान की यहां क्या स्थिति है।

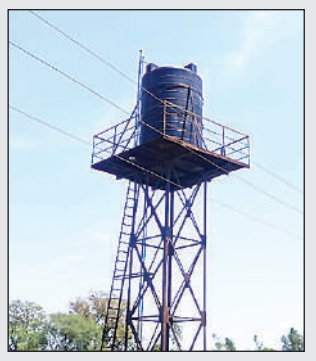

शोपीस बनी पानी की टंकी। ● अमृत विचार

पागल कुत्ते ने 6 लोगों को काटा, दहशत में मोहल्ला

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : नगर के सुभाष नगर में गुरुवार को पागल कुत्ते के आतंक से लोगों में दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार स्थानीय निवासी पूजा सिंह के घर के पास एक मादा कुत्ते ने कुछ समय पहले बच्चों को जन्म दिया था। पशु प्रेमी होने के चलते पूजा सिंह उसकी देखभाल कर रही थीं। तभी कुत्ता अचानक आक्रामक हो गया और उसने हमला करना शुरू कर दिया। उसने दो दिनों में 10 वर्षीय गौरांग, 40 वर्षीय नन्हू, 9 वर्षीय युवराज, 42 वर्षीय सरफराज व पूजा सिंह समेत करीब आधा दर्जन लोगों को काट लिया। इन घटनाओं से क्षेत्र में भय का माहौल बन गया। इससे आक्रोशित व डरे लोग लाठी-डंडे लेकर घरों से बाहर निकल आए और नगर पालिका गंगाघाट को सूचना दी। सूचना पर पालिका की टीम पहुंची और काफी मशक्कत के बाद कुत्ते को पकड़ लिया। इसके बाद उसे नगर से दूर जंगल में छोड़ दिया गया।

हाईवे किनारे झाड़ियों में पड़ा मिला अधेड़ का शव

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार : लखनऊ-कानपुर हाईवे किनारे गुरुवार को एक भवन निर्माण में लगे मजदूर का शव हाइवे किनारे झाड़ी में पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस को जांच में जाहिरा चोट नहीं मिली। पहचान कराकर पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मुड़ेरा गांव निवासी कल्लू उर्फ रामकुमार (50) पुत्र स्व. सुंदर मजदूरी करता था। पत्नी रामवती के मुताबिक इस समय वह अजगैन कोतवाली क्षेत्र लखनऊ-कानपुर हाईवे पर एक होटल व रेस्टोरेंट संचालक के निर्माणाधीन भवन में मजदूरी कर रहा था। वह अक्सर वहीं रुक जाता था। गुरुवार को हाईवे पार कर दूसरी लेन किनारे मलाव गांव के सीमा क्षेत्र में झाड़ियों में उसका शव पड़ा मिला। दरोगा मोर मुकुट पांडेय को जांच में कोई जाहिरा चोट नहीं मिली। पुलिस ने प्रधान के जरिए परिजनों को सूचना दी। पत्नी रामवती की तहरीर पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पति की मौत से पत्नी व बच्चों को रो-रोकर बुरा हाल है।

गुणवत्तापूर्ण हो जनगणना का कार्य: डीएम

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: जिलाधिकारी गौरांग राठी ने बैठक में कहा कि भारत की जनगणना 2027 दो चरणों में होगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण व मकानों की गणना 22 मई से 20 जून 2026 तक, स्वगणना 7 मई से 21 मई 2026 तक होगी। द्वितीय चरण की जनगणना 9 से 28 फरवरी 2027 तक होगी।

डीएम ने कहा कि जनगणना संबंधित सभी तैयारियों को समय से कर लिया जाए। कहा कि स्व जनगणना के तहत कोई भी सामान्य निवासी पोर्टल के माध्यम से गणना प्रश्नावली भर सकता है। इसी प्रकार स्व गणना हेतु सामान्य निवासी जिस स्थान/मकान के लिए गणना कर रहा है। उसकी ऑनलाइन लोकेशन पोर्टल पर टैग करना होगा। ऑनलाइन जनगणना प्रश्नावली पूर्ण करने के बाद स्व गणना कर्ता को एक संदर्भ नम्बर एसई आईडी प्राप्त होगी। कहा कि जनगणना सम्बन्धी प्रशिक्षण

बैठक को संबोधित करते जिलाधिकारी गौरांग राठी। ● अमृत विचार

● जिलाधिकारी ने बैठक कर अधिकारियों को दिए निर्देश

अधिकारियों को गुणवत्ता पूर्ण ढंग से दिया जाए। बैठक में सचिव उन्नाव-विकास प्राधिकरण शुभम यादव, एसडीएम सदर, एसडीएम हसनगंज, बीघापुर, पुरवा व सफीपुर सहित अन्य संबंधित अधिकारी व शासन से भेजे गए जिला जनगणना समन्वयक व जिला जनगणना अधिकारी व चार्ज अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क हादसे में स्कूटी सवार महिला की मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: भाई व भतीजी के साथ दवा लेने जाते समय तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से स्कूटी में बैठी महिला उछलकर सड़क पर गिर गई। तभी ट्रक उसे रौंदते हुए निकल गया। हादसा इतना वीभत्स था कि महिला का सिर गर्दन से अलग हो गया। यह देख वहां मौजूद लोग सिहर गए। इसमें महिला का भाई भी चोटिल हो गया। संयोग रहा कि 5 वर्षीय बच्ची बाल-बाल बच गई। सदर कोतवाली पुलिस ने शव मोर्चरी भेजकर टक्कर मारकर भागे ट्रक की तलाश शुरू की है।

सदर कोतवाली अंतर्गत छिपियाना मोहल्ला स्थित जामा मस्जिद के पास रहने वाली फरीन फातिमा (27) पत्नी दिलशाद गुरुवार सुबह 11 बजे मोहल्ला निवासी भाई लईक पुत्र खलीक के साथ मरहला चौराहा के पास स्थित एक निजी डॉक्टर के क्लीनक से दवा लेने जा रही थी। साथ में उसकी बहन जरीन फातिमा की 5 साल की बेटी जारा भी थी। तभी कोतवाली क्षेत्र के शेखपुर नहर बाजार के पास पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी में टक्कर मार दी। इससे फरीन उछलकर सड़क पर गिर गई और ट्रक उसे रौंदते हुए भाग निकला। लेकिन बहन का सिर गर्दन से अलग देख वह अचेत हो गया। हालांकि हादसे में जारा बाल-बाल बच गई। दरोगा करुणा शंकर श्रीवास्तव ने किसी तरह शव किट बैग में भरवाकर मोर्चरी भेजा। पहले परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार किया लेकिन कोतवाली प्रभारी व क्राइम इंस्पेक्टर ने उन्हें समझाया। फरीन का पति दिलशाद दुबई में मजदूरी करता है।

फरीन फातिमा की फाइल फोटो।

● तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर बनी हादसे की वजह

बार चुनाव

रेलवे के आला अधिकारियों की मौजूदगी में कानपुर साइड से गिट्टियां हटाने व जर्जर ट्रफ व स्लीपर निकालने का काम शुरू हुआ, एडीआरएम ने पुश ट्रॉली से पुल का निरीक्षण कर कानपुर छोर तक स्थिति देखी

गंगा ब्रिज डाउन लाइन पर एच-बीम स्लीपर डालने का कार्य शुरू, 42 दिन का मेगा ब्लॉक लागू

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: गंगा रेलवे ब्रिज की डाउन लाइन पर जर्जर ट्रफ व पुराने स्लीपर बदलने का कार्य गुरुवार से शुरू हो गया। रेलवे के उच्चाधिकारियों की मौजूदगी में पहले दिन से ही कार्य ने गति पकड़ ली। कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए 42 दिनों का मेगा ब्लॉक लिया गया है। इसके तहत रोज निर्धारित समय पर काम होगा।

बता दें कि गुरुवार सुबह से पुल पर गतिविधियां तेज हो गईं। एडीआरएम नीलिमा सिंह, एडीआरएम 1 शूरवीर सिंह चौहान, डिप्टी चीफ इंजीनियर ब्रिज नितिन मंगवाल, एक्सक्लूसिव इंजीनियर रामलखन सचान, सीनियर डीईएन राहुल सिंह, डीईएन 5 प्रवीण सिंह, डिप्टी ब्रिज नितिन, एसएससी ब्रिज नवनीत यादव, जेई ब्रिज रविंद्र शर्मा, जेई ब्रिज अखिलेश पाठक आदि रेलवे अधिकारी पहुंचे और कार्य का जायजा लिया। एडीआरएम ने पुश ट्रॉली से पुल का निरीक्षण कर कानपुर छोर तक स्थिति देखी। अधिकारियों की मौजूदगी में कानपुर साइड से गिट्टियां हटाने व जर्जर ट्रफ व स्लीपर निकालने का काम शुरू हुआ। रेलवे ने परियोजना को समय से पूरा करने के लिए करीब 200 कर्मियों व अधिकारियों की टीम तैनात की है। सुबह से शाम तक कार्य चलता रहा जबकि अप लाइन पर ट्रेनों का संचालन सामान्य रूप से जारी रहा। सुरक्षा के मद्देनजर हर स्तर पर निगरानी व सतर्कता बरती जा रही है। बताया गया कि बुधवार को ही सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। पुल पर कम्प्रेसर, ब्लास्टर मशीन, वेल्डिंग उपकरण व अन्य जरूरी संसाधन पहले ही पहुंचा दिए गए थे। जिससे गुरुवार को बिना देरी के काम शुरू हो सका। अफसरों का कहना है कि कार्य पुल की मजबूती व ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही के लिए बेहद जरूरी है। पुराने और कमजोर हो चुके ट्रफ व स्लीपरों को हटाकर एच-बीम चैनल स्लीपर लगाए जा रहे हैं, जिससे ट्रैक की आयु और स्थायित्व बढ़ेगा।

कार्य के दौरान पुल पर मौजूद एडीआरएम व अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

ड्रोन कैमरे से हो रही निगरानी

पूरे कार्य की निगरानी ड्रोन कैमरे से की जा रही है। वहीं, वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है। जिसे कार्य पूर्ण होने के बाद डीआरएम कार्यालय भेजा जाएगा। इससे पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

पहले दिन 40 एच-बीम स्लीपर लगाए गए

मेगा ब्लॉक के पहले दिन सुबह 10:10 बजे कार्य शुरू हुआ। जो शाम 6:10 बजे तक चला। इस दौरान करीब 35 से 40 एच-बीम स्लीपर सफलतापूर्वक लगाए गए। कार्य समाप्ति के बाद स्टेशन को मेमो भेजकर ब्लॉक समाप्त किया गया।

आधुनिक मशीनों से तेज हुआ काम

पुराने ट्रफ व स्लीपर हटाने के लिए ब्लास्टर मशीन से रिपिट काटी जा रही है। जबकि वेल्डिंग मशीन से ज्वाइंट अलग किए जा रहे हैं। गैस सिलेंडर की कमी के बावजूद उपलब्ध संसाधनों से ट्रफ काटने का कार्य जारी है। जिससे काम तेज हा रहा है।

सुरक्षा के लिए हूटर और अलर्ट सिस्टम

कार्य के दौरान अप लाइन पर ट्रेनो संचालन जारी है। दुर्घटना से बचने के लिए कानपुर छोर पर हूटर लगाया गया है। ट्रेन आने से पहले हूटर बजाकर कर्मियों को सतर्क करने के साथ अप लाइन पर लाल कपड़ा लगाकर भी संकेत दिया जा रहा है।

500 एमएम दूरी पर लगाए जा रहे स्लीपर

डाउन लाइन पर हर 500 मिमी पर एच-बीम चैनल स्लीपर लगाए जा रहे हैं। इस प्रक्रिया के तहत पहले लोहे की चादर बिछाई जाती है फिर उस पर रबर पैड रखकर स्लीपर फिट किए जाते हैं। जिससे ट्रैक अधिक मजबूत और टिकाऊ बन सके।

चरणबद्ध तरीके से हो रहा कार्य

कार्य पुराने जर्जर ट्रफ की लोहे की चादर काटकर हटाने से शुरू होता है। इसके बाद प्रेशर मशीन से जंग हटाई जाती है और प्राइमर लगाया जाता है। फिर नई चादर डालकर रबर पैड बिछाया जाता है। फिर एच-बीम स्लीपर फिट किए जाते हैं।

मेगा ब्लाक से 10 की स्पीड से गुजरीं ट्रेनें

शाम को 6:10 बजे मेगा ब्लॉक समाप्त हुआ। इसके बाद कानपुर की ओर से डाउन लाइन पर पहले 10 की स्पीड से मालगाड़ी गुजारी गई। इसके बाद प्रतापगढ़ इंटरसिटी को रवाना किया गया।

अमृत विचार

शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026

कांटों के बीच जिस दिन तुम चलना सीख लो और कांटों के बीच चलो और कांटे चुभें न, बस उसी दिन समझ लेना कि अब तुम योग्य हो गए। – **ओशो**, दार्शनिक

ट्रंप के दावों का अर्थ

डोनाल्ड ट्रंप का यह दावा कि तीन सप्ताह के भीतर युद्ध खत्म हो सकता है, जितना आकर्षक लगता है, उतना ही जटिल और संदिग्ध भी है। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में युद्ध केवल एक देश की इच्छा से समाप्त नहीं होते, बल्कि अनेक पक्षों, हितों और वास्तविकताओं के संतुलन से नियंत्रित होते हैं। ट्रंप अमेरिका के लिए युद्ध समाप्ति की घोषणा कर सकते हैं, लेकिन वे न तो इजराइल और न ही ईरान को युद्ध विराम के लिए बाध्य कर सकते हैं। इजराइल और ईरान दोनों अपने-अपने रणनीतिक हितों के अनुसार निर्णय लेते हैं। ऐसे में तीन सप्ताह में संपूर्ण युद्ध समाप्त होने का दावा व्यावहारिक नहीं, बल्कि राजनीतिक शिगूफा है। ट्रंप का यह कहना कि अमेरिका अपने "लक्ष्य हासिल कर चुका है", कई सवाल खड़े करता है। यदि लक्ष्य केवल ईरान की सैन्य क्षमताओं को सीमित करना था, तो सीमित अर्थों में यह दावा स्वीकार्य हो सकता है, लेकिन यदि लक्ष्य ईरान में सत्ता परिवर्तन था, तो यह दावा वास्तविकता से दूर है। ईरान की राजनीतिक व्यवस्था अभी भी कायम है और वहां किसी स्पष्ट सत्ता परिवर्तन के संकेत नहीं हैं। इसी प्रकार, ट्रंप का यह दावा कि ईरान युद्ध विराम चाहता है, तब और कमजोर पड़ जाता है, जब स्वयं ईरान इस बात से इनकार करता है।

अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में इस तरह के विरोधाभासी बयान अक्सर "नेरेटिव निर्माण" का हिस्सा होते हैं, जिनका उद्देश्य घरेलू और वैश्विक जनमत को प्रभावित करना होता है। ट्रंप के युद्ध समाप्ति के प्रति उत्साह के पीछे घरेलू राजनीतिक दबावों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमेरिका में बढ़ती महंगाई, रक्षा खर्च का बोझ और आगामी चुनावी चुनौतियां, उन्हें एक "निर्णायक नेता" की छवि प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करती हैं। इतिहास गवाह है कि ट्रंप कई बार बड़े दावे करते रहे हैं और बाद में उनसे पीछे भी हटते रहे हैं। यह उनकी राजनीतिक शैली का हिस्सा भी है और कभी-कभी परिस्थितिजन्य मजबूरी भी। ट्रंप का यह कहना कि "होर्मुज जलडमरूमध्य से मेरा लेना-देना नहीं" वस्तुतः आंशिक सत्य है। अमेरिका पर इसका प्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव सीमित हो सकता है, लेकिन वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने पर पूरी दुनिया प्रभावित होती है। चूंकि यह संकट उसी संघर्ष से जुड़ा है, जिसमें अमेरिका की भूमिका रही है, इसलिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का यह अपेक्षा करना स्वाभाविक है कि अमेरिका समाधान में सक्रिय भूमिका निभाए।

ट्रंप का तीन सप्ताह में युद्ध समाप्त करने का दावा सुनिश्चित कूटनीतिक वास्तविकता नहीं होने से ऐसा संभव नहीं दिखता, पर मान लिया जाए कि तीन सप्ताह में युद्ध समाप्त हो जाता है, तो इसका भारत और विश्व पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। तेल की कीमतों में स्थिरता आएगी, आपूर्ति श्रृंखला सुधरेगी और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता कम होगी। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह राहत अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। परंतु भारत को ट्रंप के बयानों को सतर्कता और यथार्थवाद के साथ लेना चाहिए। कूटनीति में घोषणाओं से अधिक महत्व परिस्थितियों और ठोस कदमों का होता है। भारत की नीति स्पष्ट होनी चाहिए- भावनाएं पीछे, पहले रणनीतिक स्वायत्तता, ऊर्जा सुरक्षा और अपने नागरिकों के दीर्घकालिक हितों की रक्षा के विवेक सम्मत निर्णय।

प्रसंगवश

दहेज नहीं लिया या बस नाम बदल दिया

भारतीय समाज में विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध माना जाता है। यह संबंध परंपराओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक मान्यताओं से जुड़ा होता है, लेकिन जब इन परंपराओं के पीछे छिपी मानसिकता पर सवाल उठता है, तो एक कड़वा सच सामने आता है। हमने बुराइयों को छोड़ा नहीं है, बस उनका स्वरूप बदल दिया है। आजकल शादियों में एक नया चलन तेजी से उभर रहा है। बड़े गर्व के साथ यह घोषणा की जाती है-"हमने दहेज नहीं लिया।" यह सुनते ही एक सकारात्मक छवि बनती है कि समाज बदल रहा है, लोग जागरूक हो रहे हैं, लेकिन जैसे ही शादी की रस्में आगे बढ़ती हैं, यह आदर्शवाद धीरे-धीरे दिखावे में बदलता नजर आता है।

थाली में सजी नगदी, सोना-चांदी और महंगे उपहार-सब कुछ सलीके से प्रस्तुत किया जाता है। फिर एक प्रतीकात्मक अभिनय होता है-लड़का या उसका परिवार उस ढेर में से मात्र एक रुपया उठाता है, मानो यह सिद्ध कर रहा हो कि उन्होंने दहेज नहीं लिया। शेष सब कुछ "रिवाज", "भात", "शगुन" या "उपहार" के नाम पर स्वीकार कर लिया जाता है। यह दृश्य केवल एक रस्म नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक मानसिकता का आईना है। सवाल यह नहीं कि एक रुपया लिया गया या नहीं, असली प्रश्न यह है कि क्या लड़की के परिवार पर आर्थिक या सामाजिक दबाव पड़ा या नहीं। दहेज प्रथा सदियों से भारतीय समाज की एक गंभीर समस्या रही है। पहले इसे खुले तौर पर मांगा जाता था- नकदी, गाड़ियाँ, गहने। समय बदला, कानून सख्त हुए, जागरूकता बढ़ी, और इस प्रथा के खिलाफ आवाजें उठीं, लेकिन क्या दहेज वास्तव में समाप्त हुआ? शायद नहीं। आज इसने अपना रूप बदल लिया है। अब इसे सीधे मांगना अनुचित माना जाता है, इसलिए इसे परंपरा और सम्मान की आड़ में छिपा दिया गया है। "भात", "तिलक", "सगाई के उपहार" और "विदाई के तोहफे" नाम भले बदल गए हों, पर लेन-देन की प्रवृत्ति वही है। "भात" जैसी परंपराएं, जो कभी स्नेह और आत्मीयता का प्रतीक थीं, आज कई जगह सामाजिक प्रतिस्पर्धा और दिखावे का माध्यम बन चुकी हैं। कितना सोना दिया गया, कितनी नगदी रखी गई, कितने महंगे वस्त्र और उपहार दिए गए, इन्हीं पैमानों पर अब "इज्जत" का आकलन होने लगा है। यह प्रवृत्ति न केवल आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर बोझ डालती है, बल्कि मध्यम वर्ग को भी अपनी क्षमता से अधिक खर्च करने के लिए विवश करती है। दिखावे की यह संस्कृति आज के समाज की एक बड़ी विडंबना बन चुकी है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

वास्तविक बदलाव के लिए हमें अपने दृष्टिकोण और व्यवहार दोनों को बदलना होगा। परंपराओं का पुनर्मूल्यांकन करना होगा और यह तय करना होगा कि कौन-सी परंपराएं सार्थक हैं और कौन-सी केवल दिखावे और दबाव का माध्यम बन चुकी हैं। विवाह को सादगी और गरिमा के साथ स्वीकार करना होगा। यह समझना होगा कि यह कोई प्रदर्शन नहीं, बल्कि विश्वास और सम्मान का संबंध है। इसमें सबसे बड़ी जिम्मेदारी लड़के और उसके परिवार की है। उन्हें स्पष्ट रूप से यह तय करना होगा कि वे किसी भी रूप में, किसी भी नाम से लेन-देन स्वीकार नहीं करेंगे। अंततः यह स्वीकार करना होगा कि सम्मान धन से नहीं, मूल्यों से आता है। जब तक समाज खर्च को प्रतिष्ठा से जोड़कर देखता रहेगा, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। अब समय आ गया है कि हम केवल यह कहने का दिखावा न करें कि "हमने दहेज नहीं लिया", बल्कि वास्तव में ऐसी स्थिति पैदा करें, जहां किसी को कुछ देने या लेने की आवश्यकता ही न पड़े।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

वैश्विक खाद्य संकट की ओर बढ़ता खाड़ी युद्ध

अविनाश झा

डीएफएमओ, चित्रकूट

कोई भी युद्ध हमेशा विनाशक ही होता है। इंसान हमेशा से अपने वर्चस्व, सत्ता की ताकत और अहंकार के लिए खुद को युद्ध में झोंकता रहता है, लेकिन इसका परिणाम सिर्फ युद्ध में लड़ रहे दोनों पक्षों पर ही नहीं, बल्कि पूरे समाज, देश और विश्व पर पड़ता है। एक माह से अधिक समय से चल रहे ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध की दशा और दिशा तय नहीं हो पा रही है और उसके परिणामों की आग में न सिर्फ ईरान और इजरायल, बल्कि लगभग आधी दुनिया जलने के कगार पर है और यदि ऐसा ही चलता रहा, तो पूरा विश्व एक ऐसे संकट में फंसने जा रहा है, जिस ओर अभी किसी का संभवतः ध्यान नहीं जा रहा है। तेल, गैस, उर्जा संकट से गुजर रहे विश्व पर निकट भविष्य में खाद्य संकट का पहाड़ टूटने वाला है।

मैरीटाइम इंटेलिजेंस कंपनी 'सिग्नल ग्रुप' के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में व्यापार होने वाली प्रमुख उर्वरको-अमोनिया, फॉस्फेट और सल्फर का 20 प्रतिशत हिस्सा अकेले खाड़ी देशों से आता है। ब्लूमबर्ग इंटेलिजेंस के अनुसार यूरिया, जो सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली नाइट्रोजन खाद है, का लगभग आधा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है। जब से ईरान युद्ध शुरू हुआ है, उर्वरकों की कीमतें 10 से 30 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार हर महीने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते लगभग 13.3 लाख टन उर्वरक का निर्यात किया जाता है।

यहां हम जानते हैं कि उर्वरकों का सीधा संबंध खाद्यान उत्पादन से है। उर्वरकों की कमी से मक्का, गेहूं और चावल जैसी फसलों का उत्पादन गिरने की संभावना है। भारत के दृष्टिकोण से देखें, तो हम लगभग दो-तिहाई नाइट्रोजन यानी यूरिया के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर है। भारतीय यूरिया उत्पादकों को अपनी प्राकृतिक गैस की आवश्यकता का 60-70 प्रतिशत ही प्राप्त हो रहा है। भारत ओमान, सऊदी अरब और कतर से यूरिया का भी आयात करता है, जो वर्तमान युद्ध से प्रभावित हैं। उर्वरक की कमी आने वाले मानसून में खरीफ की बुवाई पर असर डाल सकती है, जिससे चावल, गेहूं और अन्य मुख्य अनाजों की खेती की लागत बहुत बढ़ जाएगी तथा उत्पादन भी कम हो जाएगा।

वित्त वर्ष 2025 में भारत ने 22 लाख टन सल्फर का आयात किया, जिसमें से 80 प्रतिशत से अधिक पश्चिम एशिया या खाड़ी देशों से आया है। सल्फर, कच्चे तेल के शोधन का एक मूल्यवान उत्पाद है, जिसका उपयोग डायमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) बनाने में किया जाता है, जो एक अन्य महत्वपूर्ण उर्वरक है। वित्त वर्ष 2025 में डीएपी आयात का 42 प्रतिशत से सऊदी अरब से आया था। 10 मार्च 2026 को भारत का यूरिया भंडार 62 लाख टन था। खरीफ फसल सीजन (जून-सितंबर) के लिए इसकी आवश्यकता लगभग 18-19 लाख टन है। गैस की कमी और आयात को लेकर अनिश्चितता के कारण घरेलू उत्पादन में गिरावट आई है, ऐसे में आपूर्ति की स्थिति स्पष्ट नहीं है। हम सब जानते हैं कि भारतीय किसान यूरिया का अत्यधिक उपयोग करते हैं, क्योंकि अन्य उर्वरकों की तुलना में इस पर भारी सब्सिडी दी जाती है। युद्ध की प्रारंभ से ही, वैश्विक यूरिया की कीमतें लगभग 48 प्रतिशत बढ़ चुकी हैं।

भारत मध्य-पूर्व और पश्चिम एशिया के लिए प्रमुख खाद्यान्न आपूर्तिकर्ता है, परंतु भारतीय खाद्य निर्यातकों का अधिकांश स्टॉक बंदरगाहों पर फंसा हुआ है। भारत के लिए खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतें चिंताजनक हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में सोयाबीन तेल की कीमत 1100 डॉलर प्रति टन को पार कर गई है। कच्चे पाम तेल में भी लगभग 1.8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो जून 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। काला सागर बंदरगाहों से आने वाला सूरजमुखी का तेल भी तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है और इसका मूल्य 1,355 डॉलर प्रति टन है। वस्तुतः भारत पाम तेल और सोयाबीन तेल जैसे आयातित खाद्य तेलों पर अत्यधिक निर्भर है और यह उन्हीं जहाजों से आता हैं, जिनमें जीवाश्म ईंधन आता है।

भारत ही नहीं, बल्कि ब्राजील जो प्रमुख कृषि उत्पाद निर्यातक है, अपनी आवश्यकता का लगभग 40 प्रतिशत नाइट्रोजन (यूरिया) खाड़ी देशों से मंगाया है। युद्ध से उपजे संकट का असर वहां सोयाबीन और मक्के के उत्पादन पर पड़ेगा। अफ्रीकी देशों के लिए तो यह ज्यादा चिंताजनक है, क्योंकि उर्वरक की कीमतों में थोड़ी सी भी वृद्धि छोटे किसानों पर गहरा असर डालेगी, जिससे फसलों का उत्पादन गिर जाएगा और वहां पहले से विद्यमान भुखमरी की समस्या और भी गहरी हो जाएगी। स्वयं खाड़ी देश भी अपनी आवश्यकता का 80 से 90 प्रतिशत खाद्य पदार्थ आयात करते हैं, जिनमें अनाज और मांस से लेकर डेयरी उत्पाद और खाद्य तेल तक शामिल हैं। वे सभी आवागमन के लिए पूरी तरह होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भर हैं। अगर यह स्ट्रेट लंबे समय तक बंद रहता है, तो उनके सुरक्षित भंडार भी जल्द ही खत्म हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें राशनिंग लागू करने या लाल सागर और ओमान की खाड़ी के जरिए बहुत महंगे वैकल्पिक रास्तों का चुनाव करना होगा।

लंबे युद्ध का असर यूरोप और उत्तरी अमेरिका में बोआई के मौसम पर बहुत बुरा पड़ सकता है, जिसका मतलब है कि इस साल के अंत में खाद्य संकट पैदा हो जाएगा। संभवतः इसीलिए राष्ट्रपति ट्रंप इस युद्ध का जल्द अंत चाहते हैं। कम उपलब्धता और बढ़ती कीमतों के संयोजन से किसानों को कम उर्वरक उपयोग करने हेतु मजबूर होना पड़ेगा और इसका असर फसलों के उत्पादन पर पड़ेगा। बहस का मुद्दा यह नहीं है कि मध्य-पूर्व सहित पूरे पश्चिम एशिया को युद्ध की आग में किसने और क्यों झोंका? मुद्दा यह है कि इस युद्ध से उपजे उर्जा और खाद्य संकट ने पूरे वैश्विक मानव को अपनी चपेट में ले लिया है और यदि यह इसी तरह चलता रहा तो तेल, गैस खाद्यान्न एवं पानी के लिए इंसान को तरसा देगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

भारत मध्य-पूर्व और पश्चिम एशिया के लिए प्रमुख खाद्यान्न आपूर्तिकर्ता है, परंतु भारतीय खाद्य निर्यातकों का अधिकांश स्टॉक बंदरगाहों पर फंसा हुआ है। भारत के लिए खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतें चिंताजनक हैं।

आमने

बिहार देश का सबसे गरीब राज्य है, जबकि इसकी तुलना में केरल एक विकसित राज्य है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्रों में बिहार को केरल से सीखने की आवश्यकता है। एलडीएफ एक बार फिर केरल की सत्ता में वापसी करेगी।

-तेजस्वी यादव

कार्यकारी अध्यक्ष, आरजेडी

सामने

केरल की धरती पर खड़े होकर बिहार का अपमान करना शर्मनाक है। बिहार को गरीब बताने से पहले, तेजस्वी को अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए। तेजस्वी यादव यह बताएं कि उनके माता-पिता लालू यादव और राबड़ी देवी ने अपने शासनकाल के दौरान बिहार के खजाने को लूटकर अपनी तिजोरियां कैसे भरी थीं।

-उमेश कुशवाहा

प्रदेश अध्यक्ष, जेडीयू

पश्चिम एशिया में तनाव और भारतीय शेयर बाजार

धनीश शर्मा

लेखक

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजार पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। फरवरी के बाद से क्षेत्र में पैदा हुई अस्थिरता ने निवेशकों के भरोसे को कमजोर किया है, जिसका सीधा असर बाजार की दिशा पर पड़ा है। इस दौरान प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स में गिरावट देखने को मिली और यह अपने उच्चतम स्तर से फिसलकर नीचे आ गया, जिससे निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ा।

दरअसल पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव खासतौर पर इजरायल, ईरान और अमेरिका के बीच टकराव ने वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता पैदा कर दी है। भले ही इसे पूर्ण युद्ध नहीं कहा जा सकता, लेकिन हालात इतने संवेदनशील हैं कि निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं। यही वजह है कि बाजार में उतार-चढ़ाव और गिरावट का माहौल बना हुआ है। इस स्थिति को और गंभीर बनाने में कच्चे तेल की कीमतों की बड़ी भूमिका रही है। पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का प्रमुख केंद्र है और वहां किसी भी तरह का संघर्ष आपूर्ति को प्रभावित करता है। नतीजतन, तेल की कीमतों में वृद्धि होती है, जिसका असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ता है। इससे महंगाई का दबाव बढ़ता है और कंपनियों की लागत में इजाफा होता है, जो अंततः शेयर बाजार को प्रभावित करता है।

इसके साथ ही, विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी ने बाजार की गिरावट को और तेज कर दिया है। हाल ही में जारी केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा कंपनी के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च महीने में विदेशी निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से भारी धनराशि निकाली। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार यह निकासी करीब 1.26 लाख करोड़ रुपये रही, जिसे असाधारण और रिकॉर्ड स्तर की बिकवाली माना जा रहा है। यह स्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कोविड-19 महामारी के दौरान वर्ष 2020 के बाद यह पहला अवसर माना जा रहा है, जब विदेशी निवेशकों ने इतनी बड़ी मात्रा में शुद्ध निकासी की है। इस बड़े पैमाने पर हुए पूंजी बहिर्वाह ने बाजार में गिरावट के दबाव को और बढ़ा दिया तथा निवेशकों की धारणा को कमजोर किया।

विदेशी निवेशकों की यह रणनीति वैश्विक अस्थिरता के बीच सामान्य मानी जाती है। जब भी दुनिया में किसी बड़े भू-राजनीतिक संकट का सामना होता है, निवेशक उभरते बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश विकल्पों जैसे सोना या अमेरिकी बॉन्ड की ओर रुख करते हैं। भारत भी इस वैश्विक प्रवृत्ति से अछूता नहीं रह पाया है।

वहीं दूसरी ओर, रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से चल रहा युद्ध भी वैश्विक आर्थिक माहौल पर दबाव डाल रहा है। हालांकि इसका भारतीय शेयर बाजार पर असर अब तक अपेक्षाकृत कम देखने को मिला है, लेकिन यह वैश्विक अनिश्चितता और निवेशकों के जोखिम के आकलन में एक कारक के रूप में बना हुआ है। तेल, गैस और अन्य कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक पूंजी प्रवाह पर इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव निवेशकों की रणनीतियों में बदलाव ला रहा है। इस वजह से, भारतीय बाजार भले ही फिलहाल स्थिर दिखाई दे रहा हो, लेकिन लंबे समय में इस संघर्ष के संभावित प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर शेयर बाजार पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है, लेकिन इस चुनौतीपूर्ण समय में केंद्र सरकार की भूमिका सराहनीय रही है। सरकार ने हालात को देखते हुए आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। महंगाई को नियंत्रित करना, आपूर्ति श्रृंखला को सुचारु रखना और निवेशकों का भरोसा बनाए रखना इसके मुख्य प्रयास रहे हैं। वैश्विक दबाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था को संतुलित बनाए रखना सरकार की प्रभावी रणनीति को दर्शाता है। इसके चलते बाजार में भरोसा बना हुआ है और दीर्घकाल में सुधार की उम्मीद कायम है। हालांकि इस चुनौतीपूर्ण माहौल में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने कुछ हद तक बाजार को सहारा दिया है। उनकी खरीदारी ने गिरावट को पूरी तरह बेकाबू होने से रोका है। इसके अलावा, भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी मजबूती जैसे मजबूत मांग, सरकारी निवेश और सुधारों की प्रक्रिया लंबी अवधि में बाजार के लिए सकारात्मक संकेत देती है।

अंततः कहा जा सकता है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध का अप्रत्यक्ष असर, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विदेशी निवेशकों की भारी निकासी ने मिलकर भारतीय शेयर बाजार को दबाव में ला दिया है। अल्पकाल में यह स्थिति निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण बनी रह सकती है, लेकिन दीर्घकाल में बाजार की रिकवरी की उम्मीद बनी हुई है, क्योंकि मजबूत आर्थिक आधार अंततः निवेशकों का भरोसा वापस ला सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

इस स्थिति को और गंभीर बनाने में कच्चे तेल की कीमतों की बड़ी भूमिका रही है। पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का प्रमुख केंद्र है, और वहां किसी भी तरह का संघर्ष आपूर्ति को प्रभावित करता है।

सोशल फोरम

विलुप्त होती किराना दुकानें

30 वर्षों में मेरे देखते-देखते अमेरिका में मॉम और पॉप स्टोर अर्थात् गली के नुक्कड़ वाली किराना वाली दुकानें विलुप्त हो गईं। वैसे 1996 तक ही अमेरिका में काफी हद तक कॉर्पोरेट कल्चर आ चुका था, लेकिन फिर भी पचास पर्सेंट किराना मार्केट छोटी-छोटी दुकानें होती थीं और शेष पचास पर्सेंट बड़े सुपर स्टोर्स। उस समय चार बड़ी सुपर स्टोर चेन का प्रतिशत कुल बाजार का 40 प्रतिशत था। वर्तमान में चार बड़ी चेन का बाजार में हिस्सा लगभग 70 प्रतिशत है। आरंभ सभी देशों का गली के नुक्कड़ वाली किराना दुकानों से हुआ, पर जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी आई, मॉनिटरिंग आसान होने लगी, सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल आसानी से होने लगा और एक दो दुकान वाले मालिक हजार स्टोर वाली चेन के मुकाबले टक्कर न ले पाए और फिर अंत में अमेजन आ गया, जहां घर बैठे सब कुछ मिल जाता है, तो इसने तो ताबूत में अंतिम कील ठोक दी। रही-सही कसर एआई ने पूरी कर दी। पिछले कुछ वर्षों में स्मॉल बिजनेसेज का कॉर्पोराइजेशन और तेजी से होने लगा। एआई ने ऐसे रिसोर्सेज जो कभी बिलियन डॉलर कंपनीज के पास ही होते थे आम जनता को पहुंचा दिए। अब ऐप बनाने के लिए प्रोग्रामर को दस हजार डॉलर देने की जरूरत न रही, क्लॉड में कोई भी स्वयं बना सकता है, तो ऐसे में हर क्षेत्र में नए दिमागी एंटरप्रेन्योर्स आए, सामान्य जनता इनके मुकाबले टिक न पाई और कॉर्पोरेटाइजेशन बहुत तेजी से हुआ।

नितिन त्रिपाठी

लेखक

वैसे यह बुरा किसी के लिए न हुआ। एक ग्रोसरी स्टोर मालिक का औसत फायदा आज की मुद्रा में 50,000 डॉलर होता, जिसके लिए उसे रोजाना पंद्रह घंटे खपाने पड़ते, सरदर्द अलग रहती। अब यह ऑनर नौकरी करते हैं मोस्टली स्टोर/ शिफ्ट मैनेजर जैसी पोस्ट पर हैं। दिन के आठ घंटे काम कर 70,000 डॉलर प्लस सैलरी बनाते हैं बगैर किसी रिस्क के। हां! वो आजादी चली गई, बॉस को रिपोर्ट करना पड़ता है। टेक के क्षेत्र में पिछले सौ सालों से टेक्नोलॉजी पहले अमेरिका में आती है, फिर शेष विश्व में यहीं के इन्वेस्टर फैलाते हैं। भारत में भी बहुत तेजी से सभी क्षेत्रों में कॉर्पोरेटाइजेशन हो रहा है। अब आप टैक्सी स्टैंड कोई न देखेंगे। ज्यादातर इंडिपेंडेंट टैक्सी ड्राइवर अब ओला/उबर में चलने लगे हैं। किराना के क्षेत्र में भी यह अंतिम पीढ़ी है, जो गली के कोने पर गुप्ता जी की दुकान देख रही है। गुप्ता जी का बेटा दुकान बेचकर या तो रियल एस्टेट में जाएगा या नौकरी करेगा। काफी हद तक छोटी दुकानों की मार्केट आलरेडी मॉल/ स्टोर/अमेजन/ब्लिंकिट चौपट कर चुके हैं। बस यह समय की बात है, दस से बीस वर्षों में यहां भी कॉर्पोरेट ही दुकानें भी चलाएंगे और देश भी।

- फेसबुक वॉल से

सामयिकी

अपसंस्कृति के खिलाफ एक मुहिम

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के गांव जोगिया जगुनी पट्टी में पिछले 19 साल से चल रहा लोकरंग किसी साहित्य, संस्कृति, कला प्रेमी के लिए अब नया नहीं रह गया है। हाशिए के समाज के इतिहासकार और इतिहासकार सुभाषचंद्र कुशवाहा जिस लगन और प्रतिबद्धता के साथ इसे आयोजित करने का सिलसिला जारी रखे हुए हैं, उसने जन संस्कृति के संवर्धन को एक नया व्यावहारिक रंग-रूप दिया है। अंधाधुंध बाजारीकरण से उपजी लिप्सा की संस्कृति और बेरोजगारी के दंश ने गांवों की तस्वीर कुछ मायनों में शहरों से भी ज्यादा खराब कर दी है।

वैसे तो वर्णाश्रमी व्यवस्था की जटिल सामाजिक संरचना वाले भारतीय गांव श्यामाचरण दुबे की भद्र लोक वाली नजर से देखे गए और छायावादी कवियों की कल्पनाओं और कविताओं में अभिव्यक्त 'अहा ग्राम्य जीवन' वाले गांव कभी नहीं थे। आज बेरोजगारी के दंश के बीच शराब की दुकानों ने जिस तरह बहुतेरे गांवों की कुछ बची खुची पारंपरिक लोक संस्कृति पर हमला बोला है, उससे वहां की तस्वीर और बदरंग हो चुकी है। ऐसे में शहर से कम जरूरी नहीं है कि गांवों के इस बदरंग होते स्वरूप को किसी न किसी तरह बचाया जाए।

दया शंकर राय

लेखक

सुभाष कुशवाहा ने 19 साल पहले जो पहल की थी, उसने अब एक दिशा पकड़ ली है और फूहड़ता और अपसंस्कृति के खिलाफ कारगर हस्तक्षेप की एक ठोस राह भी दिखाई है। उनकी यह पहल उल्लेखनीय इसलिए कही जाएगी कि शराब की खुलती दुकानों ने गांवों के बेरोजगारों को नशे की ओर धकेल दिया है, लेकिन पिछले 19 साल से लोकरंग से जुड़ी इस जोगिया गांव की टीम के युवा न सिर्फ नशे से दूर हैं, बल्कि वे लोक संस्कृति और फूहड़ संस्कृति का फर्क भी बखूबी समझने लगे हैं।

बेरोजगारी बेशक उनके सामने भी वैसे ही है, पर जिस समझदारी भरी लगन से यह टीम लोकरंग को जमीन पर उतारती है, वह एक मिसाल है। जाहिर है इसमें सुभाष कुशवाहा का मार्गदर्शन अहम रहा है, लेकिन पहल तो किसी न किसी को लेनी पड़ती ही है। आज शहरों से भी ज्यादा जरूरी है कि ऐसे आयोजन गांवों, कस्बों और छोटे जिलों में हों। लखनऊ, इलाहाबाद, भोपाल जैसे शहरों में तो फिर भी कुछ साहित्यिक सांस्कृतिक और वैचारिक आयोजन होते रहते हैं, जिससे एक वैचारिक हलचल और बहस मुबाहिसे के मंच उपलब्ध होते हैं। ज्यादातर गांव तो इससे अछूते ही हैं, जबकि जरूरत इस बात की है कि हर किस्म के पिछड़ेपन और वैचारिक कूपमंडूकता और जड़ता के खिलाफ आधुनिकता पर आधारित मूल्यों और विचारों के उन्नयन और विचार-विमर्श के लिए गांवों में संस्कृति, कला और विचार के ज्यादा से ज्यादा मंच बनें।

लोकरंग का यह सफर इस दिशा में एक रास्ता दिखाता है। इसलिए अगर लोकरंग में शामिल टीमें और साथी इस दिशा में पहल करते हैं, तो यह बेहद मानीखेज होगा और लोकरंग का यह विस्तार एक नया रंग लाएगा। इससे बहुत कुछ न सही कुछ कुछ तो समृद्ध होगा ही, जो आगे चलकर बहुत कुछ की जमीन तैयार करेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

खोज

ऐसे हुआ माचिस का आविष्कार

माचिस की खोज मानव इतिहास में एक महत्वपूर्ण कदम थी, क्योंकि इससे आग जलाना बेहद आसान हो गया। पहले के समय में लोग आग जलाने के लिए पत्थरों को आपस में रगड़ते थे या लकड़ी से घर्षण पैदा करते थे, जो काफी कठिन और समय लेने वाला काम था। आधुनिक माचिस का विकास 19 वीं सदी में हुआ। वर्ष 1826 में इंग्लैंड के रसायनज्ञ जॉन वॉकर ने पहली बार ऐसी माचिस बनाई, जिसे रगड़कर जलाया जा सकता था। उन्होंने लकड़ी की छोटी तीली के सिरे पर रसायनों का मिश्रण लगाया, जिसमें एंटिमनी सल्फाइड, पोटैशियम क्लोरेट और गोंद शामिल थे। जब इस तीली को खुरदुरी सतह पर रगड़ा जाता था, तो घर्षण से यह जल उठती थी।

हालांकि वॉकर की माचिस में एक समस्या थी। यह जलते समय तेज गंध और चिंगारियां पैदा करती थी। इसके बाद फ्रांस के रसायनज्ञ चार्ल्स सौरिया ने इसमें सफेद फॉस्फोरस का उपयोग किया, जिससे माचिस आसानी से जलने लगी, लेकिन यह फॉस्फोरस जहरीला था और इससे काम करने वाले मजदूरों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता था। इस समस्या को दूर करने के लिए स्वीडन के वैज्ञानिक गुस्ताफ पास्च और बाद में जोहान लुंडस्ट्रॉम ने "सेफ्टी माचिस" विकसित की। इसमें लाल फॉस्फोरस को तीली पर नहीं, बल्कि माचिस की डिब्बी की साइड पर लगाया गया। इससे माचिस ज्यादा सुरक्षित हो गई और आज भी हम इसी प्रकार की माचिस का उपयोग करते हैं। इस तरह माचिस की खोज कई वैज्ञानिकों के प्रयासों का परिणाम है, जिसने मानव जीवन को सरल और सुविधाजनक बना दिया। आज माचिस हमारे दैनिक जीवन का एक सामान्य और बेहद उपयोगी साधन बन चुकी है।

वैज्ञानिक के बारे में

जॉन वॉकर का व्यक्तिगत जीवन अत्यंत सरल और सादगीपूर्ण था, लेकिन उनकी खोज ने उन्हें इतिहास में विशेष स्थान दिलाया। उनका जन्म 29 मई 1781 को इंग्लैंड के स्टॉकटन-ऑन-टीज में हुआ था। वे पेशे से एक केमिस्ट और दवा विक्रेता थे तथा अपनी दुकान पर दवाइयां बनाते हुए खाली समय में रसायनों के साथ प्रयोग किया करते थे। स्वभाव से वे शांत, जिज्ञासु और मेहनती थे। उन्हें न तो अधिक प्रसिद्धि की चाह थी और न ही धन कमाने की लालसा, यही कारण रहा कि उन्होंने माचिस की खोज का पेटेंट भी नहीं कराया। उनके इस निर्णय का लाभ बाद में अन्य लोगों ने उठाया। जॉन वॉकर ने विवाह नहीं किया और अपना पूरा जीवन अपने काम व प्रयोगों को समर्पित कर दिया। 1 मई 1859 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी खोज आज भी दुनियाभर में उपयोगी बनी हुई है।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वन्यजीव लेखक, जयपुर

प्रकृति की हर रचना के पीछे एक सुस्पष्ट उद्देश्य और जीवन का गहरा विज्ञान छिपा होता है। पक्षियों के लिए घोंसला महज तिनकों का संकलन नहीं, बल्कि उनके वंश की सुरक्षा का एक अभेद्य दुर्ग है। ये नीड़ न केवल उन्हें प्रकृति के थपेड़ों–सर्दी, गर्मी और बरसात से बचाते हैं, बल्कि शत्रुओं से सुरक्षा का एक मनोवैज्ञानिक और भौतिक कवच भी प्रदान करते हैं। वर्षावनों की सघनता हो या ग्रामीण अंचलों की शांति, परिंदों ने अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए ऐसे समाधान खोजे हैं, जो आधुनिक इंजीनियरिंग को भी विस्मय में डाल देते हैं।

सृष्टि के स्मार्ट सर्जक

बया: वास्तुकला की बेजोड़ किलेबंदी

भारतीय परिवेश में यदि पक्षियों के कलात्मक कौशल की बात हो, तो नन्हें 'बया' का नाम सर्वोपरि है। बया का घोंसला किसी कलात्मक उल्टे लटके थैले जैसा दिखता है, जिसे वह टहनियों के सबसे लचीले और संकरे सिरों पर बड़ी कुशलता से बुनती है। बया के घोंसले का असली रहस्य इसकी लंबी और संकरी प्रवेश सुरंग में छिपा है। जब कोई सांप या शिकारी पक्षी अंदर पहुंचने का प्रयास करता है, तो उसे इस झूलती हुई संकरी नली से गुजरना पड़ता है। चूंकि घोंसला अत्यंत लचीली टहनी पर होता है, शिकारी का भारी वजन उसे हिला देता है और वह अपना संतुलन खोकर नीचे गिर जाता है। जहां मैनाकिन शिकारी को मनोवैज्ञानिक भ्रम में छकाती है, वहीं बया अपनी संरचनात्मक बुनावट से शिकारी के लिए रास्ता ही दुर्गम और असंभव बना देती है।

ब्लू मैनाकिन: लहराती पूंछ और दृश्य-भ्रम का विज्ञान

ब्राजील के दक्षिण-पूर्वी जंगलों में जब हवा का झोंका आता है, तो पेड़ों की डालियों से काई और घास की लंबी-लंबी लटें झूलती दिखाई देती हैं। पहली नजर में ऐसा भ्रम होता है मानो किसी ने मोटे हरे रेशमी धागों की कोई झालर टांक दी हो, लेकिन यह कोई साधारण सजावट नहीं, बल्कि अस्तित्व की रक्षा का एक चतुर और सूझबूझ भरा सुरक्षा उपाय है। यह 'ब्लू मैनाकिन' पक्षी का घोंसला है, जिसने हाल ही में जीव विज्ञानियों को चकित किया है। ब्लू मैनाकिन का घोंसला ऊपर से छोटा और प्यालेनुमा होता है, लेकिन इसके नीचे लटकती काई और रेशों की लंबी 'पूंछ' इसे अद्वितीय बनाती है। हवा में लहराती ये लटें दरअसल एक सुरक्षा कवच का काम करती हैं। इस पूंछ की लंबाई कभी-कभी दो मीटर तक पहुंच जाती है। हाल ही में विज्ञान पत्रिका 'बायलॉजी लैटर्स' में प्रकाशित एक शोध के अनुसार, बड़े शिकारी पक्षी इन लटों को देख तो लेते हैं, पर यह नहीं समझ पाते कि इनके शीर्ष पर घोंसला भी हो सकता है। दरअसल, घोंसले का जाना-पहचाना गोल आकार इन बिखरी हुई रेखाओं के बीच पूरी तरह लुप्त-सा जाता है। विज्ञान की भाषा में इसे 'डिस्रप्टिव कैमुफ्लाज' (विघटनकारी छलावरण) कहते हैं - एक ऐसा दृश्य-भ्रम जहां असली आकृति अपनी पहचान खोकर प्राकृतिक परिवेश में विलीन हो जाती है। एक प्रयोग में शोधकर्ताओं ने कुछ घोंसलों की ये लटकती पूंछें हटा दीं और कुछ को यथावत रहने दिया। परिणाम चौंकाने वाले थे जिन घोंसलों की पूंछ नहीं थी, उन पर शिकारियों के लगभग दस गुना अधिक हमले हुए। प्रयोग से यह प्रमाणित हुआ है कि प्रकृति में कभी-कभी 'दिखना' ही 'छिपने' का सबसे सुरक्षित तरीका होता है।

रक्षा के दो बेजोड़ दर्शन: एक नजर में

प्रकृति ने इन नन्हें पक्षियों को जो 'सर्वाइवल स्किल्स' दी हैं, वे उनकी बुद्धिमत्ता का जीवंत प्रमाण हैं। जहां ब्राजील की ब्लू मैनाकिन दृश्य-भ्रम पर भरोसा करती है, वहीं भारतीय बया अपनी सुरक्षा के लिए जटिल वास्तुकला का सहारा लेती है। मैनाकिन की लंबी पूंछ घोंसले के वजूद को शिकारी की नजरों से ओझल करने वाला पर्दा है, तो बया का शिल्प कौशल एक ऐसा फिल्टर है, जहां से यह पक्षी खुद तो अंदर आ-जा सकता है, लेकिन बड़े सांप या शिकारी पक्षी संतुलन खोकर नीचे गिर जाते हैं।

गंध और दृष्टि का संतुलन

दिलचस्प तथ्य यह है कि मैनाकिन की यह तकनीक केवल उन शिकारियों पर प्रभावी है, जो दृष्टि का इस्तेमाल करते हैं। सांप या छोटे स्तनधारी शिकारी जो गंध से शिकार तलाशते हैं, उनके लिए यह पक्षी एक और युक्ति अपनाता है। ये अपने घोंसले जलस्रोतों के ठीक ऊपर लटकी पतली टहनियों पर बनाते हैं, जहां गंध का पीछा करने वाले जीवों के लिए पहुंचना लगभग नामुमकिन होता है।

कल्पनाशीलता ही सबसे बड़ी शक्ति

घोंसला पक्षियों के शिशुओं के लिए केवल आश्रय नहीं, बल्कि एक विकसित और सूझबूझ भरा अनुकूलन है। इन नन्हें परिंदों की दुनिया हमें सिखाती है कि सुरक्षा के लिए हमेशा शारीरिक शक्ति की आवश्यकता नहीं होती। कभी सूझबूझ भरी बुद्धिमानी, तो कभी समझदारी से बुना गया शिल्प ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच बन जाता है। मैनाकिन की लहराती पूंछें हों या बया की सूक्ष्म कलाकारी, जिसमें हर तिनका जीवन की रक्षा के विज्ञान से जुड़ा है। ये जीव अपने सीमित संसाधनों से ऐसी रणनीतियां विकसित करते हैं, जो आधुनिक सुरक्षा-डिजाइन की अवधारणाओं को भी प्रेरित कर सकती हैं। अंततः यह संघर्ष केवल परिंदों का नहीं, बल्कि इस सार्वभौमिक सत्य का है कि अस्तित्व की लड़ाई में कल्पनाशीलता ही सबसे बड़ी शक्ति है।

वैज्ञानिक फैक्ट

आखिर क्यों उदय और अस्त के समय लाल दिखाई पड़ता है सूर्य

सुबह उगते और शाम को ढलते समय सूरज का लालिमा लिए दिखाई देना एक सामान्य, लेकिन बेहद आकर्षक प्राकृतिक दृश्य है। दिन के समय वही सूरज सुनहरा या पीला नजर आता है, जबकि क्षितिज के पास पहुंचते ही उसका रंग लाल या नारंगी हो जाता है। साथ ही आसमान भी कई रंगों- लाल, पीला, नीला, बैंगनी और नारंगी की छटा बिखेरता नजर आता है। यह परिवर्तन किसी जादू का नहीं, बल्कि विज्ञान का परिणाम है। इस घटना के पीछे 'रेली स्कैटरिंग' यानी प्रकाश का प्रकीर्णन जिम्मेदार होता है। जब सूर्य का सफेद प्रकाश पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करता है, तो वह हवा में मौजूद गैसों, धूल और अन्य सूक्ष्म कणों से टकराकर अलग-अलग दिशाओं में फैल जाता है। सूर्य के प्रकाश में सात रंग होते हैं- लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, जामुनी और बैंगनी। इन सभी रंगों की तरंगदैर्ध्य (वेवलेंथ) अलग-अलग होती है।

बैंगनी और नीले रंग की तरंगदैर्ध्य सबसे छोटी होती है, इसलिए ये रंग वायुमंडल में अधिक बिखर जाते हैं। इसी कारण दिन के समय आसमान हमें नीला दिखाई देता है। वहीं लाल और नारंगी रंग की तरंगदैर्ध्य लंबी होती है, जिससे ये रंग ज्यादा दूरी तय कर पाते हैं और कम बिखरते हैं। सुबह और शाम के समय सूर्य की किरणें पृथ्वी के वायुमंडल से तिरछे कोण पर गुजरती हैं। इस दौरान उन्हें अधिक दूरी तय करनी पड़ती है। परिणामस्वरूप छोटी तरंगदैर्ध्य वाले रंग (नीला और बैंगनी) रास्ते में ही बिखर जाते हैं, जबकि लंबी तरंगदैर्ध्य वाले रंग (लाल और नारंगी) हमारी आंखों तक पहुंचते हैं। यही कारण है कि सूरज उस समय लाल या नारंगी दिखाई देता है और आसमान रंग-बिरंगा हो जाता है। इस समय सूरज जरूर पीले से लाल रंग का लगने लगता हो, लेकिन इसका मतलब ये नहीं होता कि उसका रंग बदल गया है। धूल के बादल, धुंआ और इसी तरह के अन्य तत्व आसमान के रंग पर असर डालते हैं। अगर आप भारत, कैलिफॉर्निया, चिली, ऑस्ट्रेलिया या अफ्रीका के कुछ हिस्सों या लाल रेत वाले इलाकों के नजदीक रहते हैं, तो आपका वातावरण मौसम की स्थिति के आधार पर प्रकाश को प्रतिबिंबित करने वाले कणों से भरा हो सकता है।

हम चले चांद की ओर

नासा ने बीते कल आर्टेमिस 2 मिशन की सफलतापूर्वक लॉन्चिंग कर दी। फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से भारतीय समयानुसार सुबह 3 :54 बजे विशाल एसएलएस रॉकेट ने आसमान में उड़ान भरी। यह 54 साल बाद इंसानों को चांद की ओर ले जाने वाला पहला मानव मिशन है। लॉन्च पूरी तरह सफल रहा और चारों अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित रूप से पृथ्वी की कक्षा में पहुंच गए हैं।

इस मिशन में चार सदस्यीय क्रू शामिल है- रीड वाइसमैन (मिशन कमांडर)
विक्टर ग्लोवर (पायलट) - चांद के पास जाने वाले पहले अश्वेत अंतरिक्ष यात्री।
क्रिस्टीना कोच (मिशन स्पेशलिस्ट) - चांद मिशन पर जाने वाली पहली महिला।
जेरेमी हैनसेन (मिशन स्पेशलिस्ट)- चांद के पास जाने वाले पहले कनाडाई अंतरिक्ष यात्री ये चारों अब ओरियन कैप्सूल में बैठकर चांद की ओर बढ़ रहे हैं। आर्टेमिस 2 लैंडिंग मिशन नहीं है। यह 10 दिन का परीक्षण मिशन है। क्रू चांद के बहुत करीब- लगभग 9600 किलोमीटर तक जाएगा। वे चांद के चारों ओर घूमेंगे और फिर पृथ्वी पर वापस आएंगे। इस दौरान ओरियॉन कैप्सूल की गहरे अंतरिक्ष में काम करने की क्षमता, जीवन रक्षा प्रणाली, नेविगेशन, कम्युनिकेशन और हीट शील्ड की पूरी जांच की जाएगी। वापसी के समय ओरियॉन 40 हजार किलोमीटर प्रति घंटा की तेज गति से पृथ्वी के वायुमंडल में दाखिल होगा।

यह लॉन्च इसलिए ऐतिहासिक है, क्योंकि अपोलो 17 के बाद पहली बार इंसान चांद के इतने करीब जा रहे हैं। यह मिशन आर्टेमिस कार्यक्रम की असली शुरुआत है। इसकी सफलता के बाद नासा आर्टेमिस 3 में चांद पर इंसानों को उतारेगा और आगे चलकर चांद पर स्थायी बेस बनाने की तैयारी करेगा। यह मिशन भविष्य में मंगल ग्रह पर जाने वाले मिशनों की भी नींव रखेगा, साथ ही यह युवा पीढ़ी को अंतरिक्ष विज्ञान की ओर आकर्षित करेगा।

डॉ. राजीव अग्रवाल
लेखक

16 नवंबर सन् 2022 को आर्टेमिस-1 के प्रक्षेपण के साथ इस मिशन की शुरुआत हुई थी। अब क्रू कई दिनों तक चांद की ओर बढ़ता रहेगा। वे चांद के पीछे वाले हिस्से से भी गुजरेंगे, जहां पृथ्वी से रेडियो संपर्क कुछ समय के लिए टूट जाएगा। इस दौरान कई वैज्ञानिक प्रयोग किए जाएंगे। लगभग 10 दिन बाद ओरियॉन कैप्सूल प्रशांत महासागर में पैराशूट की मदद से उतरेगा। नासा की आर्टेमिस 2 मिशन की सफल लॉन्चिंग अंतरिक्ष इतिहास का एक बड़ा पल है। 54 साल बाद इंसान फिर चांद की यात्रा पर निकले हैं। यह मिशन न सिर्फ अमेरिका, बल्कि पूरी मानवता के लिए नई उम्मीद और नई संभावनाएं लेकर आया है।

अप्रैल में आकाश दर्शन

अप्रैल 2026 आकाश को देखने वालों के लिए काफी रोमांचक महीना है। इसमें कोई सूर्य या चंद्र ग्रहण नहीं है, लेकिन पूर्णिमा, उल्का वर्षा, ग्रहों के सुंदर संयोग और गहरी आकाशीय वस्तुएं अच्छा-खासा नजारा दिखाएंगी। हमें सबकुछ आसानी से दिखेगा, बस शहर की रोशनी से दूर जाएं, बाइनोकुलर या छोटा टेलीस्कोप हो, तो बेहतर है। सभी समय यूटीसी में दिए गए हैं (भारतीय समय आईएसटी-यूटीसी+ 5 :30 घंटे)।

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

- **चंद्र पूर्णिमा** - 2 अप्रैल को पूर्णिमा थी। चंद्रमा सूर्य से पृथ्वी के विपरीत स्थित और उसका चेहरा पूरी तरह से रोशन था। यह चरण 2:13 यूटीसी (कोऑर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) पर था। इस पूर्णिमा को प्रारंभिक मूल अमेरिकी जनजातियों द्वारा पूर्ण कृमि चंद्रमा (पिंग मून) के रूप में जाना जाता था, क्योंकि इसने मॉस पिंक या जंगली ग्राउंड फ्लॉक्स की उपस्थिति को चिह्नित किया, जो पहले वसंत फूलों में से एक है। इस चंद्रमा को स्प्राउटिंग ग्रास मून, ग्रोइंग मून और एग मून के नाम से भी जाना जाता है। कई तटीय जनजातियों ने इसे फिश मून भी कहा जाता है।
- **उच्चतम बिंदु पर बुध-** 3 अप्रैल को बुध ग्रह सूरज से 27.8 डिग्री की सबसे ज्यादा पश्चिमी ऊंचाई पर पहुंचेगा। बुद्ध ग्रह को देखने का यह सबसे अच्छा समय है, क्योंकि यह सुबह आसमान में क्षितिज के ऊपर अपने सबसे ऊंचे बिंदु पर होगा। सूरज उगने से ठीक पहले ग्रह को पूर्वी आसमान में नीचे देखें। बुध ग्रह को देखने का आनंद वाकई अनोखा और रोमांचक होता है। सौरमंडल का सबसे छोटा और सूर्य के सबसे नजदीक ग्रह होने के कारण बुध को 'भूतिया ग्रह' भी कहते हैं। यह ज्यादातर समय सूर्य की चमक में छिपा रहता है, इसलिए इसे देखना चुनौतीपूर्ण, लेकिन बेहद संतोषजनक होता है। बुध सूर्य से कभी ज्यादा दूर नहीं जाता। इसे देखने का सबसे अच्छा समय सूर्योदय से ठीक पहले (सुबह) या सूर्यास्त के तुरंत बाद (शाम) होता है, जब यह क्षितिज के पास चमकदार बिंदु की तरह दिखता है। सूर्यास्त के 30-40 मिनट बाद पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में देखा जाकता है। इसे देखने के लिए साफ क्षितिज चाहिए, शहर की लाइट्स से दूर बेहतर रहेगा। बुध को देखने का आनंद सिर्फ दृश्य नहीं, बल्कि यह एहसास भी है कि आप सूर्य के इतने करीब घूमते एक चट्टानी दुनिया को देख रहे हैं, जहां दिन में 400 सेल्सियस से अधिक तापमान और जहां रात में बेहद ठंड होती है।
- **आकाश में अंधकार-** 17 अप्रैल को अमावस्या (न्यू मून) होगी। इस दिन चंद्रमा सूर्य की तरह पृथ्वी के एक ही तरफ स्थित रहेगा और रात्रि आकाश में दिखाई नहीं देगा। यह खगोलीय घटना 20:30 यूटीसी पर घटित होगी। यह आकाशगंगा और तारा समूहों जैसी धुंधली वस्तुओं का निरीक्षण करने के लिए इस माह का सबसे अच्छा समय है, क्योंकि इन्हें देखने के लिए चांदनी बाधा नहीं बनेगी। ऐसे में रात के आकाश में आकाशगंगा या मंदाकिनी के दर्शन किए जा सकते हैं। नासा की शक्तिशाली हब्बल टेलिस्कोप ने अंतरिक्ष की कई आकाशगंगाओं की तस्वीरें लेने का अद्भुत काम किया है। कई आकाशगंगाएं इतनी दूर हैं कि उनका प्रकाश हम तक पहुंचने में लाखों साल का समय लग जाता है।

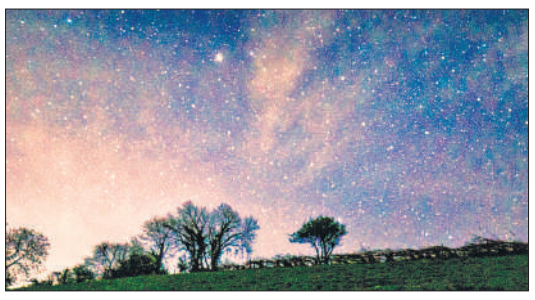

अर्थ शाइन

19-20 अप्रैल को अर्थ शाइन होगी, जिसे हिंदी में पृथ्वी चमक या चंद्र चमक भी कहा जाता है, एक खगोलीय घटना है, जिसमें चंद्रमा के उस भाग पर पृथ्वी से परावर्तित सूर्य की रोशनी पड़ती है, जो हमारी दृष्टि से अंधेरा (अनिलुमिनेटेड) दिखाई देता है। सरल शब्दों में, जब चंद्रमा पतला (क्रिसेंट) आकार का होता है, तो उसके उज्ज्वल किनारे पर सूर्य की सीधी रोशनी पड़ती है, लेकिन अंधेरे भाग पर पृथ्वी की चमक (जो सूर्य से प्राप्त रोशनी को परावर्तित करती है) दिखाई देती है। यह चंद्रमा को दोहरी चमक वाला बनाती है, एक पतली रोशनी की पट्टी और उसके पीछे हल्की, नीली-ग्रे चमक। यह घटना अल्बर्टो डेमोंड (15वीं शताब्दी) द्वारा वर्णित की गई थी और इसे 'पुराना चंद्रमा नई चंद्रमा की गोद में' (ओल्ड मून इन द न्यू मून्स आर्म्स) भी कहा जाता है। अर्थ शाइन पृथ्वी के वायुमंडल और महासागरों के कारण चमकीला होता है, जो सूर्य की रोशनी को फैलाते हैं। इसे देखने का सबसे अच्छा दृश्य नव चंद्रमा (न्यू मून) के 2-3 दिन बाद या पहले, जब चंद्रमा 5-10 प्रतिशत रोशन (इल्यूमिनेटेड) होता है। इस समय चंद्रमा सूर्योदय या सूर्यास्त के करीब होता है और अंधेरा आकाश चमक को उभारता है।

उल्का वर्षा का आनंद

अप्रैल माह में रात के आकाश में उल्का वर्षा का आनंद लिया जा सकता है। 22 व 23 अप्रैल रात के आकाश में लिरिड्स नामक उल्का वर्षा दिखाई देगी। आकाश में कभी-कभी एक ओर से दूसरी ओर अत्यंत वेग से जाते हुए अथवा पृथ्वी पर गिरते हुए, जो पिंड दिखाई देते हैं, उन्हें उल्का (मेट्योर) और साधारण बोलचाल में टूटते हुए तारे अथवा लूका कहते हैं। उल्काओं का जो अंश वायुमंडल में जलने से बचकर पृथ्वी तक पहुंचता है, उसे उल्कापिंड (मेट्योराइट) कहते हैं। प्राय: प्रत्येक रात्रि को उल्काएं अनगिनत संख्या में देखी जा सकती हैं, किंतु इनमें से पृथ्वी पर गिरने वाले पिंडों की संख्या अत्यंत अल्प होती है। एक विशेष समय में रात के आकाश में इनके गिरने की संख्या बढ़ जाती है, तब इसे उल्का वर्षा (मेट्योर शॉवर) कहते हैं। यह एक औसत प्रकार की उल्का वर्षा है, जिसमें आमतौर पर प्रति घंटे लगभग 20 उल्काओं का पात होगा। यह धूमकेतु सी/1861 जी 1 थैचर द्वारा छोड़े गए धूल कणों द्वारा निर्मित उल्का वर्षा है, जिसे वर्ष 1861 में खोजा गया था। उल्का वर्षा 16-25 अप्रैल तक सालाना चलती है। यह इस साल 22 की रात और 23 की सुबह अपने चरम पर होगी। ये उल्कापिंड कभी-कभी चमकीले धूलकणों का उत्पादन कर सकते हैं, जो कई सेकंड तक चलते हैं और टूटते तारों के रूप में दृष्टिगोचर होंगे। सर्वश्रेष्ठ दृश्य आधी रात के बाद किसी अंधेरे स्थान से दिखाई दे सकता है। उल्का नक्षत्र लियरा से आते दिखाई देंगे, लेकिन आकाश में कहीं भी दिखाई दे सकते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	73,319.55	22,713
बढ़त	185.23	33.70
प्रतिशत में	0.25	0.15

सोना 1,51,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,37,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एनटीपीसी ने 2025-26 में जोड़ी रिकॉर्ड 9.6 गीगावाट क्षमता

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 432.2 अरब यूनिट बिजली का उत्पादन किया है। एनटीपीसी ने बताया कि उसने इस दौरान अपने नेटवर्क में 9,619 मेगावाट (लगभग 9.6 गीगावाट) की रिकॉर्ड नयी उत्पादन क्षमता भी जोड़ी है। कंपनी की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष में जोड़ी गई कुल क्षमता में से 5,488 मेगावाट क्षमता सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल विद्युत परियोजनाओं की है।

बढ़ेंगे महिंद्रा एसयूपी और वाणिज्यिक वाहनों के दाम

मुंबई। वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शुक्रवार को कहा कि वह आगामी छह अप्रैल से अपने गैर-इलेक्ट्रिक एसयूवी और वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में 2.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने इस मूल्य वृद्धि का कारण लागत में बढ़ोतरी को बताया है। कंपनी ने बयान में कहा कि महिंद्रा एंड महिंद्रा अपने (आईसीई-पेट्रोल/डीजल आधारित) एसयूवी और वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में 2.5 प्रतिशत तक की वृद्धि की घोषणा करती है। सभी मॉडल पर यह औसत बढ़ोतरी 1.6 प्रतिशत होगी।

कोल इंडिया की बिक्री 6 माह में पहली बार बढ़ी

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने मार्च महीने के दौरान छह माह में पहली बार बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की है। यह बढ़ोतरी पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण गैस की कमी के बीच, गर्मियों में कोयले की सबसे ज़्यादा मांग से पहले कोयले का ज़्यादा स्टॉक की स्थिति को दर्शाती है। कोल इंडिया का देश के कुल कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से ज़्यादा का हिस्सा है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में सीआईएल द्वारा कोयले की बिक्री या ग्राहकों को आपूर्ति 0.7 प्रतिशत बढ़कर 6.95 करोड़ टन हो गई।

ओला ने रोडस्टर 9.1 की कीमत 60,000 घटाई

नयी दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी प्रमुख इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रोडस्टर एक्स 9.1 केडब्ल्यूएच की कीमत में 60,000 रुपये की कटौती की बृहस्पतिवार को घोषणा की। यह मोटरसाइकिल कंपनी के 4680 भारत सेल से लैस है। कंपनी बयान के अनुसार, यह कदम उसकी गिगाफैक्ट्री में बड़े पैमाने पर उत्पादन बढ़ने और स्वदेशी रूप से विकसित 4680 भारत सेल के एकीकरण के कारण संभव हुआ है। सेल उत्पादन बढ़ने के साथ लागत दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है जिससे इन लाभों को सीधे ग्राहकों तक पहुंचाना है।

पेट्रोरसायन उत्पादों पर आयात शुल्क में छूट, 1800 करोड़ का पड़ेगा बोझ

30 जून तक प्लास्टिक, पैकेजिंग, वस्त्र, दवा, रसायन, मोटर वाहन घटकों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने गुरुवार को महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर तीन महीने यानी 30 जून तक सीमा शुल्क से छूट देने की घोषणा की।

पश्चिम एशिया में संकट के बीच आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करने एवं उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए यह कदम उठाया गया है। इससे प्लास्टिक, पैकेजिंग, वस्त्र, दवा, रसायन, मोटर वाहन घटक तथा अन्य विनिर्माण क्षेत्रों जैसे पेट्रोरसायन कच्चा माल और मध्यवर्ती वस्तुओं पर निर्भर उद्योगों को लाभ मिलेगा। इस कदम से सरकारी खजाने पर लगभग 1,800 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा।

वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधान को देखते हुए सरकार ने 30 जून तक महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों पर पूर्ण सीमा शुल्क छूट देने का फैसला किया है।

● मेथनॉल, एनहाइड्रस अमोनिया, टॉलुइन, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमिथेन विनाइल क्लोराइड मोनोमर, पॉली ब्यूटाडाइन, स्टाइरीन ब्यूटाडाइन और अनसैचुरेटेड पॉलिएस्टर रेजिन को सीमा शुल्क छूट दी गई है।

मंत्रालय ने कहा कि यह कदम एक अस्थायी एवं लक्षित राहत उपाय के रूप में उठाया गया है, ताकि घरेलू उद्योग के लिए आवश्यक पेट्रोरसायन कच्चे माल की उपलब्धता बनी रहे और प्रसंस्करण क्षेत्रों पर लागत का दबाव कम हो तथा देश में आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। इससे अंतिम उत्पादों के उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी।

मेथनॉल, एनहाइड्रस अमोनिया, टॉलुइन, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमिथेन (मेथिलीन क्लोराइड), विनाइल क्लोराइड मोनोमर, पॉली ब्यूटाडाइन, स्टाइरीन ब्यूटाडाइन और अनसैचुरेटेड पॉलिएस्टर रेजिन को सीमा शुल्क छूट दी गई है।

पश्चिम एशिया युद्ध के कारण शिपिंग मार्गों में व्यवधान से उर्वरक, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के आयात को लेकर चिंता बढ़ गई है।

भारत उर्वरक एवं पेट्रोलियम का बड़ा आयातक है। अमेरिका और इजराइल के 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले शुरू करने और तेहरान की व्यापक जवाबी कार्रवाई के बाद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सरकार ने पिछले सप्ताह वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के असर से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर घटा दिया था।

साथ ही डीजल पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और विमान ईंधन (एटीएफ) पर 29.50 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया गया है। फिलहाल पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क तीन रुपये प्रति लीटर और डीजल पर शून्य है।

रुपये में उछाल से सेंसेक्स 185 अंक चढ़ा, निफ्टी 22,700 के पार

मुंबई, एजेंसी। स्थानीय शेयर बाजार बृहस्पतिवार को शुरुआती गिरावट से उबरते हुए बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 185 अंक चढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी 22,713 अंक के ऊपर पार निकल गया। शेयरों की निचले स्तर पर लिवाली और रुपये में तेज बढ़त से बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के निचले स्तर से 2,000 से अधिक अंक की वापसी करते हुए अंत में 185.23 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73,319.55 अंक पर बंद हुआ।

सूचकांक गिरावट के साथ खुला और कारोबार के पहले भाग में 1,588 अंक टूटकर दिन के निचले स्तर 71,545.81 अंक पर आ गया। एचसीएल टेक और टीसीएस जैसी आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों और एचडीएफसी बैंक तथा आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख बैंकों में मजबूत लिवाली से सूचकांक को भारी नुकसान से उबरने में मदद मिली और कारोबार समाप्त होने से पहले यह 73,568.54 अंक के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

पूर्वोत्तर में IIA की पहल

एमएसएमई क्षमता और प्रत्यक्ष निवेश को मिलेगा बढ़ावा

नमसाई, अरुणाचल प्रदेश

● राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल के नेतृत्व में अरुणाचल पहुंचा उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल

पूर्वोत्तर भारत के औद्योगिक परिदृश्य को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (IIA) ने इस क्षेत्र में अपनी रणनीतिक एंट्री की घोषणा की है। IIA के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल आज नमसाई पहुंचे, उनके साथ विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व वाला एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद रहा।

इसके तहत स्थानीय उद्यमियों को शुरूआत से लेकर राष्ट्रीय बाजारों में विस्तार और वैश्विक स्तर तक पहुंचने के लिए संपूर्ण मार्गदर्शन (एंड-टू-एंड हैंडहोल्डिंग) प्रदान किया जाएगा।

उच्चस्तरीय सरकारी वार्ता प्रतिनिधिमंडल की उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के साथ महत्वपूर्ण बैठकें प्रस्तावित हैं। इन बैठकों में MSME विकास को छात्रों के करियर प्रोफाइल से जोड़ने और औद्योगिक सहयोग को राज्य की आर्थिक नीति का मुख्य हिस्सा बनाने पर चर्चा होगी।

आईआईए अध्यक्ष दिनेश गोयल ने बताया कि हमारा लक्ष्य पूर्वोत्तर को एमएसएमई का सशक्त केंद्र बनाना है। अरुणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्ट्डीज जैसे संस्थानों के साथ साझेदारी, राज्य नेतृत्व के साथ संवाद और प्रत्यक्ष निवेश के माध्यम से हम केवल उद्योग नहीं बना रहे, बल्कि अरुणाचल प्रदेश के लिए एक स्थायी आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार कर रहे हैं। IIA की इस पहल से क्षेत्र की आर्थिक संभावनाओं को नई दिशा मिलने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय व्यवसायों को देश के अग्रणी औद्योगिक संगठनों में से एक का समर्थन और नेटवर्किंग का लाभ मिलेगा।

इन बातों पर रहेगा ध्यान

- **आपसी राज्य निवेश :** स्थानीय उत्पादों के विकास को बढ़ावा देने और औद्योगिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पूंजी आकर्षित करना।
- **पारंपरिक क्षेत्र का आदान-प्रदान :** क्षेत्र के विशिष्ट पारंपरिक उद्योगों और व्यवसायों के आधुनिकीकरण एवं आपसी समझ को बढ़ावा देना
- उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटना
- इसके अलावा IIA अरुणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने जा रहा है। इस साझेदारी का उद्देश्य होगा-इंडस्ट्री-अकादमिक कनेक्ट। जिसके तहत शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को वास्तविक औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप बनाने की दिशा में काम किया जाएगा।

अप्रत्यक्ष कर संग्रह 15.52 लाख करोड़ रुपये के पार

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार का अप्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2025-26 में संशोधित अनुमान से मामूली रूप से अधिक रहा है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। संशोधित अनुमान के अनुसार, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सहित कुल अप्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2025-26 में 15.52 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहने का अनुमान है। इसमें सीमा शुल्क 2.58 लाख करोड़ रुपये, उत्पाद शुल्क 3.38 लाख करोड़ रुपये और केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) 9.58 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। बताया कि सीमा शुल्क राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 के लिए संशोधित अनुमान का 102 प्रतिशत रहा।

श्वेतक्रांति: 51 हजार महिलाएं बनीं उद्यमी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश के तराई क्षेत्र में आई श्वेतक्रांति ने महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। बरेली, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, शाहजहांपुर, सीतापुर और रामपुर समेत छह जिलों के 1500 गांवों में 51 हजार महिलाएं दुग्ध व्यवसाय के जरिए उद्यमी बन चुकी हैं। इन महिलाओं के खातों में हर महीने 3, 13 और 23 तारीख को नियमित भुगतान पहुंच रहा है, जिससे उनकी आय स्थिर और भरोसेमंद बनी है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं उत्पादन से लेकर संग्रहण और विपणन तक की पूरी जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

● 250 करोड़ से ज्यादा कारोबार 1500 गांवों में फैला दुग्ध व्यवसाय

● छह जिलों में महिलाओं ने बदली ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर

सृजनी एमपीसीएल के नेतृत्व में तराई क्षेत्र में प्रतिदिन एक लाख लीटर से अधिक दूध का संग्रहण और बिक्री हो रही है। अब तक महिलाएं सवा दो सौ करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर चुकी हैं। जो क्षेत्र पहले पिछड़े माने जाते थे, वे अब महिला उद्यमिता के नए केंद्र बन गए हैं।

तराई की यह श्वेतक्रांति केवल आर्थिक उन्नति नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का भी मजबूत उदाहरण बन रही है, जहां महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति दे रही हैं।

युवा उद्यमी योजना में आजमगढ़ दूसरे व हरदोई तीसरे स्थान पर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर संचालित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में अहम साबित हो रहा है। जिलावार प्रदर्शन में जौनपुर ने 151.56 प्रतिशत उपलब्धि के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि आजमगढ़ 149.96 प्रतिशत के साथ दूसरे और हरदोई तीसरे स्थान पर रहा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के तहत लक्ष्य से अधिक आवेदन आए और बड़े पैमाने पर युवाओं को लोन वितरित किया गया। प्रदेश में 1.5 लाख लोन वितरण के लक्ष्य के सापेक्ष 3,86,092 युवाओं ने आवेदन किया। इनमें से 3,30,441 आवेदन बैंकों को भेजे गए, जबकि 1,45,454 को स्वीकृति मिली।

अब तक 1,38,304 युवाओं को लोन वितरित किया जा चुका है। जौनपुर ने लक्ष्य से 151.56 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। जिले में 2,700 के लक्ष्य के मुकाबले 4,092 युवाओं को लोन मिला। प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाकर युवाओं को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ने का असर साफ दिखा।

आजमगढ़ ने 149.96 प्रतिशत उपलब्धि के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जहां ब्लॉक स्तर पर वर्कशॉप और काउंसिलिंग से युवाओं को जोड़ा गया। हरदोई ने 3,226 युवाओं को लोन देकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। झांसी ने चौथा स्थान प्राप्त किया, जबकि लखीमपुर खीरी पांचवें स्थान पर रहा। अंबेडकरनगर, बहराइच, चित्रकूट और बलिया का प्रदर्शन भी बेहतर रहा।

लंदन में 'झुमका बासमती' का वैश्विक आगाज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● बरेली की प्रसिद्ध लाल मिर्च, येलो चिली तथा मसालों पर मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया

● यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, पोलैंड, चीन व संयुक्त राज्य अमेरिका ने दिखाई रुचि

अतिथियों को बरेली का उपहार सौंपते प्रगतिशील किसान अनिल साहनी।

अमृत विचार : लंदन में 30 मार्च से 1 अप्रैल तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय खाद्य एवं पेय कार्यक्रम (आईएफई) में उत्तर प्रदेश ने कृषि उत्पादों का वैश्विक प्रदर्शन कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

खासकर अंतराष्ट्रीय मंच पर बरेली के गॉडसन ऑर्गेनिक फार्म का झुमका बासमती, हंसराज बासमती व तिलक चंदन जैसी पारंपरिक सुगंधित धान कई देशों को पसंद आया।

बरेली की प्रसिद्ध लाल मिर्च, येलो चिली तथा अन्य उच्च गुणवत्ता वाले मसालों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, पोलैंड, चीन और अमेरिका के संस्थागत खरीदारों के साथ-साथ विश्वभर के प्रख्यात शेफ एवं पाक-कला विशेषज्ञों ने पारंपरिक जैविक किस्मों में गहरी रुचि दिखाई। इससे निर्यात की संभावना बढ़ गई। प्रदेश के पांच प्रमुख कृषि उत्पादकों ने चावल, शहद, मसाला, फल समेत अन्य उत्पादों का प्रदर्शन करके राज्य की समृद्ध कृषि परंपरा और गुणवत्ता का परिचय दिया।

निर्यात के लिए खुले नए द्वार : अनिल साहनी

बरेली। बरेली के प्रगतिशील उद्यमी अनिल कुमार साहनी (गॉडसन ऑर्गेनिक फार्म) ने इवेंट में वैश्विक स्तर पर जनपद का मान बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश से चयनित मात्र 5 प्रतिभागियों में शामिल अनिल साहनी की संस्था द्वारा विकसित पेटेंटेड धान किस्म 'झुमका बासमती' और लुप्तप्राय सुगंधित किस्म 'तिलक चंदन' अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में आकर्षण का मुख्य केंद्र रहीं। अनिल कुमार साहनी ने बताया कि इस वैश्विक मंच ने उत्तर प्रदेश के किसानों की पहुंच सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक सुनिश्चित की है। इससे न केवल पारंपरिक कृषि पद्धतियों और विरासत उत्पादों के संरक्षण को मजबूती मिलेगी, बल्कि किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य भी प्राप्त होगा। इवेंट के सकारात्मक परिणाम स्वरूप बरेली की इन प्रीमियम धान किस्मों के निर्यात हेतु कई महत्वपूर्ण व्यापारिक समझौते शुरू हुए हैं। ये समझौते वैश्विक 'स्पेशलिटी राइस मार्केट' में भारत और उत्तर प्रदेश की उपस्थिति को और अधिक सशक्त करेंगे।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

केरल में यूडीएफ-एलडीएफ से तंग आ चुके हैं लोग : प्रधानमंत्री

मोदी ने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से ऑनलाइन किया संवाद

नयी दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को केरल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं से कहा कि तिरुवनंतपुरम में स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी को मिली सफलता नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के लिए बढ़ते समर्थन की लहर को दर्शाती है। मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुए संवाद में कहा कि यह स्पष्ट है कि इस बार केरल न केवल एक नयी सरकार, बल्कि एक नयी व्यवस्था भी चुनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लहर है।

तिरुवनंतपुरम ने एक नयी मिसाल कायम की है। अब तक वाम दलों और कांग्रेस दोनों का मानना था कि कुशासन या कुप्रबंधन की परवाह किए बिना वे बारी-बारी से सत्ता में आ सकते हैं। हालांकि, तिरुवनंतपुरम ने इस धारणा को चकनाचूर कर दिया है। मोदी ने कहा कि नतीजतन, संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) अब एक-दूसरे पर हमले करने के बजाय भाजपा को निशाना बना रहे हैं... लोग यूडीएफ और एलडीएफ द्वारा की जा रही लूट से तंग आ चुके हैं। संवाद में प्रधानमंत्री ने मौके पर खरा उतरने के महत्व को रेखांकित किया और इस बाबत केरल के क्रिकेट खिलाड़ी संजू सैमसन का उदाहरण दिया। मोदी ने कहा कि हम अक्सर संजू सैमसन के प्रदर्शन में यह देखते हैं। विश्व कप के दौरान, जब टूर्नामेंट अपने निर्णायक नॉकआउट चरणों में पहुंचा, तो उनका प्रदर्शन चरम पर था। एक महान खिलाड़ी हमेशा तब बेहतरीन प्रदर्शन करता है, जब उसकी टीम को उसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

महिलाओं पर टिप्पणी को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने यूडीएफ उम्मीदवार का चुनाव प्रचार रोका

पलक्कड़, एजेंसी। भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समूह ने बुधवार रात पलक्कड़ चुनाव क्षेत्र में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के उम्मीदवार रमेश पिशारडी के चुनाव प्रचार को रोक दिया, जिससे चुनाव के इस अहम समय में राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा की प्रदेश महासचिव और राजग उम्मीदवार शोभा सुरेंद्रन ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन श्री पिशारडी की उन टिप्पणियों के खिलाफ था, जो उन्होंने हाल ही में यौन उत्पीड़न के एक मामले में फिल्म निर्देशक रंजीत की गिरफ्तारी को लेकर की थीं। उन्होंने श्री पिशारडी पर इस गंभीर मुद्दे को हल्का बनाने का आरोप लगाया। श्री पिशारडी ने घेराव की निंदा करते हुए कहा कि लोकतंत्र में उम्मीदवारों को सभी क्षेत्रों में वोट मांगने का अधिकार है। तनाव को देखते हुए बाद में यूडीएफ की टीम वहां से हट गयी। केरल में नौ अप्रैल को होने वाले चुनावों के लिए राजग, यूडीएफ और एलडीएफ के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है।

असम के कालियाबोर में जनसभा में स्थानीय प्रत्याशियों के साथ गृहमंत्री अमित शाह।

कांग्रेस ने घुसपैठियों को सौंप दिया था काजीरंगा, राजग ने बचाया : शाह

कालियाबोर (असम), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने राज्य में अपने 15 साल के शासन के दौरान असम के विकास के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने यहां चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने विश्व प्रसिद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान को घुसपैठियों के हवाले कर दिया, जिन्होंने वन भूमि पर अतिक्रमण किया और एक सींग वाले गैंडों को खतरे में डाल दिया। उन्होंने कहा कि यह राजग सरकार थी जिसने अतिक्रमणकारियों को हटाया और यह सुनिश्चित किया कि काजीरंगा एक बार फिर विश्व पर्यटन मानचित्र पर आए। कहा कि कांग्रेस शासन में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह असम से राज्यसभा सदस्य थे, लेकिन न तो उस समय की केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकार ने इसके लिए कुछ किया। दो दिवसीय दौरे पर आए शाह ने कालियाबोर में भाजपा के सहयोगी दल असम गण परिषद (एजीपी) के उम्मीदवार और मंत्री केशव महंत के लिए प्रचार किया।

भाजपा किसी धर्म-भाषा के खिलाफ नहीं : गडकरी

गुवाहाटी, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा किसी भी जाति, धर्म या भाषा के खिलाफ नहीं है और विविधता में एकता ही हमारी विशेषता है। असम के पलाशबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विशिष्ट धर्म के लोगों को मतदान का अधिकार देने में दी गई छूट संविधान के मार्गदर्शन के अनुसार है। गडकरी ने कहा कि भाजपा किसी जाति, क्षेत्र, धर्म या भाषा के खिलाफ नहीं है। लेकिन जो विदेशी नागरिक आते हैं, क्या उन्हें मतदान का अधिकार दिया जाना चाहिए? फिर आप सबका क्या होगा? दावा किया कि संविधान इस संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करता है क्योंकि सिख, हिंदू, बौद्ध, जैन निर्वासित हैं और उनका कोई दूसरा देश नहीं है।

न्यायिक अधिकारियों पर हमला निंदनीय, भाजपा रच रही साजिश : ममता

सुति/सागरदिघी (पश्चिम बंगाल), एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव मामले में गुरुवार को भाजपा और निर्वाचन आयोग को निशाना बनाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर बंगाल में अशांति फैलाने और अंतत: विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिए साजिश रचने का आरोप लगाया। मुर्शिदाबाद जिले के सागरदिघी और सुति में रैलियों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने सधे हुए शब्दों में भाजपा पर तीखा हमला किया और लोगों से भाजपा के दंगों के जाल में नहीं फंसने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि निर्वाचन आयोग के हस्तक्षेप के बाद प्रशासनिक शक्तियां छीन लिए जाने के बावजूद वह राजनीतिक रूप से लड़ाई लड़ रही हैं।

द्रमुक शासन में अपराधों में वृद्धि : पलानीस्वामी

धर्मपुरी (तमिलनाडु), एजेंसी। अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार जन सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है, और दावा किया कि सरकार ने स्वयं राज्य में लगभग 18,000 पॉक्सो मामलों के पंजीकरण को स्वीकार किया है। धर्मपुरी में रैली को संबोधित करते हुए, विधानसभा में विपक्ष के नेता ने अपने दावे के समर्थन में विधानसभा में महिला सशक्तीकरण मंत्री पी. गीता जीवन के बयान का हवाला दिया।

एलडीएफ और सीएम विजयन पीएम मोदी की बी-टीम : प्रियंका

तिरुवनंतपुरम/कोल्लम, एजेंसी

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने बृहस्पतिवार को केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बी-टीम होने और राज्य में सत्ता में बने रहने के लिए हताशा में भाजपा के साथ गुपचुप तरीके से हाथ मिलाने का आरोप लगाया। केरल विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के चुनाव अभियान के तहत तिरुवनंतपुरम के पुतनतोपु में एक नुक्कड़ सभा में प्रियंका ने आरोप लगाया कि मोदी ने पश्चिम एशिया संघर्ष के संबंध में अमेरिका और इजराइल के सामने झुककर ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जहां भारत को भी अन्य देशों के साथ-साथ नुकसान उठाना पड़ेगा। न्होंने आरोप लगाया कि हमारे प्रधानमंत्री कायर, बिना रीढ़ के और दबाव में हैं। हम हर दिन इसकी कीमत चुका रहे हैं क्योंकि उनमें भारत के लिए खड़े होने का साहस नहीं है... उन्होंने तिरुवनंतपुरम के कोल्लम और कौडियार में यूडीएफ की जनसभाओं में अपने आरोपों को दोहराया। यह भी आरोप लगाया कि मोदी की नीतियों ने खाड़ी क्षेत्र में चल रहे संघर्ष के दौरान वहां फंसे भारतीयों को सुरक्षा और संरक्षा प्रदान नहीं की।

राहुल गांधी ने जारी किया असम के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र

बोकाजन (असम), एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें शासन और स्वास्थ्य सेवा जैसे 11 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यहां एक चुनावी रैली में राहुल गांधी, कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र के 11 संकल्पों में शासन, पहचान, स्वास्थ्य सेवा, अवसंरचना विकास, औद्योगीकरण, कृषि, ग्रामीण और शहरी विकास, जलवायु परिवर्तन और सुरक्षित असम जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इससे पहले, कांग्रेस ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की यात्रा के दौरान 29 मार्च को 'पांच गारंटी' जारी की थीं।

यशोदा और कृष्ण... राजा रवि वर्मा की पेंटिंग 167.20 करोड़ रुपये में बिकी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रख्यात भारतीय चित्रकार राजा रवि वर्मा की पेंटिंग 'यशोदा और कृष्ण' बुधवार को मुंबई में सैफ्रोनआर्ट की स्प्रिंग लाइव नीलामी में रिकॉर्ड 167.20 करोड़ रुपये यानी 17,978,495 अमेरिकी डॉलर में बिकी। इसके साथ ही यह नीलामी में बिकने वाली आधुनिक भारतीय कला की अब तक की सबसे अधिक मूल्य वाली कृति बन गई है।

इस पेंटिंग ने पिछले साल एक नीलामी में 118 करोड़ रुपये से अधिक की कीमत में बिकने वाली एमएफ हुसैन की अनाम (ग्राम यात्रा) पेंटिंग के बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। राजा रवि वर्मा की इस कृति का अनुमानित मूल्य 80-120 करोड़ रुपये था और इसे सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक डॉ. साइरस एस पूनावाला ने खरीद लिया।

एमएफ हुसैन का रिकॉर्ड तोड़ा

1890 के दशक में बनी

1890 के दशक में बनाई गई यह कृति भगवान कृष्ण की बाल्यावस्था और माता यशोदा के मातृ प्रेम की एक सूक्ष्म व्याख्या प्रस्तुत करती है। इसे रवि वर्मा की सबसे महत्वपूर्ण और भावपूर्ण रचनाओं में से एक माना जाता है।

प्रतिष्ठित पेंटिंग 'यशोदा और कृष्ण' को प्राप्त करने, संरक्षित करने और उसकी देखभाल करने का अवसर पाकर गर्व महसूस हो रहा है। यह राष्ट्रीय धरोहर समय-समय पर जनता के दर्शन के लिए उपलब्ध होने योग्य है। - **साइरस एस पूनावाला**

केंद्रीय बलों में नेतृत्व का सवाल

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) संशोधन विधेयक, 2026 हाल के दिनों में काफी विवाद का विषय रहा है। सरकार इसे केंद्रीय सशस्त्र बलों के बेहतर समन्वय और सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बता रही है, जबकि खुद सीएपीएफ के कई अधिकारी इसे अपने अधिकारों का हनन मान रहे हैं। विपक्षी दल भी उनका समर्थन कर रहे हैं। सीएपीएफ के अधिकारियों की सबसे बड़ी आपत्ति विधेयक के उस प्रावधान को लेकर है जिसमें भारतीय पुलिस सेवा के अफसरों को इन बलों का नेतृत्व देने का रास्ता साफ किया गया है। हाल ही में सीएपीएफ अधिकारियों की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दिए गए एक ज्ञापन में कहा गया था कि इस प्रावधान से वे अपनी ही सेवा में दोयम दर्जे के नागरिक बन जाएंगे। हालांकि, इसके बावजूद यह विधेयक राज्यसभा में पारित किया जा चुका है और उसे लोकसभा में रखा जाना है।

सीएपीएफ विधेयक

सरकार की ओर से तर्क

- बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी जैसे बलों के लिए एक समान कानूनी ढांचा तैयार करना।
- नियमों में स्पष्टता लाने के लिए सशस्त्र बलों में भर्ती, पदोन्नति, वरिष्ठता और सेवा की अन्य शर्तों से जुड़ी विसंगतियों को दूर करना।
- आईपीएस अधिकारियों के पास राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय का अनुभव होता है, जो आंतरिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।
- सरकार का मानना है कि इससे कानूनी सुदृढ़ीकरण में मदद मिलेगी, सेवा संबंधी मामलों में होने वाली मुकदमेबाजी भी घटेगी।

सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसले

- सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में सीएपीएफ अधिकारियों को ऑर्गनाइज्ड ग्रुप ए सर्विस का दर्जा देते हुए उन्हें नॉन-फंक्शनल फाइनेंशियल अपग्रेडेशन का लाभ देने का निर्देश दिया था ताकि उन्हें अन्य सिविल सेवाओं के समान वित्तीय लाभ मिलें।
- अदालत ने 2025 में निर्देश दिया था कि शीर्ष पदों पर आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति को धीरे-धीरे कम किया जाए ताकि सीएपीएफ के अपने कैडर अधिकारियों को नेतृत्व करने और शीर्ष पदों तक पहुंचने के पर्याप्त अवसर मिले।

विधेयक के मुख्य प्रावधान

- इसके तहत महानिदेशक और विशेष महानिदेशक जैसे 100% शीर्ष पद आईपीएस अधिकारियों के लिए आरक्षित किए गए हैं।
- अतिरिक्त महानिदेशक यानी एडीजी के कम से कम 67%, आईजी के 50% पद भी आईपीएस अफसरों के लिए सुरक्षित रहेंगे।
- केंद्र सरकार को इस विधेयक की धारा 3 के तहत सेवा शर्तों और भर्ती के नियम बनाने के लिए व्यापक अधिकार दिए गए हैं।
- विपक्ष ने कहा है कि न्यायपालिका के फैसलों को पलटा जा रहा है, वास्तविक मुद्दे सुलझाने के बजाय नौकरशाही नियंत्रण बढ़ाया है।

विरोध के प्रमुख कारण

- आरोप है कि विधेयक लाकर कोर्ट का वह फैसला पलटा जा रहा है जिसमें आईपीएस कोटा कम करने को कहा गया था।
- सीएपीएफ अधिकारियों का कहना है कि वे कभी अपने बल के प्रमुख नहीं बन पाएंगे। इससे उनमें निराशा पैदा हो रही है।
- यह भी तर्क है कि जो अधिकारी दशकों से लड़ रहे हैं, वे बाहरी आईपीएस अधिकारियों की तुलना में बल को बेहतर समझते हैं।
- विपक्ष इसे संस्थागत अन्याय करार दे रहा है, जहां लड़ाई कैडर अधिकारी लड़ते हैं लेकिन कमान बाहर से थोपी जाती है।

10 लाख के लगभग कर्मचारी हैं भारत के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में, यह दुनिया के सबसे बड़े अर्द्धसैनिक बलों में से एक माना जाता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

उत्तरी इंडोनेशिया के जलक्षेत्र में भूकंप से उठीं सुनामी की लहरें

जकार्ता। इंडोनेशिया के जलक्षेत्र में बृहस्पतिवार को आए भूकंप से सुनामी की छोटी लहरें उठीं, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और इमारतों को नुकसान पहुंचा। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप की तीव्रता 7.4 थी और इसका केंद्र मोलूका सागर में 35 किलोमीटर की गहराई पर था। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान एवं भूभौतिकी एजेंसी के अनुसार, भूकंप के आधे घंटे से भी कम समय में कई निगरानी केंद्रों में सुनामी की लहरें दर्ज की गईं, जिनमें बिटुंग में आंठ इंच और पश्चिम हलमाहेरा में एक फुट ऊंची लहरें शामिल हैं।

गायक जुबिन गर्ग की मौत मामले की जांच पूरी : सिंगापुर पुलिस

सिंगापुर। सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) ने पुष्टि की है कि 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में हुई गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले में जांच पूरी हो गई है और इसमें किसी भी तरह की साजिश या आपराधिक कृत्य के सबूत नहीं मिले हैं। बुधवार को जारी एक बयान में कहा गया कि सिंगापुर के 'कोरोनर्स एक्ट, 2010' के तहत एसपीएफ ने मामले की गहन जांच की, उपलब्ध सबूतों की पड़ताल की और सभी संबंधित गवाहों के बयान दर्ज किए। एसपीएफ ने कहा कि यह बयान मीडिया के सवालों के जवाब में जारी किया गया है और आमजन को ऐसी टिप्पणियां करने से बचने की सलाह दी गई है जो अदालत के फैसले या न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाती हों।

ट्रंप ने ईरान के खतरे को खत्म बताया तो तेहरान ने मिसाइलें दागकर दिया जवाब

इजराइल और खाड़ी देशों को निशाना बनाया, कहा- अभी हथियारों का पर्याप्त भंडार

दुबई, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान का खतरा लगभग खत्म हो चुका है और युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा लेकिन इसके बाद ईरान ने बृहस्पतिवार को इजराइल और खाड़ी के अरब देशों पर और मिसाइलें दागकर साफ किया कि वह फिलहाल अपने हमले रोकने नहीं जा रहा है।

ईरानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम जुल्फिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि तेहरान के पास अभी काफी छिपे हुए हथियार, गोला-बारूद और उत्पादन सुविधाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा, जिन केंद्रों को आप निशाना बनाने का दावा करते हैं, वे महत्वहीन हैं और हमारा रणनीतिक सैन्य उत्पादन ऐसे स्थानों पर होता है जिनकी आपको कोई जानकारी नहीं है और आप वहां कभी नहीं पहुंच सकते। इससे पहले, ट्रंप ने जोर देकर कहा था कि इस जलडमरूमध्य को बलपूर्वक खोला जा सकता है लेकिन यह काम अमेरिका का नहीं है। अमेरिकी जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने होर्मुज से गुजरने वाले तेल पर निर्भर देशों से देर से सही, हिम्मत दिखाने और इसे अपने कब्जे में लेने की अपील की। ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई इतनी निर्णायक रही है कि सबसे शक्तिशाली देशों में से एक माने जाने वाले ईरान से अब वास्तव में कोई खतरा नहीं रहा। ईरान ने बृहस्पतिवार को ही ट्रंप के भाषण का दृढ़ता से जवाब दिया और इजराइल के साथ खाड़ी देशों पर कई मिसाइल हमले किए।

पड़ोसी देशों पर ईरान के हमलों और होर्मुज जलडमरुमध्य पर उसके नियंत्रण से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है, जिसका असर पश्चिम एशिया के साथ दुनियाभर में लगातार बढ़ता जा रहा है।

इजराइल के तेल अवीव में ईरान की मिसाइल गिरने के बाद उठता धुआं।

अमेरिका से लड़ने के लिए 70 लाख ईरानी तैयार

तेहरान। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कालीबाफ ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि 70 लाख ईरानी किसी भी अमेरिकी जमीनी आक्रमण के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार हैं। कालीबाफ ने युद्ध की शुरुआत से ही अमेरिका को चुनौती देने वाली कई पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा की हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, एक हफ्ते से भी कम समय में पूरे देश में एक बड़ा अभियान चलाया गया, जिसमें लगभग 70 लाख ईरानी सामने आए और कहा कि वे हथियार उठाकर अपने देश की रक्षा के लिए तैयार हैं। सोशल मीडिया पर कई दिन से इस दावे के संबंध में पोस्ट की जा रही हैं। इस दावे का उल्लेख करने वाले कालीबाफ पहले उच्चस्तरीय अधिकारी हैं।

जल्द से जल्द इराक छोड़ें सभी अमेरिकी नागरिक

बगदाद। इराक की राजधानी बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने गुरुवार को इराक में मौजूद अपने नागरिकों से तुरंत देश छोड़ने की अपील की है।

दूतावास के बयान के अनुसार, ईरान समर्थक समूहों द्वारा मध्य बगदाद में स्थित विदेशी राजनयिक मिशनों पर हमले की धमकियों के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। दूतावास ने कहा, ईरान से जुड़े इराकी आतंकवादी समूह अगले 24-48 घंटों के भीतर मध्य बगदाद में हमले कर सकते हैं। ईरान और उससे जुड़े आतंकवादी गुटों ने पूरे इराक में अमेरिकी नागरिकों और अमेरिका से जुड़े ठिकानों पर व्यापक हमले किए हैं, जिनमें इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र भी शामिल है। बयान में चेतावनी दी गई है कि ईरान समर्थित ये आतंकवादी समूह इराक में अमेरिकी नागरिकों, व्यवसायों, विश्वविद्यालयों, राजनयिक मिशनों, ऊर्जा केंद्रों, होटलों और हवाई अड्डों को निशाना बना सकते हैं।

- **अमेरिकी दूतावास ने अपील की, अगले 24 घंटों में बगदाद में हमलों की आशंका जताई**

राजनयिक मिशन ने एक्स पर लिखा, इराकी सरकार अपने क्षेत्र में या वहां से होने वाले आतंकवादी हमलों को रोकने में विफल रही है। ईरान समर्थित आतंकवादी समूह इराकी सरकार से जुड़े होने का दावा कर सकते हैं। आतंकवादी ऐसे पहचान पत्र भी दिखा सकते हैं जिनसे वे इराकी सरकार के कर्मचारी प्रतीत होते हों।

इजराइल के मृत्युदंड कानून के खिलाफ मुस्लिम देश एकजुट

अबू धाबी, एजेंसी

अरब और मुस्लिम देशों के एक शक्तिशाली गुट ने एकजुट होकर इजराइल के नवीनतम कानूनी कदम की तीखी निंदा की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अधिकृत पश्चिम तट में मृत्युदंड की शुरुआत बेहद गंभीर और खतरनाक है, जिसके क्षेत्रीय स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय कानून पर दूरगामी परिणाम होंगे।

संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, तुर्की, मिस्र, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, सऊदी अरब और कतर के विदेश मंत्रियों ने एक कड़े शब्दों वाले संयुक्त बयान में इजराइली संसद नेसेट के पारित कानून की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह प्रभावी रूप से फिलिस्तीनियों के खिलाफ मृत्युदंड का मार्ग प्रशस्त करता है और अधिकृत फिलिस्तीनी क्षेत्र में भेदभाव को और गहरा करता है। मंत्रियों ने आगाह किया कि इस कदम से क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है, शांति स्थापित करने के लिए किे जा रहे कमजोर प्रयासों को और नुकसान पहुंचा सकता है और पहले से ही बदहाल हालात और ज्यादा खराब हो सकते हैं। उन्होंने इजराइल से संकट को बढ़ाने वाले उपायों को रोकने का आह्वान किया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से जवाबदेही सुनिश्चित करने और शांति बनाए रखने के प्रयासों को तेज करने का आग्रह किया।

- **क्षेत्रीय स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय कानून पर दूरगामी परिणाम की चेतावनी दी**
- **इजराइल ने हाल ही में फिलिस्तीनियों को मृत्युदंड देने का बनाया है कानून**

उल्लेखनीय है कि इजराइल की संसद नेसेट ने 31 मार्च को एक विवादास्पद विधेयक पारित किया है, जो आतंकी कृत्यों में इजराइलियों की हत्या के दोषी पश्चिम तट के फिलिस्तीनियों के लिए मृत्युदंड को अनिवार्य बनाता है। इस कानून के तहत सैन्य अदालतों में घातक आतंकवादी कृत्यों के दोषी पाए गए पश्चिम तट के निवासियों के लिए फांसी की सजा एक सामान्य सजा होगी। न्यायाधीश केवल अस्पष्ट रूप से परिभाषित विशेष परिस्थितियों में ही आजीवन कारावास की सजा दे सकते हैं। कानून के अनुसार, सजा सुनाए जाने के 90 दिनों के भीतर मृत्युदंड दिया जाना है।

यूरोपीय देश और मानवाधिकार समूह पहले ही कर चुके हैं आलोचना

यूरोपीय देशों के साथ कई मानवाधिकार समूह और फिलिस्तीनी प्राधिकरण पहले ही दो अलग-अलग कानूनी व्यवस्था बनाने के लिए इस कानून की आलोचना कर चुके हैं। दरअसल पश्चिम तट के फिलिस्तीनियों पर सैन्य अदालतों में अनिवार्य मृत्युदंड के तहत मुकदमा चलाया जाएगा जबकि पूर्वी यरुशलम के फिलिस्तीनी निवासियों सहित इजराइली नागरिकों पर नागरिक अदालतों में उन कानूनों के तहत मुकदमा चलाया जाएगा है जो काफी हद तक यहूदी अपराधियों को ऐसी सजाओं से बाहर रखते हैं। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और इटली ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस कानून से लोकतांत्रिक सिद्धांतों को नुकसान पहुंचने का जोखिम है।

जापान-फ्रांस ने परमाणु ऊर्जा सहयोग पर घोषणा पत्र पर किए हस्ताक्षर

टोक्यो। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की जापान की दो दिवसीय यात्रा के दौरान दोनों देशों ने परमाणु ऊर्जा के विकास पर एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के साथ बुधवार को एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में मैक्रों ने कहा, हमने नागरिक परमाणु ऊर्जा पर एक घोषणापत्र अपनाया है। परमाणु ऊर्जा कार्बन उत्सर्जन कम करने और संप्रभुता की रणनीति के केंद्र में है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों देश संयुक्त परियोजनाओं के माध्यम से दोनों देश साझेदारी को विकसित करना जारी रखेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों को 2050 तक अगली पीढ़ी के परमाणु रिएक्टर मिलने की उम्मीद है। मैक्रों ने कहा, हमारी साझेदारी अंतरिक्ष क्षेत्र में भी जारी है।

- **मैक्रों ने अंतरिक्ष क्षेत्र में जापान के साथ साझेदारी की घोषणा की**

फ्रांसीसी अंतरिक्ष कमान में एक जापानी अधिकारी भेजने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर के साथ यह एक नए स्तर पर पहुंच गई है। मैक्रों ने कहा कि दोनों देशों के पास इस क्षेत्र में सहयोग विकसित करने की महत्वपूर्ण संभावनाएं हैं, विशेष रूप से रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल और छोटे रॉकेट के क्षेत्र में।

32 मंजिला रॉकेट हुआ रवाना

नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से 32 मंजिला रॉकेट रवाना हुआ जहां इस नए युग की शुरुआत देखने के लिए हजारों लोग इकट्ठे हुए थे। आसपास की सड़कें और समुद्र तट भी लोगों से खचाखच भर गए जिससे अपोलो चंद्र अभियानों की याद ताजा हो गई।

सबसे वैविध्यपूर्ण दल...

तीन अमेरिकी और कनाडा के एक यात्री के साथ यह ऐसा पहला दल है जिसमें पहली बार कोई महिला, गैरश्वेत कोई व्यक्ति और कोई गैर अमेरिकी नागरिक नासा के नए ओरियन कैप्सूल में सवार हुए।

चलो चांद पर चलें.... 50 साल बाद चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर रवाना हुआ नासा का मिशन

केप कैनवेरल। अमेरिका से बुधवार को चार अंतरिक्ष यात्री चांद की ओर रवाना हुए। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के इस मिशन के तहत करीब 50 बाद चांद पर इंसान अपने कदम रखने जा रहे हैं। नासा दो साल से इस मिशन की तैयारी कर रहा था। आर्टेमिस 2 के कमांडर रीड वाइजमैन ने 'चलो चांद पर चलते हैं!' के घोष के साथ अंतरिक्ष की ओर इस अभियान की अगुवाई की। उनके साथ पायलट विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और कनाडा के जेरेमी हैनसेन थे। यह चांद पर स्थायी मौजूदगी स्थापित करने की दिशा में नासा का अब तक का सबसे बड़ा कदम है।

6,400 किलोमीटर... अंतरिक्ष में सबसे दूर तक जाने का रिकॉर्ड बनाएगा यह मिशन

अंतरिक्ष यात्री अपनी 10 दिवसीय परीक्षण उड़ान के पहले 25 घंटे पृथ्वी के करीब ही रहेंगे, पृथ्वी के चारों ओर कक्षा में कैप्सूल की जांच करेंगे और फिर मुख्य इंजन को चालू करेंगे जो उन्हें चंद्रमा तक ले जाएगा। वे न तो चंद्रमा पर रुकेंगे और न ही उसकी परिक्रमा करेंगे, जैसा कि अपोलो 8 के पहले चंद्रयात्रियों ने 1968 की क्रिसमस की पूर्व संध्या पर किया था। उनका कैप्सूल चंद्रमा के पास से गुजरेगा और उससे 6,400 किलोमीटर आगे बढ़ने के बाद यू-टर्न लेकर सीधे प्रशांत महासागर में उतरेगा। इसी के साथ वे सबसे दूर तक जाने वाले इंसान बन जाएंगे।

बैंक घोटाला मामले में विधायक को तीन साल की सजा

नई दिल्ली। नई दिल्ली की विशेष एमपीएमएलए अदालत ने लगभग 25 वर्ष पुराने बैंक घोटाले एवं भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में मध्यप्रदेश के दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को दोषी करार देते हुए तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है।

अदालत ने सजा सुनाने के साथ राजेंद्र भारती और एक अन्य आरोपी को 4.50 लाख रुपये के निजी मुचलके पर 60 दिन की अपील अवधि तक अंतरिम जमानत भी दी है। आरोपियों पर बैंक से जुड़े लेनदेन में अनियमितता, फर्जी दस्तावेज तैयार कर आर्थिक लाभ लेने और आपराधिक साजिश रचने के आरोप थे। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोप सिद्ध मानते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471, 409 एवं 120-बी के तहत दोषसिद्धि दर्ज की।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष - आज कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। धन लाभ संभव। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी। चित्रा नक्षत्र सृजनात्मकता बढ़ाएगा।

वृष - आज उधार दिया धन वापस मिलने का संभावना है। पारिवारिक सुख मिलेगा। मंगल गोचर से यात्रा लाभदायक है। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मिथुन - आज बौद्धिक कार्य सफल। गुरु की दृष्टि से शिक्षा-प्रतियोगिता में विजय मिलेगी। व्यापार में नई योजनाएं लागू करेंगे।

कर्क - आज रिश्तों में भावनात्मक स्थिरता रहेगी। चंद्र कन्या से वित्तीय योजना शुभ होगी। कार्यक्षेत्र पर अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

सिंह - आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। शुक्र प्रभाव से सौंदर्य-वस्त्र खरीदना उत्तम रहेगा। बेरोजगारों को जॉब मिल सकती है।

कन्या - आज व्यापार विस्तार का योग है। चंद्र स्वराशि सर्वत्र विजय। सरकारी कार्यों में धीमापन रहेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

तुला - आज संचार माध्यमों से लाभ होगा। व्याघात योग सावधानी बरतें। अपने लक्ष्यों को लेकर अत्यधिक भावुक हो सकते हैं।

वृश्चिक - आज कर्मफल सिद्धि। शनि दृष्टि से पुराने विवाद समाप्त होंगे। बच्चों की समस्याओं पर आपको ध्यान देना चाहिए।

धनु - आज आप धार्मिक यात्रा करेंगे। गुरु स्वगृही ज्ञानार्जन शुभ होगा। आपके ऊपर नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं।

मकर - आज स्थिरता रहेगी। मीन भाव ग्रहों से भावनात्मक संतुलन आवश्यक। सहकर्मियों के साथ अपने संबंध मधुर रखें।

कुंभ - आज मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। व्यापारिक निर्णय सफल होंगे। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन - आज मंगल-शनि-सूर्य स्वराशि चरम ऊर्जा रहेगी। नवीन उद्यम प्रारंभ करना शुभ रहेगा। व्यर्थ की बातों में समय बर्बाद न करें।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय

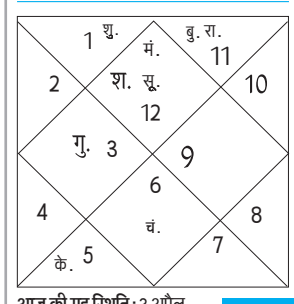

आज की ग्रह स्थिति : 3 अप्रैल, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 08.42 तक तत्पश्चात द्वितीया।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- चित्रा 19.25 तक तत्पश्चात स्वाती।

सुडोकू - 107 का हल

9	4	1	6	8	5	3	7	2
3	8	6	2	4	7	1	9	5
7	5	2	1	9	3	4	8	6
1	6	7	8	2	4	9	5	3
4	9	8	3	5	1	6	2	7
2	3	5	7	6	9	8	4	1
6	7	9	5	1	8	2	3	4
8	1	3	4	7	2	5	6	9
5	2	4	9	3	6	7	1	8

सुडोकू -108

		3	7			1	
8				4		2	
9		5				3	6
	3			9	5	8	
6			3				7
	4		8	1		5	
3		2				5	1
	8			3			4
	1				6	9	

अमेरिका के नेब्रास्का राज्य ने दी दीपावली उत्सव को मान्यता

न्यूयॉर्क। अमेरिका के नेब्रास्का राज्य की विधायिका ने दीपावली उत्सव को मान्यता देने का प्रस्ताव पारित किया है, जिसे सिएटल स्थित भारतीय मिशन ने राज्य के हिंदू समुदाय के लिए एक 'ऐतिहासिक' कदम बताया है। यह प्रस्ताव राज्य सीनेटर जॉन फ्रेडरिकसन ने प्रायोजित किया था और 31 मार्च को स्पीकर जॉन आर्च ने इस पर हस्ताक्षर किए। सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि इस प्रस्ताव को अपनाना अमेरिका के भारतीय प्रवासी समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक घटना है।

नाता प्रथा | राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आरटीआई आवेदन पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को दिए निर्देश

स्टांप पेपर पर लड़कियों को बेचने की रिपोर्ट सार्वजनिक करें

नई दिल्ली, एजेंसी

लड़कियों को शादी के नाम पर स्टांप पेपर या अनौपचारिक समझौतों के माध्यम से बेचे जाने वाली नाता प्रथा एक बार फिर जांच के दायरे में है। केंद्रीय सूचना आयोग ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को सौंपी गई कार्रवाई रिपोर्ट को सार्वजनिक करने का निर्देश दिया है।

सूचना आयुक्त पीआर रमेश ने हाल ही में जारी एक आदेश में कहा कि मंत्रालय को सूचना के अधिकार (आरटीआई) अनुरोध पर पुनर्विचार करना चाहिए और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के साथ साझा की गई कार्रवाई रिपोर्ट को उपलब्ध कराना चाहिए, हालांकि छूट प्राप्त हिस्सों को हटा दिया जाए। इसके साथ केंद्रीय सूचना आयोग ने अपीलकर्ता की ओर से मांगी गई अन्य जानकारी को अस्वीकार करने के फैसले को बरकरार रखा। आरटीआई आवेदन में मंत्रालय, राष्ट्रीय सूचना आयोग और राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश व गुजरात राज्यों के बीच हुए पत्राचार की प्रतियां तथा कार्रवाई रिपोर्ट जारी करने का अनुरोध किया गया था।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने छह जून, 2024 को जारी एक बयान में इस प्रथा को गंभीर बताते हुए इसे सामाजिक बुराई करार दिया था। आयोग ने कहा था, वह नाता प्रथा को गंभीर मानता है, जिसके तहत कुछ समुदायों में लड़कियों को शादी के नाम पर स्टांप पेपर पर या किसी अन्य तरीके से बेचा जाता है। राजस्थान के कुछ हिस्सों और मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश व गुजरात के आसपास के इलाकों में इस प्रथा की कोई कानूनी मान्यता नहीं है। आयोग ने इस प्रथा को अनैतिक व दुराचारी बताते हुए इसके उन्मूलन की मांग की थी।

पिता ने ढाई लाख में बेचा, पूरे पैसे नहीं मिले तो वापस लाकर कर दी दूसरी शादी, लड़की ने कर ली आत्महत्या

मानवाधिकार आयोग ने राजस्थान में एक नाबालिग लड़की के पिता की ओर से नाता प्रथा के तहत ग्रामीणों की उपस्थिति में परिवारों के बीच हुए समझौते के माध्यम से 2.5 लाख रुपये में उसकी शादी कराने के मामले का हवाला दिया। शुरू में 60,000 रुपये का भुगतान किया गया था लेकिन शेष राशि नहीं चुकाई गई, जिसके बाद पिता लड़की को वापस ले आया और 32,000 रुपये में उसका नाता दूसरे आदमी से कर दिया। लड़की ने इस व्यवस्था का विरोध किया और पहले वाले आदमी के साथ रहने के लिए लौट गई। बाद में उसने अपने पिता की ओर से उत्पीड़न का आरोप लगाया और जून 2020 में आत्महत्या कर ली।

आईपीएल का यह सत्र मोहम्मद शमी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और जिस तरह से उन्होंने दिल्ली के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की उससे पता चलता है कि वह पूरी तरह से तैयार हैं।
–चेतेश्वर पुजारा

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर नगर, शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026

हैदराबाद की जीत का सूरज चमका कोलकाता फिर हो गया परास्त

आईपीएल-2026 : सनराइजर्स ने सत्र का सर्वोच्च स्कोर ठोक 65 रनों से विजय हासिल की

कोलकाता, एजेंसी

हेनरिच क्लासेन (52) के जुझारू अर्धशतक और नीतिश कुमार रेड्डी (दो विकेट और 39 रन) के हरफनमौला खेल के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल टी20 मैच में बृहस्पतिवार को यहाँ कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराकर मौजूदा सत्र में जीत का खाता खोला।

सनराइजर्स ने आठ विकेट पर 226 रन बनाने के बाद जयदेव उनादकट (21 रन पर तीन विकेट), इशान मलिंगा (14 रन पर दो विकेट) और 'प्लेयर ऑफ द मैच' रेड्डी (17 रन पर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से केकेआर की पारी को 16 ओवर में 161 रन पर समेट दिया। केकेआर की यह दो मैचों में दूसरी हार है। केकेआर के लिए अंगकृष रघुवंशी ने 29 गेंदों में 52 रन बनाए, जबकि रिंकू सिंह ने 25 गेंदों में 35 रन का योगदान दिया। फिन ऐलन ने सात गेंदों में 28 रन बनाए, लेकिन उनकी तेज पारी का फायदा उठाने में टीम नाकाम रही। क्लासेन ने 35 गेंदों में 52 रन बनाने के अलावा रेड्डी (24 गेंदों में 39 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 53 गेंदों में 82 रन की साझेदारी कर पारी को संवारा।

इससे पहले ट्रैविस हेड ने 21 गेंदों पर 46 रन की विस्फोटक पारी खेलकर लय में वापसी की, जबकि अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों में 48 रन ठोके। दोनों ने पहले विकेट के लिए 34 गेंदों में 82 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। केकेआर के लिए ब्लेसिंग मुजरबानी ने चार, वैभव अरोड़ा ने दो विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऐलन ने शुरुआती ओवर में डेविड पेन के खिलाफ तीन चौकों और दो छक्कों के साथ शानदार शुरुआत दिलाई। दूसरे ओवर में गेंदबाजी के लिए आए हर्ष दुबे ने अपनी ही गेंद पर कैच लपककर ऐलन की सात गेंदों में 28 रन की पारी का अंत किया। क्रीज पर आए अंगकृष रघुवंशी ने अभिषेक शर्मा के खिलाफ दो छक्के और जयदेव उनादकट के खिलाफ दो चौके जड़कर आक्रामक तेवर दिखाए, लेकिन दूसरे छोर पर कप्तान अजिंक्य रहाणे संघर्ष करते नजर आए। वह उनादकट की गेंद पर इशान मलिंगा को कैच दे बैठे। कैमरन ग्रीन (दो) भी रघुवंशी के साथ तालमेल की कमी के कारण रन आउट हो गए, जिससे पावरप्ले में टीम का स्कोर तीन विकेट पर 74 रन हो गया। रघुवंशी ने 10वें ओवर में एक रन लेकर 27 गेंदों में लगातार दूसरा अर्धशतक पूरा किया। रिंकू सिंह ने इसके बाद आक्रामक रुख अपनाते हुए चौके जड़े, लेकिन रघुवंशी अपनी पारी को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके और रन आउट हो गए।

जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाते सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी। एजेंसी

ऑरेंज कैप

अंगकृष रघुवंशी
केकेआर 103
ईशान किशन
हैदराबाद 94 रन
हेनरिच क्लासेन
हैदराबाद 83 रन

पर्पल कैप

जयदेव उनादकट
हैदराबाद 4 विकेट
ब्लेसिंग मुजरबानी
केकेआर 4 विकेट
जैकब डफी
आरसीबी 3 विकेट

200 वां आईपीएल मैच कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने खेला, यह उपलब्धि को हासिल करने वाले वो 11वें खिलाड़ी बन गए

82 रनों की पहले विकेट के लिए शानदार साझेदारी महज 34 गेंदों में ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा ने की

सनराइजर्स हैदराबाद

226/8 (20 ओवर)

ट्रेविस हेड का ग्रीन बो त्यागी	46
अभिषेक का चक्रवर्ती बो मुजरबानी	48
ईशान किशन का रिंकू बो मुजरबानी	14
क्लासेन का रमनदीप बो मुजरबानी	52
अनिकेत वर्मा का रिंकू बो अनुकूल	01
नीतिश कुमार का चक्रवर्ती बो वैभव	39
सलील अरोड़ा बो वैभव	00
हर्ष दुबे नाबाद	09
शिवांग कुमार का रहाणे बो मुजरबानी	04

गेंदबाजी : वैभव 4-0-47-2, मुजरबानी 4-0-41-4, नारायण 4-0-39-0, चक्रवर्ती 2-0-31-0, त्यागी 4-0-48-1, अनुकूल 2-0-16-1

कोलकाता नाइट राइडर्स

161/10 (16 ओवर)

फिन ऐलन का एवं बो हर्ष	28
रहाणे का मलिंगा बो उनादकट	08
अंगकृष रघुवंशी रन आउट	52
कैमरुन ग्रीन रन आउट	02
रिंकू सिंह का उनादकट बो रेड्डी	35
अनुकूल रॉय का एवं बो रेड्डी	00
रमनदीप सिंह का उनादकट बो मलिंगा	10
सुनील नारायण का अनिकेत बो मलिंगा	12
कार्तिक का किशन बो उनादकट	01
वैभव अरोड़ा नाबाद	00
वरुण चक्रवर्ती बो उनादकट	08

गेंदबाजी : पेन 2-0-35-0, दुबे 2-0-17-1, अभिषेक 1-0-15-0, उनादकट 3-0-21-3, मलिंगा 2-0-14-0, शिवांग 4-0-41-0, रेड्डी 2-0-17-2

IPL 2026

आज का मुकाबला

चेन्नई सुपर किंग्स — बनाम — पंजाब किंग्स

समय - शाम 7:30 बजे

विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते अभिषेक शर्मा। एजेंसी

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	टाई	अंक	नेट रन रेट
1.	राजस्थान रॉयल्स	1	1	0	0	2	4.171
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	1	1	0	0	2	2.907
3.	दिल्ली कैपिटल्स	1	1	0	0	2	1.397
4.	मुंबई इंडियंस	1	1	0	0	2	0.687
5.	पंजाब किंग्स	1	1	0	0	2	0.509
6.	सनराइज़र्स हैदराबाद	2	1	1	0	2	0.469
7.	गुजरात टाइटंस	1	0	1	0	0	-0.509
8.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	1	0	1	0	0	-1.397
9.	कोलकाता नाइट राइडर्स	2	0	2	0	0	-1.964
10.	चेन्नई सुपर किंग्स	1	0	1	0	0	-4.171

हाईलाइट

फीफा ने विश्व कप फाइनल के टिकटों की कीमत बढ़ाई

ज्यूरिख। फीफा ने 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट की 48 टीमों के तय हो जाने के बाद फाइनल के लिए टिकट की अधिकतम कीमत बढ़ाकर 10,990 अमेरिकी डॉलर कर दी है। दिसंबर में टूर्नामेंट के ड्रॉ के बाद जब फीफा ने टिकट बेचे थे तब श्रेणी एक के टिकट की कीमत 8,680 डॉलर थी। न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड स्थित मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल मैच के लिए फीफा के श्रेणी दो के टिकटों की कीमत 7,380 डॉलर कर दी गई है, जो पहले 5,575 डॉलर थी। इसी तरह से श्रेणी तीन के टिकटों की कीमत 5,785 डॉलर कर दी गई है जो पहले की कीमत से 4,185 डॉलर अधिक है।बुधवार रात तक ग्रुप चरण के 72 मैचों में से 17 मैचों के टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध थे, जबकि नॉकआउट चरण के किसी भी मैच के टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं थे।

इटली के फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष का इस्तीफा

रोम। इटली के लगातार तीसरी बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के दो दिन बाद देश के फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष गैब्रिएल ग्रेविना ने बृहस्पतिवार को राजनीतिक दबाव के बीच इस्तीफा दे दिया। ग्रेविना के इस फैसले के बाद संभवत: इटली के कोच गेनारो गट्टूसो को भी पद से हटाया जा सकता है। विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में लगातार दो बार विफल रहने के बाद खेल मंत्री एंड्रिया अबोदी ने ग्रेविना के नेतृत्व वाले इटली के फुटबॉल महासंघ में बदलाव की मांग की थी। क्वालीफाइंग प्लेऑफ में मंगलवार को बोस्निया एवं हर्जेगोविना से पेनल्टी शूटआउट में हार के बाद उत्तरी अमेरिका में होने वाले इस साल के टूर्नामेंट में इटली के पहुँचने की उम्मीदें खत्म हो गईं।

अब्दुरहीमान बोले- अर्जेंटीना की टीम ने दिया धोखा

मलप्पुरम (केरल)। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने गुरुवार को कहा कि अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम ने पैसे लेने के बावजूद यहां मैच खेलने के लिए नहीं आकर राज्य को धोखा दिया। अब्दुरहीमान ने कहा कि वह वास्तव में चाहते थे कि अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम और लियोनेल मेसी केरल आएं और राज्य में एक मैच खेलें। उन्होंने यहां एक टीवी चैनल से कहा इसके लिए मैंने कई बार बातचीत की थी। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टीम को देने के लिए 250 करोड़ रुपये की धनराशि जुटाने के लिए प्रायोजक ढूंढना आसान काम नहीं था। अब्दुरहीमान ने कहा लेकिन पैसे मिलने के बावजूद अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम ने हमें धोखा दिया।

पंजाब के खिलाफ लय हासिल करने उतरेगा चेन्नई

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए अपना घरेलू मैदान मजबूत गढ़ रहा है, लेकिन पंजाब किंग्स के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले आईपीएल के मैच में जीत हासिल करने के लिए उसे खेल के प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सीएसके की राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। युवा खिलाड़ियों से भरी उसकी टीम गुवाहाटी में किसी भी विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा। सीएसके अब उस हार को भुलाकर नए सिरे से अपना अभियान शुरू करने की कोशिश करेगा।

हाल ही में हुए टी20 विश्व कप के दौरान चेन्नई की पिच के व्यवहार को को देखते हुए यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होना चाहिए। सीएसके के स्टार खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी गुवाहाटी नहीं गए थे क्योंकि वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। उनका हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान डगआउट में रहने की संभावना है जिससे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को काफी फायदा मिलेगा। संजू सैमसन सीएसके के लिए अपने पहले मैच में खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे और वह इसकी भरपाई करने के लिए बेताब होंगे।

सीएसके को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में डेवाल्ड ब्रेविस की सेवाएं नहीं मिल पाई थी और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह साइड स्ट्रेन से पूरी तरह उबर चुके हैं या नहीं। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के नहीं चल पाने के कारण सरफराज खान को इंपैक्ट प्लेयर के रूप में मैदान पर उतारा गया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए हालांकि वह सहज नजर आ रहे थे। टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ-साथ कार्तिक शर्मा जैसे युवा खिलाड़ियों से और अधिक उम्मीदें की जाएंगी। गेंदबाजी की बात करें तो वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी के आगे मैट हेनरी और नूर अहमद जैसे गेंदबाज फीके पड़ गए। वे इससे उबरने के लिए बेताब होंगे। जहां तक पंजाब किंग्स का सवाल है तो उसने कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत हासिल की। उसे ऑस्ट्रेलिया के कूपर कॉनॉली के रूप में तीसरे नंबर का भरोसेमंद बल्लेबाज मिल गया है। उन्होंने पिछले मैच में टीम को खराब शुरुआत से उबारकर जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। पंजाब किंग्स की गेंदबाजी भी मजबूत नजर आ रही है।

टीम

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, आयुष म्हात्रे।

अभ्यास सत्र के दौरान चेन्नई सुपर किंग्स के एमएस धोनी। एजेंसी

हर क्रिकेटर को बचपन से ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए: युवराज

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय हरफनमौला युवराज सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि क्रिकेटरों को अपने मुख्य पेशे के तनाव से निपटने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए। युवराज क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद शौकिया तौर पर गोल्फ खेलते हैं। उन्हें दूसरे 'इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल)' का ब्रांड दूत बनाया गया है।

युवराज ने आईजीपीएल की 10 फ्रेंचाइजी के अनावरण के मौके पर कहा क्रिकेटरों को क्रिकेट के साथ-साथ गोल्फ भी खेलना चाहिए। मुझे भी पहले गोल्फ खेलना चाहिए था, जिससे मुझे क्रिकेट में मदद मिलती। गोल्फ वास्तव में आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है। आईजीपीएल का कार्यक्रम अभी तय होना बाकी है।

उन्होंने कहा ज्यादातर विदेशी क्रिकेटर, खासकर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी बचपन से ही गोल्फ खेलते हैं। युवराज ने कहा कि गोल्फ को एक विशिष्ट खेल माना जाता है, लेकिन यह एक ऐसा खेल है जो सार्वजनिक गोल्फ कोर्स के माध्यम से सभी के लिए सुलभ है। उन्होंने कहा हम गोल्फ को एक विशिष्ट खेल मानते हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि भारत का हर बच्चा गोल्फ खेले। हम गोल्फ को स्कूलों तक पहुँचाने की कोशिश कर रहे हैं। मेरा मानना है कि हर बच्चे को हर खेल को आजमाना चाहिए। युवराज ने कहा मैं जानता हूं कि क्रिकेट हमारा सबसे लोकप्रिय खेल है, लेकिन गोल्फ भी एक रोमांचक खेल है, जिसे हर किसी को आजमाना चाहिए। भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ी के तौर पर, मैं अन्य खेलों में भी योगदान देना चाहता हूं। उन्होंने कहा यह लीग (आईजीपीएल) खेल को रोमांचक बनाएगी और खेल के बारे में जागरूकता फैलाएगी।

न्यूयॉर्क में फ्रेंचाइजी लाइन-अप के अनावरण के दौरान इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग के को-फाउंडर और ब्रांड एंबेसडर युवराज सिंह (दाएं से दूसरे), पूर्व टेनिस खिलाड़ी और फ्रेंचाइजी के मालिक लिएंडर पेस (बाएं से दूसरे)। एजेंसी

चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने से मुझे आत्मविश्वास मिला : रिजवी

लखनऊ, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी ने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के मौके का पूरा फायदा उठाया और अब उनका ध्यान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने पर है। रिजवी ने अपने कौशल का शानदार नमूना पेश करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को लखनऊ सुपर जायंट्स पर छह विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वह 'इम्पैक्ट प्लेयर' के रूप में बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे।

दिल्ली की टीम ने 142 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट 26 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद रिजवी ने जिम्मेदारी संभाली और 47 गेंद पर नाबाद 70 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स (32 गेंदों पर नाबाद 39 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 119 रन की अटूट साझेदारी की।

रिजवी ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा कोच ने मुझे पहले ही बता दिया था कि तुम नंबर चार पर खेलोगे और हम तुम्हारा साथ देंगे। बस अपना स्वाभाविक, सकारात्मक खेल खेलो। उन्होंने कहा जब भी मैं उत्तर प्रदेश के लिए या यूपीटी20 लीग में खेलता हूं तो चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करता हूं। अगर आपको आईपीएल में भी उसी नंबर पर बल्लेबाजी करने का मौका मिले तो इससे काफी आत्मविश्वास मिलता है। यह मेरे लिए एक बड़ा अवसर है और कोच भी मुझे अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी दे रहे हैं। इसलिए मैं इन अवसरों को भुनाने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। रिजवी ने कहा मैंने अभी तक आईपीएल में ज्यादा मैच नहीं खेले हैं लेकिन मैं अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करूंगा और इस पारी को भूलकर अगले मैच पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करूंगा। आईपीएल में रिजवी का यह लगातार दूसरा अर्धशतक था।

आलोचना इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान की बल्लेबाजी पर उठाए सवाल

क्या ऋषभ पंत वास्तव में सलामी बल्लेबाज हैं : पीटरसन

मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत की शीर्ष क्रम के बल्लेबाज के रूप में योग्यता पर सवाल उठाते हुए कहा है कि शीर्ष तीन में खेलने से यह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज अपने खेल का आनंद लेने के बजाय खुद पर दबाव बना रहा है।

पंत दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल मैच में सलामी बल्लेबाज के रूप में खेलने के लिए उतरे और केवल सात रन बनाकर रन आउट हो गए। दिल्ली ने यह मैच छह विकेट से जीता। लखनऊ की हार के बाद पंत ने कहा था कि वह इस सत्र में शीर्ष क्रम में खेलने की योजना बना रहे हैं लेकिन पीटरसन ने कहा कि इससे वह अपने खेल का आनंद नहीं ले पाएंगे। पीटरसन ने जिओ हॉटस्टार से कहा जब आप लखनऊ की टीम की बल्लेबाजी की ताकत और गहराई को देखते हैं तो तब सवाल उठता है कि क्या ऋषभ पंत वास्तव में सलामी बल्लेबाज हैं। मुझे लगता है कि पिछले साल की तुलना में उन्हें इस साल बल्लेबाजी क्रम में कुछ ज्यादा ही ऊपर भेज दिया गया है। इंग्लैंड के कप्तान ने कहा पिछले साल उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में नीचे खेलने का फैसला किया और अब वह अचानक से कह रहे हैं कि ''मैं शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करूंगा। मुझे लगता है कि उन्हें बस मैदान पर जाकर अपने खेल का आनंद लेना चाहिए। पीटरसन ने कहा कि पंत बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आकर खुद पर और अधिक दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने कहा खुद को नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने के लिए मजबूर मत करो, उस स्थिति का आनंद लो। मुझे लगता है कि पंत सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरकर खुद पर दबाव डाल रहे हैं। पिछले सत्र तक दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग स्टाफ का सदस्य रहे पीटरसन ने समीर रिजवी की जमकर तारीफ की जिन्होंने नाबाद अर्धशतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। पीटरसन ने कहा उन्होंने स्थिति का बखूबी सामना किया और मुझे इससे किसी तरह की हैरानी नहीं हुई।

शमी की वापसी के लिए यह तो बस शुरुआत है : पुजारा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल मैच में अच्छी गेंदबाजी करने वाले मोहम्मद शमी की तारीफ करते हुए कहा कि इस तेज गेंदबाज की वापसी की राह में यह तो बस शुरुआत है। भारतीय टीम से बाहर चल रहे शमी को लखनऊ ने 10 करोड रुपए में खरीदा। शमी ने लखनऊ की तरफ से पदार्पण करते हुए अपनी पहली गेंद पर ही केएल राहुल को आउट कर दिया था और इस तरह से वह आईपीएल इतिहास में पांच बार पहली गेंद पर विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं।